THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 195 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.3 2080 सोमवार, 2 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सड़क हादसे में पुलिस अधिकारी की मौत

तिरुवनंतपुरम, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के मध्य में स्थित 'एकेजी सेंटर' के समीप रविवार को एक पुलिस जीप रोड डवाइडर और बिजली के खंभे से जा टकराई, जिससे उसमें सवार पुलिस के एक अधिकारी की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि पुलिसकर्मी वाहन में डीजल भरवाने के लिए जा रहे थे, तभी रविवार तड़के पांच बजकर 45 मिनट पर यह दुर्घटना हो गई। पुलिस के मुताबिक, जीप की पिछली सीट पर बैठे वरिष्ठ 'सिविल पुलिस ऑफिसर' (सीपीओ) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसमें सवार उपनिरीक्षक व चालक दुर्घटना में घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारी अजय कुमार की सिर पर गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। उसने बताया कि हादसे के शिकार पुलिसकर्मी पुलिस नियंत्रण कक्ष में तैनात थे।

भारत और बांग्लादेश के बीच

व्यापार पर हुई जेडब्ल्यूजी की 15वीं बैठक, कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा

ढाका, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार पर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की 15वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का आयोजन बांग्लादेश के ढाका में 26 और 27 सितंबर 2023 को हुआ। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव विपुल बंसल और बांग्लादेश जनवादी गणराज्य सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव नूर मोहम्मद महबुबुल हक ने की। जेडब्ल्यूजी की 15वीं बैठक में बंदरगाह प्रतिबंधों को हटाने, व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की शुरुआत पर जमीनी कार्य, मानकों का सामंजस्य, मानकों की पारस्परिक मान्यता, बांग्लादेश को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और सड़क एवं रेल बुनियादी ढांचे का विकास और अन्य मुद्दे जैसे कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। दोनों देशों द्वारा गहन आर्थिक जुड़ाव, क्षेत्रीय सहयोग और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि के साथ द्विपक्षीय बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। दोनों पक्षों ने दोहराया कि भविष्य में व्यापार संबंधों और आपसी समृद्धि में वृद्धि की बड़ी संभावनाएं हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाने पर हुई साझेदारी

भारत और बांग्लादेश दोनों देशों के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए कई व्यापार सुविधाजनक उपाय किए गए हैं। भारत ने 17 मई 2022 के परिपत्र के माध्यम से किसी भी अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) पर सीमा शुल्क निकासी सुविधा के साथ, बंद कंटेनरों में रेल द्वारा बांग्लादेश से भारत में निर्यात की अनुमति दी है। बांग्लादेश ने चैटोग्राम और मोंगला पोर्ट (एसीएमपी) के उपयोग पर समझौते की सफल शुरुआत और विभिन्न भूमि कस्टम स्टेशनों (एलसीएस) के माध्यम से व्यापार किए जाने वाले सामानों की संख्या में वृद्धि के बारे में जानकारी दी। व्यापार से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने और आर्थिक और तकनीकी सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार पर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की वार्षिक बैठक होती है।

महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने वाला गिरफ्तार

बेंगलुरु, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु पुलिस ने अलग-अलग इलाकों में महिलाओं को निशाना बनाने और उनका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह अपराध तब सामने आया जब एक पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने उसके बारे में बताए गए विवरण के आधार पर सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान व्यालिकावल निवासी अय्यप्पा के रूप में की गई है। वह एक बाइक मैकेनिक है। पूछताछ के दौरान अयप्पा ने पुलिस को बताया कि वह जिस गैरेज में काम करता था, वहां से बाइक लेता था और रोजाना सुनसान रास्ते पर अकेली महिला का पीछा करना शुरू कर देता था। पुलिस ने कहा कि वह महिलाओं को अकेला और अलग-थलग पाकर उन्हें गलत तरीके से छूता था।

जेएनयू में विवादित नारे लिखे

फ्री कश्मीर से लेकर पीएम मोदी को अपशब्द जांच के बाद पुलिस एक्शन की तैयारी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में एक बार फिर से विवादित नारे का मामला सामने आया है। जेएनयू की दीवारों पर उकसाने वाले नारे लिखे गए हैं। इस स्लोगन में भाजपा , पीएम मोदी से लेकर फ्री कश्मीर तक की बात की गई है। स्लोगन लिखने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है, फिर पुलिस जांच करके एक्शन लेगी। विवादित स्लोगन नीले और लाल रंग से लिखे गए हैं। कई जगह फर्श पर भी नीले रंग से स्लोगन लीखे गए हैं। दीवारों पर 'भगवा जलेगा', 'मुक्त कश्मीर', 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' जैसे विवादित नारे लिखे पाए गए।

पिछले साल लिखे गए थे ब्राह्मण बनिया विरोधी नारे

बता दें कि जेएनयू के कैंपस में इस तरह के नारे पहली बार नहीं लिखे गए हैं, इससे पहले भी कई बार इस तरह के विवादित नारे लिखे गए थे।पिछली बार जेएनयू के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की दीवारों पर बनिया और ब्राह्मण विरोधी जाति सूचक नारे लिखे गए थे। 'ब्राह्मण बनिया भारत छोड़ो, ब्राह्मण बनिया हम आएंगे बदला लेंगे' जैसे नारे लिखे गए थे। इसके अलावा जेएनयू के ही कुछ प्रोफेसर्स की नेम प्लेट पर काली स्याही पोती गई थी। इतना ही नहीं इससे पहले जेएनयू में फांसी पर चढ़ाए गए आतंकवादी अफजल गुरु के लिए सभाएं भी आयोजित की गई थीं। इस सभा में भारत तेरे टुकड़े होंगे के नारे भी लगाए गए थे। जिसके बाद जेएनयू के छात्रसंघ के अध्यक्ष और वर्तमान में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया था। फिर पूरे देश में लोगों ने इसका विरोध किया था। हालांकि, राहुल गांधी कन्हैया कुमार के समर्थन में जेएनयू पहुंचकर भाषण भी दिया था।

अमेरिका ने पाक में घुसकर लादेन को मारा

सद्दाम को लटकाया तो निज्जर मामले में भारत पर दोष क्यों? सामना में संजय राउत का सवाल

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की ओर से खालिस्तान आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाने के बाद दोनों देशों के रिश्ते तो खराब हुए ही हैं साथ ही ट्रूडो बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। अब इसको लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने जस्टिन ट्रूडो को निशाने पर लिया। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में उन्होंने लिखा कि हरदीप सिंह निज्जर के प्रकरण में भारत को दोष क्यों दिया जा रहा है? सामना में उन्होंने लिखा, "भारतीय एजेंसियों ने निज्जर की हत्या की या नहीं ये अलग बात है लेकिन देश की रक्षा के लिए ऐसी कार्रवाई करने का हक भारत जैसे देश को है। अमेरिका पाकिस्तान में घुसकर लादेन को मारता है, इसकी सराहना कनाडा समेत दुनिया के कई देशों ने की। मानव कल्याण के नाम पर अमेरिकी सेना इराक में घुस गई और सद्दाम हुसैन को फांसी पर लटका दिया। अफगानिस्तान में फौज घुसाने में अमेरिका और रूस आगे थे। उनके देश को खतरा हुआ तो इन्होंने नेक मानवीय उद्देश्यों का ढिंढोरा पीटते हुए इस तरह के कृत्यों को अंजाम दिया। इसलिए निज्जर प्रकरण में भारत को दोष क्यों देते हो?"

'जस्टिन ट्रूडो की लोकप्रियता घट रही'

संजय राउत ने सामना में आगे लिखा, "कनाडा में प्रधानमंत्री के रूप में जस्टिन ट्रूडो की लोकप्रियता घट रही है। ट्रूडो के पास बहुमत भी नहीं है। ऐसे में जगमीत सिंह की पार्टी के समर्थन से उनकी सरकार खड़ी है। सिखों की ये पार्टी खालिस्तान की गुप्त समर्थक है।" उन्होंने आगे लिखा, "भारत में राजनेता चर्च, मंदिर, मस्जिद की राजनीति करते हैं, लेकिन कनाडा में गुरुद्वारे की राजनीति महत्व रखती है। कनाडा में गुरुद्वारों की स्वतंत्र राजनीति है, लेकिन अपनी वह धार्मिक राजनीति वे भारत की भूमि पर न लाएं। कनाडा की संसद में एक सांसद को खड़े रहकर मांग करनी चाहिए कि कनाडा में जनसंख्या के आधार पर सिखों को 'खालिस्तान' चाहिए! कनाडा का असली चेहरा तब देखा जा सकेगा!"

भारत में कोविड-19 के 56 नये मामले सामने आए

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 56 नये मामले आए, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 440 दर्ज की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोरोना वायरस संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 5,32,032 पर स्थिर है। देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,49,98,838 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,66,366 हो गई है और स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 98।81 प्रतिशत है। कोविड-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत दर्ज की गई है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, अभी तक देशव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत कोविड-19 रोधी टीके की 220.67 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

कर्नाटक-तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद पर चिदंबरम ने दिया सुझाव, क्या हल होगी समस्या?

शिवगंगा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। (तमिलनाडु)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस सांसद पी। चिदंबरम ने कर्नाटक और तमिलनाडुके बीच कावेरी जल विवाद को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए एक आयोग है, जिसके फैसले पर दोनों राज्यों को काम करना होगा।

'आयोग के फैसले पर दोनों राज्यों को काम करना होगा'

पी चिदंबरम ने कहा कि मैं तमिलनाडु से सांसद हूं। इसलिए मैं तमिलनाडु की मांगों पर दबाव डाल सकता हूं। कर्नाटक के सांसद कर्नाटक की मांगों पर दबाव डालेंगे, लेकिन इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए एक आयोग है, जिसके फैसले पर दोनों राज्यों को कार्य करना होगा।

क्या है मामला?

गौरतलब है कि कावेरी नदी के जल बंटवारे को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद चल रहा है। नदी को दोनों राज्यों के लोगों के लिए जीविका का प्रमुख स्रोत माना जाता है। सीडब्ल्यूआरसी ने कर्नाटक को 28 सितंबर से 15 अक्टूबर तक तीन हजार क्यूसेक पानी तमिलनाडु को देने का आदेश दिया था। इससे पहले, छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा पांच हजार क्यूसेक थी।

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच आरोप-प्रत्यारोप

एएनआई के मुताबिक, कर्नाटक ने तमिलनाडु को नदी का पानी देने से मना कर दिया है। उसने इसके पीछे अपने राज्य के कुछ हिस्सों में आए सूखा का हवाला दिया है। वहीं, तमिलनाडु का आरोप है कि कर्नाटक सरकार झूठ बोल रही है।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी कर्नाटक सरकार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एम सिद्दरमैया का कहना है कि राज्य सरकार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और सुप्रीम कोर्ट के सामने एक याचिका दायर करेगी, क्योंकि हमारे पास पानी नहीं है। इसलिए वह तमिलनाडु को पानी नहीं जारी कर सकती।

कर्नाटक के किसान कर रहे विरोध प्रदर्शन

सीडब्ल्यूएमए ने कर्नाटक को तमिलनाडु को पांच हजार क्यूसेक पानी देने का आदेश दिया था, जिसके बाद से कर्नाटक के किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने भी इस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है।

पेट्रोल पंप के पास युवक अचानक गिरा, देखते ही देखते तोड़ दिया दम, जताई जा रही ये आशंका

कुरुक्षेत्र, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब अचानक एक युवक मुख्य चौक के समीप कहराते गिर पड़ा और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। युवक के पेट पर चोट के निशान बताए जा रहे हैं। आशंका है कि इसी वजह से उसकी जान गई है। युवक की पहचान कैथल जिला के गांव सिसला-सिसमौर के रहने वाले करीब 20 वर्षीय पवन कुमार के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि गुरुद्वारा छठी पातशाही के सामने स्थित पेट्रोल पंप के पास युवक पहुंचा। उसने पेट पर हाथ लगा रखा था। देखते ही देखते डिवाइडर पर गिर गया और कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने भी युवक को मृत घोषित कर दिया।

इसरो कैसे बदल रहा है पहचान, चंद्रयान ने लगाए चार चांद; एस सोमनाथ का आगे क्या है प्लान

चेन्नई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के नाम चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने का रिकॉर्ड दर्ज हो चुका है। हालांकि, इसरो यानी भारतीय अनुसंधान संगठन की ताजा उपलब्धियों की फेहरिस्त यहां खत्म नहीं होती है। कहा जा रहा है कि भारतीय स्पेस एजेंसी ने अपना रूप काफी बदल लिया है। इसमें चंद्रयान-3 की सफलता भी चार चांद लगाती नजर आ रही है। कहा जाता है कि इसरो शांति से बंद कमरे में काम करना पसंद करता था और मिशन के बारे में खुलकर चर्चाओं से बचता था। अब अगर देखें, तो इसमें काफी बदलाव आया है। एजेंसी ने चंद्रयान से जुड़े लगातार अपडेट्स

दिए और लैंडिंग को यूट्यूब पर लाखों लोगों ने एकसाथ देखा। इसका श्रेय मौजूदा प्रमुख एस सोमनाथ की अगुवाई को दिया जाता है। अब एजेंसी पहले से ज्यादा खुलकर, दोस्ताना हो गई है। युवा वैज्ञानिकों, नए स्टार्टअप, निवेशकों के मामले में इसरो में काफी परिवर्तन आए हैं।

माना जाता है कि रवैये में बदलाव की एक वजह निवेश भी है। फिलहाल, ग्लोबल कमर्शियल स्पेस मार्केट 400 बिलियन डॉलर का है, जिसके 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक जाने का अनुमान है। इतना ही नहीं भारत भी 2040 तक इस बाजार में अपना हिस्सा बढ़ाकर 40 बिलियन डॉलर करने की योजना बना रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए इसरो ने कई बड़े बदलाव किए हैं, ताकि कर्मचारियों को साझेदारों को आकर्षित किया जा सके। इसमें ब्रेक टाइम, बातचीत और रिफ्रेशमेंट के लिए जगह बनाने जैसी कई बातें शामिल हैं। सोमनाथ भी कह चुके हैं कि कई आइडियाज पर चाय पीते-पीते भी बात की जा सकती है।

इसरो का आगे का प्लान

लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान को चांद की सतह पर उतारने के बाद इसरो ने आदित्य-एल1 के जरिए सूर्य का रुख किया है। फिलहाल, एजेंसी सूर्य के बाद वीनस, ऑर्बिट में एस्ट्रोनॉट्स को पहुंचाने और नासा के साथ साझेदारी की तैयारी कर रही है।

एमबीबीएस छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

विदिशा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विदिशा शहर में एमबीबीएस की 20 वर्षीय एक छात्रा ने छात्रावास के अपने कमरे में कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्रा ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी पता नहीं चल पाया है। कोतवाली थाना प्रभारी आशुतोष सिंह के मुताबिक, अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज विदिशा में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा अरुणा अवासे ने शनिवार शाम अपने छात्रावास के कमरे में पंखे से लटककर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

राहुल गांधी पर बीजेपी नेता का विवादित बयान कहा- 'न तो आपकी माता जी, न ही पिता जी हिंदू थे

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सत्यम, शिवम सुंदरम के नाम से हिंदुत्व पर सोशल मीडिया पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने हिंदू धर्म की समग्रता, दया, करुणा की खूबियों का जिक्र किया। इसे लेकर बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने उन पर सवाल खड़ा किया है। इसके साथ ही राहुल के खिलाफ विवादित शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने कहा, न तो आपकी माताजी और न हीं आपके पिताजी की तरफ से आपका धर्म हिंदू है। सिरसा ने कहा, राहुल गांधी को अचानक से हिंदू धर्म की याद आई है। जब-जब चुनाव करीब आता है तब राहुल गांधी नए ड्रामे और बयानबाजी करने लगते हैं। इस उम्मीद में कि शायद कोई बात बन जाए। मनजिंदर सिंह सिरसा ने राहुल से पूछा कि 55 सालों बाद राहुल गांधी को सत्यम, शिवम सुंदरम की याद क्यों आ रही है। उन्होंने कहा, 10 साल आपकी सरकार रही, जिसमें आप सब कुछ थे। आपको पहले तो याद नहीं आई। सत्ता हथियाने के लिए लोगों को बांटने का काम करते हैं। पीएम मोदी की सराहना करते हुए मनजिंदर सिंह ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो

सबको लेकर साथ चलने की बात करते हैं और दूसरी तरफ खून से होली खेलने वाले लोग भाईचारे की बात कर रहे हैं। आपको बता दें कि रविवार को ही राहुल गांधी ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट कर लिखा, सत्यम् शिवम् सुंदरम्। एक हिंदू अपने अस्तित्व में समस्त चराचर को करुणा और गरिमा के साथ उदारतापूर्वक आत्मसात करता है, क्योंकि वह जानता है कि जीवनरूपी इस महासागर में हम सब डूब-उतर रहे हैं। निर्बल की रक्षा का कर्तव्य ही उसका धर्म है इसके साथ ही उन्होंने हिंदुत्व पर दो पन्नों का एक लेख भी शेयर किया है, जिस पर लोग खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

महिला सिपाही की हत्या के आरोप में पुलिस हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में आपराधिक घटना को लेकर चौंकाने वाली खबर है। खबर यह है कि दिल्ली पुलिस यह दावा करती आई है कि हम राजधानी वालों की सुरक्षा को लेकर हमेशा तत्पर रहते हैं, लेकिन इसके उलट यह है कि दिल्ली पुलिस की जांच टीम ने अपने ही एक हेड कांस्टेबल को एक महिला कांस्टेबल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के आरोपी हेड कांस्टेबल को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी दिल्ली पुलिस कांस्टेबल ने साल 2021 में महिला कांस्टेबल की हत्या की थी। हत्या के बाद महिला कांस्टेबल के शव को आरोपी ने नाले में छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर 2 साल बाद मृतक के कंकाल बरामद किए। महिला कांस्टेबल आरोपी पर शादी का दबाव बना रही थी, जबकि आरोपी पहले से शादीशुदा था।

बेटी का नाम रखने को लेकर भिड़ गए माता-पिता

हाईकोर्ट गए तो हुआ कुछ ऐसा

तिरुवनंतपुरम, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट के सामने एक अनूठा मामला पहुंचा। एक बच्ची के माता-पिता उसका नाम रखने को लेकर आपस में लड़ पड़े। दोनों अपने-अपने तरीके से बच्ची का नाम रखना चाहते थे, लेकिन एक-दूसरे की सुनने को तैयार नहीं थे। सहमति नहीं बनी तो हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

क्या है पूरा मामला?

रिपोर्ट के मुताबिक बच्ची को जन्म के बाद से कोई नाम नहीं मिला पाया था, क्योंकि माता-पिता किसी नाम पर सहमत हीनहीं हो पा रहे थे। इसी बीच बच्ची बड़ी हो गई और स्कूल में दाखिला कराने का वक्त आ गया। पैरेंट्स स्कूल गए तो स्कूल प्रबंधन ने बच्ची का बर्थ सर्टिफिकेट मांगा, लेकिन उसपर कोई नाम ही नहीं था। ऐसे में स्कूल ने एडमिशन से इनकार कर दिया। इसके बाद पति-पत्नी के बीच विवाद विवाद शुरू हो गया। बात बढ़ती गई।

माता-पिता क्या नाम रखना चाहते थे?

रिपोर्ट के मुताबिक बच्ची की मां उसका नाम 'पुण्य नैयर' रखना चाहती थीं, जबकि पिता 'पद्मा नैयर' नाम देना चाहते थे। दोनों एक-दूसरे के सुझाए नाम से संतुष्ट नहीं थे। विवाद बढ़ा तो दोनों हाईकोर्ट पहुंच गए।

कोर्ट ने क्या नाम दिया?

हाईकोर्ट में माता-पिता ने अपनी-अपनी दलील दी। दोनों की बात सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि चूंकि बच्ची अपनी मां के साथ रह रही है, ऐसे में मां जो नाम देना चाहती हैं उसे प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ इस बात पर भी जोर दिया कि बच्ची के नाम में पिता का सुझाव भी शामिल करना चाहिए। हाईकोर्ट ने विवाद का निपटारा करते हुए खुद बच्ची को "पुण्य बालगंगाधरन नैयर' नाम दिया। कोर्ट ने कहा कि बच्ची को 'पुण्य बी। नैयर' के नाम से भी जाना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि चूंकि बच्ची के पिता को लेकर कोई विवाद नहीं है, ऐसे में उनका सरनेम 'बालगंगाधरन' नाम के साथ जोड़ना तार्किक होगा।

असम के चार जिलों में 6 माह और बढ़ा अफस्पा, इन चार जिलों से हटाई गई पाबंदियां

गुवाहाटी, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम में रविवार को पुलिस ने बताया कि चार जिलों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम या अफस्पा को छह माह और बढ़ा दिया गया है। यहां असम पुलिस दिवस 2023 समारोह में, डीजीपी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि 'अशांत क्षेत्र' टैग, जो अफस्पा को लागू करने की अनुमति देता है, इसे, चार अन्य जिलों से हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि आज से असम में केवल चार जिलों में अफस्पा लागू होगा, जिनमें डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, शिवसागर और चराइदेव शामिल है। सिंह ने कहा, जोरहाट, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग और दिमा हसाओ से 1 अक्टूबर से अफस्पा हटा लिया गया है। असम सरकार ने पिछली बार इन आठ जिलों में अफस्पा के तहत 'अशांत क्षेत्र' अधिसूचना को 1 अप्रैल से अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया था।

लालू और नीतीश की मुलाकातों के मायने

क्या तेज होते इस सिलसिले में छिपी है चुनावी शतरंज की 'चाल'?

पटना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की सियासत नई करवटें बदलती नजर आ रही है। एक तरफ तो जदयू और राजद में अंदरूनी कलह सामने आ रही हैं। वहीं, इन दलों के शीर्ष नेताओं की मुलाकातें भी भविष्य के संकेत दे रही हैं। आईएनडीआईए गठबंधन बनने के बाद बिहार के साथ देश की राजनीति में भी हलचल पैदा हुई है। इसके बाद से ही राजनीति के बनते-बिगड़ते समीकरणों को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। बहरहाल, फिलहाल बिहार में जदयू और राजद के बीच के गठजोड़ पर लोगों का ध्यान है। कारण कि बीते कुछ दिनों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू यादव के बीच मुलाकातों का सिलसिला बढ़ा है। इसके सियासी गलियारों में कई मायने निकाले जा रहे हैं।

लालू-नीतीश की मुलाकातों के पीछे क्या है?

बिहार की राजनीति के जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की मुलाकातों के सिलसिले तेज होने से राजनीतिक गलियारे में सरगर्मी बढ़ गई है। दावा है कि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच लोकसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत हो रही है। इससे पहले वाम दलों के नेताओं ने की भी नीतीश और लालू से मुलाकात हो चुकी है।

क्या रहा इन मुलाकातों का नतीजा?

नीतीश कुमार पिछले रविवार को लालू से मिलने गए थे तब केवल राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव से अति संक्षिप्त मुलाकात करके लौट आए थे। इसके बाद सोमवार को कैबिनेट बैठक के बाद नीतीश कुमार जब लालू से मिलने गए तो दोनों के बीच सियासी मसलों पर चर्चा हुई। इसके बाद बीते गुरुवार को मुलाकात हुई, परंतु लालू प्रसाद यादव ने इसका कोई विवरण नहीं दिया। उन्होंने बस इतना ही कहा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। इसलिए मिलना-जुलना तो लगा ही रहता है। बता दें कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव की मुलाकात उस समय होती है, जब वाम दल के दिग्गज बिहार की यात्रा पर होते हैं। पिछले दिनों जब माकपा नेता सीताराम येचुरी आए तो नीतीश कुमार से मिलने के बाद उन्होंने लालू प्रसाद से भेंट की। भाकपा नेता डी। राजा ने बुधवार को लालू यादव से भेंट की थी। अब देखना ये है कि इन मुलाकातों का सीट शेयरिंग की रणनीति पर क्या असर पड़ता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 195 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन कृ.3 2080 सोमवार, 2 अक्टूबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

चंद्रबाबू नायुडू आज करेंगे जेल में अनशन

सूबे में बाकी नेता संभालेंगे विरोध की कमान

राजमंड्री, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएस जगन मोहन रेड्डी की सरकार के खिलाफ चंद्रबाबू नायुडू 2 अक्टूबर को जेल में अनशन करेंगे। इसी तरह का विरोध प्रदर्शन सारे आंध्र प्रदेश में किया जाएगा। सूबे में बाकी नेता विरोध की कमान संभालेंगे। नायुडू इस समय आंध्र प्रदेश की राजा महेंद्रवरम जेल में बंद हैं। स्किल डेवलपमेंट स्कैम में ईडी के शिकंजे के फंसने के बाद से वो जेल में बंद हैं। इस मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की अपील फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

सीआईडी ने कौशल विकास घोटाले मामले में नायुडू को गिरफ्तार किया था। तेदेपा के कार्यकर्ताओं ने 30 सितंबर शनिवार को पूरे आंध्र प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए शोरगुल करते हुए अनोखा विरोध प्रदर्शन किया था। तेदेपा के आह्वान पर कार्यकर्ताओं ने नायुडू की गिरफ्तारी की निंदा करने के लिए पांच मिनट के कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

पार्टी कार्यकर्ता शाम 7 बजे सड़कों पर निकले। उन्होंने घंटियों, बर्तन, सीटियां के साथ अपने वाहनों के हॉर्न बजाकर शोरगुल करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। नायुडू के बेटे और तेदेपा महासचिव नारा लोकेश तेदेपा सांसदों के साथ दिल्ली में हुए कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान नायुडू परिवार ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जेल के सामने जाकर ढोल बजाए।

विरोध कार्यक्रम में तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में तेदेपा समर्थकों ने भी हिस्सा लिया।

ध्यान रहे कि पार्टी ने लोगों से 30 सितंबर को शाम 7 बजे से 7.05 बजे तक शोर मचाने हुए विरोध प्रदर्शन की अपील की थी। नायुडू के समर्थकों का कहना है कि वाईएसआर सरकार ने राजनीतिक दुश्मनी निकालने के लिए उनके नेता को जेल में डाला है।

पीएम मोदी ने दी तेलंगाना को 13,500 करोड़ की सौगात

केसीआर सरकार पर साधा निशाना

सरकार कार की लेकिन स्टेयरिंग किसी ओर के हाथ में

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के महबूबनगर में रोड शो किया। इस दौरान भारी संख्या में लोगों की हुजूम पीएम मोदी की एक झलक पाने के लिए वहां पहुंचा। पीएम मोदी ने सभी का अभिवादन किया। इसके बाद उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में तेलंगाना के लोगों ने लोकसभा, विधानसभा और निकाय चुनाव में भाजपा को मजबूत किया है। आज यहां जो जनसैलाब दिख रहा है, उससे मैं आश्वस्त हूं कि तेलंगाना के लोगों ने बदलाव का अपना इरादा पक्का कर लिया है।

उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों से स्वच्छता के कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान करता हूं कि वे भी एक घंटा निकालकर इस कार्यक्रम में शामिल हों। देश के कोने-कोने में स्वच्छता अभियान चल रहा है, मुझे विश्वास है कि आज शुरू हुए इस अभियान में जबरदस्त भागीदारी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यहां आने से पहले मुझे आज सुबह स्वच्छता अभियान के कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। मैं देशवासियों से स्वच्छता के कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान करता हूं कि वे भी एक घंटा निकाल कर इस अभियान में शामिल हों।

पीएम मोदी ने कहा, हम अपने अन्नदाताओं को सम्मान दे रहे हैं, उनकी मेहनत का सही मूल्य दे रहे हैं। 2014 में कांग्रेस की सरकार के समय तेलंगाना के किसानों से धान की एमएसपी पर खरीद पर 3400 करोड़ खर्च किए गए थे, लेकिन हमने एक साल में 27 हजार करोड़ रुपये किसानों के लिए खर्च किए हैं। मुझे अफसोस है कि यहां की सरकार ने किसान योजनाओं को अपनी काली कमाई का जरिया बना लिया है। तेलंगाना में सिंचाई परियोजना के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार हुआ है।

13,500 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास :

पीएम मोदी ने कहा कि आज मुझे तेलंगाना के लोगों के कल्याण के लिए 13,500 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने का मौका मिला। ये परियोजनाएं तेलंगाना को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करेंगी। ये परियोजनाएं तेलंगाना के युवाओं के लिए अवसर पैदा करेंगी।

रायचूर-हैदराबाद (काचीगुडा) ट्रेन सेवा का उद्घाटन

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने महबूबनगर में 13,500 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कृष्णा स्टेशन से हैदराबाद (काचेगुडा)- रायचूर-हैदराबाद (काचेगुडा) ट्रेन सेवा का उद्घाटन भी किया।

व्यापार, टूरिज्म और इंडस्ट्री को भी काफी बढ़ावा मिलेगा :

उन्होंने कहा कि नागपुर-विजयवाड़ा कॉरिडोर के जरिए तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में आवाजाही बहुत आसान होने वाली है। इसके कारण इन तीनों राज्यों में व्यापार, टूरिज्म और इंडस्ट्री को भी काफी बढ़ावा मिलेगा।

गैस सिलेंडर के दाम भी कम किए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2014 में एलपीजी कनेक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, अब यह बढ़कर 32 करोड़ से ज्यादा हो गई है। हाल ही में हमने गैस सिलेंडर के दाम भी कम किए हैं।

पीएम मोदी ने किए दो बड़े एलान

आज मैं तेलंगाना की धरती से घोषणा कर रहा हूं कि केंद्र सरकार ने हल्दी किसानों के हित के लिए और उनकी आवश्यकता व भावी संभावनाओं को देखते हुए राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन का फैसला किया है। आज मैं यहां से एक और घोषणा कर रहा हूं। भारत सरकार मुलुगु जिले में एक सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी की स्थापना करने जा रही है। इसका नाम आदिवासी देवियां सम्मक्का-सारक्का के नाम पर रखा जाएगा।

कमजोर की रक्षा का कर्तव्य ही धर्म है

राहुल गांधी ने लेख लिखकर समझाया हिन्दू होने का मतलब

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर अपना एक लेख शेयर किया है जिसे उन्होंने 'सत्यम शिवम सुंदरम' शीर्षक दिया है। लेख शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, एक हिंदू अपने अस्तित्व में समस्त चराचर को करुणा और गरिमा के साथ उदारतापूर्वक आत्मसात करता है, क्योंकि वह जानता है कि जीवनरूपी इस महासागर में हम सब डूब-उतर रहे हैं। निर्बल की रक्षा का कर्तव्य ही उसका धर्म है। उनके इस लेख पर काफी चर्चा भी हो रही है, जिसमें राहुल गांधी ने हिन्दू होने के मतलब की व्याख्या की है। क्या है इस लेख में, आइए समझते हैं।

राहुल गांधी ने अपने इस लेख की शुरूआत जिंदगी के अर्थ को परिभाषित करते हुए की है। राहुल गांधी ने लिखा है, कल्पना कीजिए, जिंदगी प्रेम और उल्लास का, भूख और भय का एक महासागर है और हम सब उसमें तैर रहे हैं। इसकी खूबसूरत और भयावह, शक्तिशाली और सतत परिवर्तनशील लहरों के बीचोंबीच हम जीने का प्रयत्न करते हैं। इस महासागर में जहां प्रेम, उल्लास और अथाह आनंद है- वहीं भय भी है। मृत्यु का भय, भूख का भय, दुखों का भय, लाभ-हानि का भय, भीड़ में खो जाने और असफल रह जाने का भय। इस महासागर में सामूहिक और निरंतर यात्रा का नाम जीवन है जिसकी भयावह गहराइयों में हम सब तैरते हैं।

>14

पेंशन शंखनाद रैली में केंद्रीय बलों की भी चर्चा

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के रामलीला मैदान में नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के बैनर तले रविवार को पेंशन शंखनाद महारैली में आयोजित की गई। इस रैली में भाग लेने के लिए देशभर से सरकारी कर्मचारी दिल्ली पहुंचे थे। पेंशन शंखनाद रैली को संबोधित करने के लिए जो मंच तैयार किया गया था, वहां पर 'सीएपीएफ' जवान ड्यूटी पर थे। विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने मुस्तैद जवानों को देखकर कहा, ये जवान देश की हर तरह से सुरक्षा करते हैं। आतंकी व नक्सली हमलों का मुंहतोड़ जवाब, प्राकृतिक आपदा में देवदूत बनना, निष्पक्ष चुनाव कराना, कानून व्यवस्था बनाए रखना और अन्य तरीके से लोगों की मदद, ये सब काम सीएपीएफ जवान करते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस साल 11 जनवरी को 'सीएपीएफ' में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने का फैसला सुनाया तो केंद्र सरकार, उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चली गई। वहां से स्थगन आदेश ले लिया गया। इस तरह से 'पुरानी पेंशन' के लिए सीएपीएफ की जीती हुई लड़ाई को हार में तबदील कर दिया गया।

>14

तीन टुकड़ों में फेंका मिला महिला का शव, धड़ से गायब सिर की तलाश में जुटी पुलिस

देवरिया, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देवरिया में दिल को दहला देनेवाली घटना सामने आई है। हत्यारों ने महिला की हत्या कर शव को तीन टुकड़ों में फेंक दिया। क्षत-विक्षत शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। बार्डर होने के कारण मदनपुर और भलुअनी थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बरहज सीओ अंशुमन श्रीवास्तव ने मुआयना करने के बाद स्थानीय लोगों से पूछताछ की। मृतक महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। धड़ से सिर अभी भी गायब है। हत्यारे लाश के टुकड़ों को गाड़ी से लाए थे। हरनहीं-सोनाड़ी मार्ग पर मुंडेरा गांव के सामने जोगिया मोड़ से महिला का शव बरामद हुआ।

लखनऊः फिर विवादों में राहुल गांधी

सावरकर पर टिप्पणी के मामले में नोटिस, एक नवंबर को होगी सुनवाई

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा वीर सावरकर पर की गई टिप्पणी के खिलाफ दाखिल परिवाद को खारिज किए जाने के निचली कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को जिला जज अश्विनी कुमार त्रिपाठी ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने निगरानी याचिका पर सुनवाई के लिए राहुल गांधी को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई के लिए एक नवंबर की तारीख तय की है। साथ ही पत्रावली को सुनवाई के लिए एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश की कोर्ट मे स्थानांतरित कर दिया है। याचिकाकर्ता नृपेंद्र पांडेय ने एमपी/एमएलए के विशेष एसीजेएम अम्बरीष कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग वाली अर्जी दी थी। इसमें आरोप लगाया था कि राहुल गांधी ने सावरकर के खिलाफ 17 नवंबर 2022 को अकोला महाराष्ट्र में जानबूझकर टिप्पणी की थी। राहुल गांधी ने देश के समस्त स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है। राहुल गांधी ने निरंतर अंग्रेजों का पेंशनर, अंग्रेजों का नौकर, मददगार, अपनी रिहाई के लिए माफी मांगने वाला बताकर अनेकों दोषारोपण किया। निचली अदालत ने पहले इस अर्जी को परिवाद के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया, लेकिन बाद में परिवाद को क्षेत्राधिकार के बाहर का बताते हुए खारिज कर दिया था। निचली कोर्ट के इसी आदेश को निगरानी याचिका के जरिये चुनौती दी गई है।

जिला पुलिस और एसएसबी द्वारा नक्सलियों के ठिकाने पर छापेमारी

गया, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। गया के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलियों के विरुद्ध अर्धसैनिक बल एवं जिला पुलिस की संयुक्त छापेमारी सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में धनगांई थाना अंतर्गत ग्राम कुंभी से करीब 4 किलोमीटर बाकरखोली पहाड़ी के जंगलों में ज़मीन के अंदर आईईडी विस्फोटक गड़े होने और उसके आसपास अवैध रूप से हथियार कारतूस होने की सूचना एसएसबी ए-कंपनी-32 बटालियन को मिली थी। बताया कि नक्सली किसी बड़ी विंध्वसकारी एवं हिंसात्मक घटना को अंजाम देने के फ़िराक में लगे हैं। इस तरह की जानकारी मिलने के बाद एसएसबी के अधिकारियों ने इसकी जानकारी गया पुलिस कप्तान को दी।

भाजपा सांसद महिला विधायक से गलत हरकत करते हुए कैमरे में कैद

अलीगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। (यूपी) उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में भाजपा के एक कार्यक्रम से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में अलीगढ़ सांसद सतीश गौतम और महिला विधायक मुक्ता राजा नजर आ रही है। वीडियो में स्टेज पर बैठे रहने के दौरान गौतम को महिला विधायक के कंधे पर हाथ रखते हुए कैमरे में कैद किया गया है। इस हरकत से विधायक असहज महसूस करने लगीं, जिससे उन्हें अपनी सीट बदलनी पड़ी और मंच पर कहीं और जाना पड़ा। 25 सितंबर को हुई यह घटना अब तूल पकड़ रही है। हालांकि, वीडियो की प्रामाणिकता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। यह घटना कोल विधायक अनिल पाराशर द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में श्रीराम बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई। स्टेज पर मंत्री समेत कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं। घटना में पीड़ित महिला विधायक भी उपस्थित लोगों में शामिल थीं। इस घटना के दौरान बरौली के बीजेपी विधायक ठाकुर जयवीर सिंह गौतम की हरकतों पर ध्यान देते नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होते ही लोगों ने इस अश्लील हरकत को लेकर बीजेपी नेता की खूब आलोचना की। कांग्रेस पार्टी के नेशनल मीडिया पैनलिस्ट सुरेंद्र राजपूत ने कहा, "यह संस्कारी बीजेपी की हकीकत है"।

मानसून ने यूपी को कहा अलविदा

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में धीरे-धीरे मानसून विदा ले रहा है। जिसके चलते अब कई जगहों पर मौसम शुष्क बनता जा रहा है। फिलहाल आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई है। वहीं उमस से परेशान जनता बादलों से बारिश की उम्मीद लगाए हुए हैं। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले कई दिनों तक राज्य के किसी जिले के लिए बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। वहीं पूर्वी जिलों में फिलहाल कुछ जगहों पर छिट-पुट बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटे के दौरान राज्य के किसी भी जिले के तापमान में कोई कमी नहीं देखी गई है। बारिश नहीं होने से ज्यादातर जिलों में लोग गर्मी से परेशान हो रहे हैं। वहीं उमस के कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के पश्चिमी हिस्से में अब मौसम शुष्क बना रहेगा, वहीं पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में बारिश देखी जा सकती है।

पूर्वांचल में बारिश की संभावना

इसी क्रम में शनिवार को राज्य के पूर्वी हिस्सों में कुछ एक जगहों पर बारिश देखी गई। फिलहाल कुछ ही देर हुई बारिश के बाद इन इलाकों में तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज हुई, जिससे आम लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दिनों में मौसम ऐसा ही शुष्क बना रहेगा। जिसके चलते एक अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश का मौसम शुष्क बना रहेगा, वहीं पूर्वी हिस्सों के कुछ जगहों में बारिश हो सकती है।

तापमान में मामूली गिरावट

मौसम विभाग की रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण यूपी के पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बादलों के छाए रहने की आशंका है। जिनसे हल्की बारिश की उम्मीद लगाई जा सकती है। मौसम विभाग की मानें तो आज और कल पूर्वी हिस्से के कुछ जगहों पर गरज के साथ बारिश हो सकती है। वहीं पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क बना रहेगा। वहीं तापमान में मात्र 1 से 2 डिग्री की ही गिरावट दर्ज की जाएगी।

युवती के साथ हैवानियत की हद पार

सामूहिक दुष्कर्म के बाद पेड़ में बांधकर बेरहमी से पीटा; एफआईआर दर्ज

गोरखपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के खोराबार क्षेत्र में युवती को अगवा कर दुष्कर्म, लूट व बंधक बनाकर पीटने का मामला सामने आया है। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने 11 नामजद समेत 13 के विरुद्ध अपहरण, दुष्कर्म, छेड़खानी, लूट, मारपीट व धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया है। युवती ने तहरीर में लिखा है कि 27 सितंबर को वह घर आ रही थी। रास्ते में घर के पास रहने वाले सोनू, आजाद बेचू व दीपक उसे अगवा कर कमरे में उठा ले गए और दुष्कर्म किया। विरोध करने पर पिटाई कर पेड़ में बांध दिया और स्वजन के साथ मिलकर पीटा। आरोप है कि उन्होंने कैंची से गले पर कई बार प्रहार किया। जेब में रखे दो हजार रुपये, एटीएम, आलमारी की चाबी और मोबाइल फोन लूट लिया।

यूपी को सौर ऊर्जा से रोशन करेगी योगी सरकार

2 अक्टूबर से शुरू हो रहा 'हर घर सोलर अभियान', मिलेंगे ये लाभ

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश राज्य में सौर ऊर्जा को अपनाने में तेजी लाने के उद्देश्य से लखनऊ और वाराणसी एक परिवर्तनकारी पहल के लिए तैयार हैं। योगी सरकार 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर पूरे अक्टूबर महीने में 'हर घर सौर अभियान' शुरू करने के लिए तैयार है। इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग को प्रोत्साहित करना और उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022 में उल्लिखित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करना है। यह नीति, उत्तर प्रदेश नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीनेडा) द्वारा देखरेख की जाती है। ने आवासीय और व्यावसायिक उपयोग के लिए 6000 मेगावाट के सौर छत संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जाः सौर ऊर्जा ऊर्जा का एक स्वच्छ और नवीकरणीय स्रोत है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करता है और हरित पर्यावरण को बढ़ावा देता है। ऊर्जा लागत बचत सौर छत प्रणाली आवासीय और वाणिज्यिक दोनों उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त ऊर्जा लागत बचत का कारण बन सकती है, जो एक स्थायी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य ऊर्जा स्रोत प्रदान करती है। ग्रिड पावर पर निर्भरता कमःसौर ऊर्जा का उपयोग करके, घर और व्यवसाय पारंपरिक ग्रिड पावर पर अपनी निर्भरता कम कर सकते हैं, जिससे ऊर्जा स्वतंत्रता में योगदान मिलता है। यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला ने अभियान के शुभारंभ के बारे में जानकारी प्रदान की। उद्घाटन 'हर घर सौर अभियान' बूट कैंप लखनऊ के विकास भवन और वाराणसी में नगर निगम कार्यालय के पास होने वाला है। यह शिविर न केवल आवासीय और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है,

टिकटॉक पर दोस्ती फिर प्यार

बॉर्डर पार से 3 बच्चों के साथ आई दिलरुबा; सीमा हैदर जैसी है कहानी

श्रावस्ती, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में पाकिस्तान से आई सीमा हैदर जैसा मामला सामने आया है। यहां एक महिला अपने तीन बच्चों को साथ लेकर अपने प्यार को पाने के लिए पहुंची है। महिला बांग्लादेश से आई है। महिला जब अपने सोशल मीडिया पर हुए प्यार को पाने के लिए उसके घर पर पहुंची तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जब इस बात की जानकारी पुलिस को लगी तो उन्होंने महिला को कस्टडी में ले लिया और उससे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला भारत नेपाल के बॉर्डर पर बसे गांव भरथा रोशन गढ़ का है जो कि मल्हीपुर थाना क्षेत्र में आता है। दिलरूबा नाम की महिला की दोस्ती गांव के एक युवक से टिकटॉक पर हुई थी। प्रेमी का नाम अब्दुल करीम बताया जा रहा है। दिलरुबा जब बांग्लादेश से बॉर्डर क्रॉस करके भारत पहुंची तो उसके सामने अब्दुल की सच्चाई आ गई। अब्दुल पहले से ही शादीशुदा था। इसी वजह से दिलरुबा ने आपत्ति जताई। वहीं बांग्लादेशी महिला के गांव में पहुंचने की खबर ज्यों ही पुलिस को लगी पुलिस ने तुरंत ही एक्शन लिया और महिला को हिरासत में ले लिया।

सड़क पर झाड़ू लगाते दिखे रविशंकर

कहा- 'अब जा रहा हूं गंगा किनारे'; स्ट्राइक को लेकर नगर निगम पर कसा तंज

पटना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद पटना की सड़क पर झाड़ू लगाते नजर आए। रविशंकर प्रसाद ने पटना में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत आयोजित सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इस अभियान में वकीलों ने भी हिस्सा लिया। मुझे अच्छा लगा कि पटना हाई कोर्ट के वकीलों या भारत सरकार के वकीलों ने हाई कोर्ट के आगे झाड़ू लगाई। उसके बाद झाड़ू लगाते हुए मेरे यहां (पास) आ गए।

अब मैं जा रहा हूं गंगा किनारे : रविशंकर प्रसाद

वकीलों की तारीफ करने के बाद रविशंकर प्रसाद ने गंगा किनारे कालीघाट जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कालीघाट पर मैं झाड़ू लगाऊंगा। सभी लोग सफाई में लगे हुए हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि देश के लिए बहुत जरूरी है।

देश जागता है, जगाने वाला होना चाहिए : रविशंकर प्रसाद

रविशंकर प्रसाद पीएम मोदी की तारीफ की और कहा कि पीएम मोदी ने एक बार कहा और आज वकीलों समेत पूरा देश झाड़ू लेकर खड़ा है। यह अच्छी बात है। देश जागता है, जगाने वाले होना चाहिए। इसी प्रकार से देश को आगे बढ़ाना है। रविशंकर प्रसाद ने इस दौरान स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत की भी बात कही।

कहा- हर बार दशहरा के पहले स्ट्राइक होती है

रविशंकर प्रसाद बोले की हर बार दशहरा के पहले स्ट्राइक होती है। नगर निगम ने स्ट्राइक कर रखा है। मैंने बात की पदाधिकारियों से कि सफाई कराइए। इसका आप लोगों को समाधान ढूंढना चाहिए।

हरदोई में सामने आया पुलिस का अमानवीय चेहरा

महिला को घसीटकर ले जाती दिखी पुलिसकर्मी

हरदोई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई से यूपी पुलिस के अमानवीय चेहरा की तस्वीर सामने आई है। जिसका एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर सामने आया है। जिसमें एक महिला के साथ दो महिला पुलिस कर्मियों को बेहद दर्दनाक और अमानवीय व्यवहार करते देखा जा सकता है। वीडियो के वायरल होने के कारण सोशल मीडिया पर यूपी पुलिस की छवि धुमिल हो रही है। हैरानी की बात यह है कि यह वीडियो एसपी ऑफिस के बाहर का बताया जा रहा है। जिसमें दो महिला पुलिसकर्मी एक महिला को हाथ पकड़कर घसीटते हुए थाने लेकर जाती नजर आ रही हैं। फिलहाल वीडियो के वायरल होने के बाद यूपी पुलिस ने इसपर संज्ञान लिया है। वहीं एसपी ने विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं। बताया जा रहा है कि महिला ने एसपी ऑफिस पहुंच बवाल मचाने की कोशिश की थी, जिस कारण महिला पुलिसकर्मी उसे इस तरह ले जाती नजर आई।

एसपी ऑफिस में महिला ने मचाया बवाल

जानकारी के अनुसार हरदोई के पिहानी थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला का अपने पति से लंबे समय से विवाद चल रहा है। जिसकी शिकायत लेकर वह एसपी ऑफिस पहुंची थी। इस दौरान वह एसपी से मिलकर अपनी शिकायत बताने के बावजूद एसपी ऑफिस की दीवार पर चढ़कर बवाल मचाने लगी। जिसके बाद जानकारी होने पर महिला थाने से पहुंची महिला पुलिसकर्मियों ने उसे दीवार से उतारकर घसीट कर ले जाने लगी।

एसपी ने दिए जांच के आदेश

फिलहाल इस तरह से महिला को ले जाते देख आस-पास मौजूद कई लोगों ने इसका वीडियो बना लिया। जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसके वायरल होते ही एसपी ने इसकी जांच के आदेश दे दिए हैं। बताया जा रहा है कि महिला ने पहले भी इस तरह से बवाल मचा कर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। जानकारी के अनुसार महिला ने कुछ ही समय पहले पुलिस क्लब की दीवार पर चढ़कर पेड़ पर अपनी धोती से फंदा बनाकर जान देने की कोशिश की थी।

बीजेपी पश्चिमी उप्र में महिलाओं को बना सकती है उम्मीदवार

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए देश की ज्यादातर बड़ी पार्टियों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। वहीं इस बीच बीजेपी हाल ही में लोकसभा और राज्यसभा में पास हुए महिला आरक्षण बिल को लेकर बड़ा दांव खेल सकती है। दरअसल कयास लगाए जा रहे हैं कि 2026 के परिसीमन से पहले ही बीजेपी 33 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देकर अपने विरोधियों के बीच खलबली मचा सकती है। फिलहाल उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दौरान ऐसा करने से मौजूदा कई सांसदों के टिकट कटने की उम्मीद है। फिलहाल महिला अरक्षण बिल पास होने के बाद से ही पश्चिमी यूपी के कई लोकसभा सीटों पर महिला दावेदारों की सक्रियता तेजी से बढ़ गई है। वहीं दूसरी ओर इस बार यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटों को जीतने की दावेदारी ठीक रही बीजेपी ने बूथ स्तर पर नई महिला मतदाताओं को जोड़ने का प्लान बनाया है। जानकारी के अनुसार पश्चिम क्षेत्र की 14 लोकसभा सीटों में चार से पांच सीटों पर महिलाओं को प्रत्याशी बनाए जाने की संभावना है। एक अनुमान के अनुसार पश्चिमी यूपी में हापुड़ की जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर अमरोहा लोकसभा सीट पर दावेदारी ठोक सकती हैं। वहीं बुलंदशहर सुरक्षित सीट से राज्यसभा सदस्य कांता कर्दम को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। इसके अलवा बुलंदशहर की जिला पंचायत अध्यक्ष डा। अंतुल तेवतिया गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर अपनी दावेदारी पेश कर सकती हैं। वहीं मुरादाबाद की जिला पंचायत अध्यक्ष डा। शैफाली पर भी बीजेपी दांव खेल सकती है।

संभल से जयाप्रदा बन सकती हैं उम्मीदवार

इसके अलावा बात की जाए संभल की तो यहां पर 2019 लोकसभा चुनाव में हारने वाली जयाप्रदा को बीजेपी एक बार फिर से अपना उम्मीदवार बना सकती है। वहीं मुजफ्फरनगर में केंद्रीय मंत्री डा। संजीव बालियान की पत्नी बीते काफी लंबे समय से सक्रिय भूमिका में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही कैराना लोकसभा सीट पर पूर्व कैबिनेट मंत्री बाबू हुकुम सिंह की बेटी मृगांका अपनी तैयारी पूरी करती दिख रही हैं।

कैमूर में डॉक्टर के साथ बीच सड़क पर मारपीट

कैमूर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कैमूर के मोहनिया के पटना मोड़ के पास अनुमंडल अस्पताल से ड्यूटी करके घर जा रहे चिकित्सक के साथ नशे में चूर बाइक सवार सीआरपीएफ जवान ने जमकर मारपीट की है। परिचय देने के बाद भी गला दबाकर जानलेवा हमला किया है। आरोपी का दूसरा साथी चिकित्सक के गले में रहे सोने की सिकरी लेकर फरार हो गया। लोगों की भीड़ इकट्ठी हुई तो 112 को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी सीआरपीएफ जवान को पकड़ मोहनिया थाना ले आई। मेडिकल जांच करने पर शराब

पीने की पुष्टि हुई । सीआरपीएफ जवान श्रीनगर में पोस्टेड हैं जो मोहनिया थाना क्षेत्र के लरिया गांव के मुखराम चौधरी के बेटे धर्मेंद्र चौधरी है।

उत्तर प्रदेश में नहीं थम रहा तबादलों का दौर

अब ये 6 आईएएस अफसर इधर से उधर किए गए

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बड़े आईएएस और आईपीएस अफसरों के तबादले धड़ाधड़ हो रहे हैं। योगी सरकार ने रविवार को छह और आईएएस अफसरों को इधर से उधर कर दिया। बहराइच की मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना को मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाकर भेजा गया है। जी। श्रीनिवासलु को सचिव राजस्व से सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन बनाया गया है। इसी तरह समाज कल्याण विभाग के सचिव समीर वर्मा को वर्तमान पद के साथ समाज कल्याण निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी तरह, एनएचएम के अपर प्रबंध निदेशक हीरा लाल को विशेष सचिव सिंचाई बनाया गया है। समाज कल्याण विभाग के निदेशक पवन कुमार को चिकित्सा शिक्षा विभाग का प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है। आईएएस दीपा रंजन एनआरएलएम की मिशन निदेशक बनाई गई हैं। आपको बता दें कि एक दिन पहले शनिवार को कई जिलों के जिलाधिकारियों का तबादला कर दिया गया। झांसी, फतेहपुर, बरेली, बाराबंकी और महराजगंज के डीएम बदल गए हैं। 2013 बैच के आईएएस सत्येन्द्र कुमार को महाराजगंज से हटाकर बाराबंकी का जिलाधिकारी बनाया गया है।

इनके अलावा 2015 बैच के आईएएस अनुनय झा, जो कि नगर आयुक्त मथुरा थे, उन्हें महराजगंज का जिलाधिकारी बनाया गया है। खाद्य विभाग की निदेशक कृतिका ज्योत्सना को सुलतानपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। बलिया के सीडीओ आईएएस प्रवीण वर्मा को बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण का सीईओ बनाया गया है। 2011 बैच के आईएएस रवींद्र कुमार-आईआई को झांसी के डीएम पद से हटाकर बरेली के जिलाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

अविनाश कुमार बने झांसी के नए डीएम

वहीं, ग्रामीण आजीविका मिशन की निदेशक इंदुमती को फतेहपुर का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। अविनाश कुमार को झांसी का जिलाधिकारी बनाया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा के विशेष सचिव आईएएस बालकृष्ण त्रिपाठी को चित्रकूट धाम मंडल का प्रभारी आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथि सेन शर्मा को चिकित्सा शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव एमकेएस सुंदरम को बेसिक शिक्षा विभाग का प्रमुख सचिव नियुक्त किया गया है। प्राविधिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज को वर्तमान पद के साथ व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग का भी प्रभार दिया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 2 अक्टूबर, 2023 5

सुविचार

हमें हमारे विचार ही बनाते हैं। इसलिए शब्दों पर नहीं अपनी सोच पर ध्यान दें। विचार हमेशा जिंदा रहते हैं।

अग्रवाल समाज की विशेष साधारण सभा संपन्न

अग्रसेन जयंती की तैयारी पर हुई विस्तार से चर्चा

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा हिमायत नगर में विशेष साधारण सभा संपन्न हुई। 15 अक्टूबर को 5147वीं अग्रसेन महाराज जी की जयंती के विषय में यह सभा बुलाई गई थी। ज्ञातव्य ही को इस उपलक्ष्य में 24 सितंबर से 15 अक्तूबर तक तेलंगाना में महाराजा श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव बड़े पैमाने पर धूम धाम से आयोजित किया जा रहा है। अग्रेसन महाराज जी पूजा के साथ सभा का शुभारंभ किया गया। अग्रवाल समाज के मंत्री कपूर चंद द्वारा गत बैठक की गतिविधियां सभा के समक्ष रखी। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभा को अब तक हुई गतिविधियों से अवगत कराते हुए हर घर अग्रसेन महाराज, धन संचय पात्र, श्री सैलम यात्री निवास योजना, आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधो के लिए शिक्षा और स्वस्थ के क्षेत्र में सहायता योजना,एकल नारी योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। जयंती के उपलक्ष्य में बताते उन्होंने कहा कि सारे पधाधिकारी उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल मंत्री कपूर चंद, कोषाद्यक्ष नवीन कुमार सह मंत्री श्री मती कंचन अग्रवाल निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार ने इस बार जयंती उत्सव में 10000 अग्रबंधुओं के भाग लेने का लक्ष्य बनाया है और इस कार्य को सार्थक करने के लिया कई समितियों का गठन किया गया है। अग्रवाल के उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल इस जयंती के प्रमुख संयोजक हैं। पुरुषोत्तम अग्रवाल ने महोत्सव के अवसर पर आयोजित ट्रेजर हंट, अग्र कथा, बैटमेंटिन, चेस, कैरम प्रतियोगिता, अग्र ज्योत रथ यात्रा, अग्र भारतीय नारी महोत्सव, सोना चांदी जीतो प्रतियोगिता, डांडिया आदि के संबंध में सभा को जानकारी दी। इस अवसर पर बैटमेंटीन, चेस ,कैरम, सोना चांदी प्रतियोगिता एवम रथ यात्रा के बैनर्स का विमोचन भी किया गया।

सभी पदाधिकारियों ने सभी शाखाओं से 8 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक सदस्यता अभियान चलाने का और 14 अक्तूबर गौसेवा, अन्नदानम करने का निवेदन किया है नारी सशक्तीकरण को बढ़ावा देते हुए मंच से सभी नारी शक्ति शाखाओं से कार्यक्रम से जुड़ने का ,कार्यक्रम में सहयोग का विशेष निवेदन किया गया। अग्रवाल समाज के सह मंत्री कंचन अग्रवाल के धन्यवाद प्रस्ताव के पश्चात रात्रि भोज के साथ सभा संपन्न हुई। सभा में उपस्थित समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, मानद मंत्री कपूरचंद गुप्ता, संयुक्त मंत्री कंचन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, भूतपूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, राजेंद्र जलन, एकता गुप्ता, डिंपल अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल, प्रवीण केडिया, वेद प्रकाश, नीति अग्रवाल, सत्य प्रकाश बंसल, सतीश अग्रवाल, आनंद संघी, विकी सराफ, राजकुमार गुप्ता, साकेत अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, महेंद्र खेतान, सुनीता बंसल, डीपी बंसल, मोहित अग्रवाल, कीर्ति झुनझुनवाला, पुष्पा, मीना अग्रवाल, सुनीता तुलसियान, रानी मित्तल, सुनील कुमार अग्रवाल, एम के अग्रवाल, संतोष टाटिया, अनीता अग्रवाल, अमित अग्रवाल, केपी अग्रवाल, गीता अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, दर्शन अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, आनंद प्रकाश गुप्ता, पीडी गुप्ता, प्रवीण कुमार जैन, सुरेश अग्रवाल, गोविंद राम पचारिया, सुरेश कुमार मित्तल, मांगीलाल अग्रवाल, सुनील केडिया, प्रतीक कुमार नरसारिया, गोविंद कुमार केडिया, मनीष अग्रवाल, बीपी अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

केसीआर ने पीएम मोदी के आधिकारिक कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लिया

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव एक बार फिर तेलंगाना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं हुए।

पीएम मोदी ने रविवार को 13,545 करोड़ से अधिक की कई विकासात्मक परियोजनाओं की आधारशिला रखने के लिए तेलंगाना का दौरा किया। हालांकि, मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव मोदी के दौरे से दूर रहे और उनकी जगह पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव को शमशाद में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए नियुक्त किया गया। यह पहली बार नहीं है कि केसीआर मोदी के दौरे से नदारद हैं. भाजपा से राजनीतिक विवाद के कारण मुख्यमंत्री पिछले कुछ वर्षों से मोदी के दौरों से दूर रह रहे हैं।

दूसरी ओर, केसीआर प्रगति भवन तक ही सीमित हैं, क्योंकि वह पिछले दस दिनों से वायरल बुखार से पीड़ित हैं। बीआरएस सूत्रों का कहना है कि बुखार अभी तक कम नहीं होने के कारण केसीआर मोदी की यात्रा में शामिल नहीं हो सके। प्रधानमंत्री रविवार दोपहर नई दिल्ली से विशेष विमान से शमशाबाद हवाईअड्डे पहुंचे।

किशन रेड्डी ने शहर में श्रमदान किया

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा गांधी की जयंती की पूर्व संध्या के अवसर पर, आज नल्लाकुंटा में शंकर मठ से फीवर अस्पताल के पास 'स्वच्छ भारत अभियान' आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने इसमें श्रमदान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, किशन रेड्डी ने कहा कि वे पार्टी और गैर सरकारी संगठनों की ओर से 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से लेकर महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) तक देश भर में सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर दी गई स्वच्छ भारत की प्रेरणा से यह कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम के हिस्से के रूप में स्वच्छता को प्राथमिकता दी थी और कहा कि स्वतंत्र भारत से पहले भी उन्होंने स्वच्छ भारत हासिल करने का आह्वान किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उसी भावना से, जब से उन्होंने सत्ता संभाली है तब से लेकर आज तक मोदी निर्बाध रूप से कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश भर के करोड़ों लोग और राजनीतिक दलों के नेता श्रमदान कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी अध्यक्ष नड्डा के आह्वान के अनुसार, वे जागरूकता पैदा करने के लिए इसे एक सार्वजनिक कार्यक्रम के रूप में आयोजित कर रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन लोगों की भागीदारी के बिना पूरा नहीं है। इसलिए, लोगों को स्वच्छा से स्वच्छ भारत कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए।

पीएम ने यूओएच को पांच इमारतें समर्पित कीं

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रतिष्ठित संस्थान हैदराबाद विश्वविद्यालय में 81.27 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच नई इमारतें राष्ट्र को समर्पित कीं। अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रयास में, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, स्कूल ऑफ मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, लेक्चर हॉल कांप्लेक्स-III और सरोजिनी नायडू स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड कम्युनिकेशन (एनेक्सी) की पांच नई इमारतें बनाई गईं। 1 अक्टूबर को प्रधानमंत्री द्वारा वस्तुतः उद्घाटन किया गया। यह योजना विशेष रूप से हैदराबाद विश्वविद्यालय के लिए है और यह विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी में प्रवेश सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करके छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुकूल होगी। कार्यक्रम एनटीए द्वारा आयोजित अखिल भारतीय आधार प्रवेश परीक्षा सीयूईटी पर बनाए जाते हैं। यह परियोजना देश भर के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा/चयन प्रक्रिया में उनके प्रदर्शन के आधार पर लाभान्वित करेगी।

एसबीआई की स्वच्छता ही सेवा अभियान में मेगा पहल

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के निर्देश पर एक घंटे के राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान "एक तारीख, एक घंटा" के हिस्से के रूप में, अग्रणी बैंक होने के नाते एसबीआई ने इसमें अग्रणी भूमिका निभाई और यह सुनिश्चित किया कि राज्य के प्रत्येक जिले में न्यूनतम 5 केंद्रों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाए। राज्य में 165 से अधिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार की अध्यक्षता में एसबीआई स्थानीय प्रधान कार्यालय ने एसबीआई, एलएचओ, मुख्य शाखा और एनआरआई शाखा हैदराबाद के कर्मचारियों के साथ सरकारी ईएनटी अस्पताल, कोटि, हैदराबाद का परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर "स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2023" अभियान की मेगा पहल में भाग लिया। अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी भी इस पहल का हिस्सा थे।

सीजीएम राजेश कुमार ने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हरित पहल के हिस्से के रूप में आम जनता/ग्राहकों और कर्मचारियों के उपयोग के लिए हैदराबाद मुख्य शाखा के पास एसबीआई एलएचओ परिसर में एक पालतू बोतल रीसाइक्लिंग मशीन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए सीजीएम राजेश कुमार ने इस मेगा इवेंट में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को और स्वच्छता अभियान पहल को "जनभागीदारी"/जन आंदोलन बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि अपने घर, अपनी शाखाओं, अपने परिवेश, अपने शहर, अपने देश को एक स्वच्छ स्थान-कचरा मुक्त भारत बनाने के लिए निरंतर पहल करें। कार्यक्रम में संयोजक एसएलबीसी और महाप्रबंधक नेटवर्क 2 श्री देबाशीष मित्रा, महाप्रबंधक नेटवर्क 1 श्रीमती मंजू शर्मा और उप महाप्रबंधक और बैंक के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

किसानों की हत्या के खिलाफ कल विरोध दिवस मनाएगा किसान मोर्चा

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना संयुक्त किसान मोर्चा ने लखीमपुर खीरी में किसानों की पीट-पीट कर हत्या के खिलाफ 3 अक्टूबर को विरोध दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। आज यहां मकदूम भवन में राजा बहादुर गौड़ हॉल में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक और विभिन्न ट्रेड यूनियनों के राज्य नेताओं ने कहा कि उन्होंने मांग की है कि केंद्र केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा को हटा दे, जो एक किसान की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। और केंद्रीय मंत्रिमंडल से लखीमपुर खीरी में एक रिपोर्ट्र। उन्होंने यह भी मांग की कि केंद्र अजय कुमार मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को कड़ी सजा दे, जिसने पीड़ितों पर अपने वाहन चढ़ाकर उनकी हत्या कर दी।

उन्होंने कहा कि गारंटी कानून बनाया जाए, श्रम संहिता समाप्त की जाए, न्यूनतम मजदूरी 26 हजार रुपये प्रति माह की दर से दी जाए, 57 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी लोगों को 10 हजार रुपये प्रति माह दिया जाए और बिजली संशोधन बिल लागू किया जाए। ख़त्म किया जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 200 दिन का काम दिया जाए और 600 रुपये प्रतिदिन वेतन दिया जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि तेलंगाना राज्य में सरकार की चल रही ऋण माफी में जल्द से जल्द तेजी लाई जानी चाहिए। उन्होंने संयुक्त रूप से किसानों से अपील की कि वे किरायेदार किसानों की पहचान करने और उन्हें ऋण पात्रता कार्ड, बैंक ऋण देने, सरकारी कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन की मांग को लेकर जिला मुख्यालयों में मंडल केंद्रों पर विरोध प्रदर्शन करें। किसान मोर्चा और किसान यूनियनों की जिला स्तर पर गठित समितियों ने ट्रेड यूनियनों के परामर्श से 3 अक्टूबर को विरोध दिवस मनाने का अनुरोध किया।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो हैदराबाद) द्वारा माधापुर स्थित हाईटेक्स में दक्षिण भारत के सबसे बड़े आभूषण और लाइफ स्टाइल एक्सपो उमंग 2.0 का आयोजन जारी है। यह कल सोमवार को भी जारी रहेगा। आज रविवार को अवकाश होने तथा प्रवेश निःशुल्क होने से सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक एक्सो में भारी भीड़ रही। इसमें गणमान्य संजय घोड़ावत, निदेशक, जीतो एपेक्स, पृथ्वीराज कोठारी, जोन चेयरमैन, मुंबई उपस्थित रहे। जीतो के अन्य पदाधिकारी एक्सपो चेयरमैन गौतम सहलोत, एक्सपो सह-अध्यक्ष सुरेंद्र बंटिया, रोहित कोठारी, ललित चोपड़ा सहित सुशील संचेती, अध्यक्ष परेश शाह, मुख्य सचिव, बी.एल. भंडारी, कोषाध्यक्ष जीतो हैदराबाद चैप्टर आदि की महत्ती उपस्थिति रही।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी ने की बैठक

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की वर्ष 2023-25 के कार्यकाल की छटी बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर, चिराग़अली कार्यालय में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के क़रीब 18 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। कमिटी द्वारा इस कार्यकाल में 17 रिश्ते नक्की हुए। समाज की सभी शाखाओं के सदस्यों से आग्रह है कि समाज द्वारा जो निःशुल्क सेवा प्रदान की जा रही है उसका पूर्ण रूप से लाभ प्राप्त करें विशेषकर महिला शाखाओं से आग्रह है वे इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें आपके सहयोग के बिना यह कार्य असंभव है। बैठक प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक नियमित समय पर हर रविवार को होगी सभी अग्रबंधुओं से इस सेवा का लाभ प्राप्त करने हेतु आग्रह है। बैठक में चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्वेनियर रमेश कुमार तुलस्यान, वाइस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, सुनील कुमार मित्तल, अशोक कुमार दादरीवाला उपस्थित थे। वाइस चेयरमैन रमेश कुमार तुलस्यान के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक का समापन हुआ।

बिहार समाज सेवा संघ द्वारा महांकाली क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें प्रदेश अध्यक्ष दीपक सिंह, महेश व्यास, झारखंड एकता समाज के महासचिव किशोर यादव, सुनील, मुकेश व अन्य।

एनएमडीसी ने मनाया स्वच्छता ही सेवा का जश्न

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक, एनएमडीसी ने 1 अक्टूबर 2023 को अपने प्रधान कार्यालय और देश भर में अपनी परियोजनाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों में एक मेगा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। यह पहल एनएमडीसी द्वारा 15 सितंबर 2023 से 2 अक्टूबर 2023 तक मनाए जा रहे "स्वच्छता ही सेवा, विशेष अभियान 3.0" के तहत की गई ।

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की शुआत में प्रधानमंत्री ने 1 अक्टूबर को सभी नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से स्वच्छता के लिए 1 घंटे के श्रमदान की अपील की, ताकि बापू को उनकी जयंती की पूर्व संध्या पर स्वच्छांजलि प्रदान की जा सके। महात्मा गांधी को उनकी जयंती की पूर्व संध्या पर स्वच्छांजलि के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, राष्ट्रीय खनिक अपनी सभी प्रमुख परियोजनाओं- किरंदुल, बचेली, दोणिमलै और पन्ना में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चला रहा है और प्रभात फेरी निकाल रहा है। प्रत्येक परियोजना ने जन भागीदारी के माध्यम से क्रमशः एक -एक गांव को स्वच्छ करने की जिम्मेदारी ली। एनएमडीसी के कर्मचारियों ने आज एनएमडीसी मुख्यालय में उल्लेखनीय स्वच्छता अभियान के दौरान स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। विभिन्न परियोजनाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों के कर्मचारियों ने भी स्वच्छता गतिविधियों में भाग लिया और जिम्मेदार नागरिकों के रूप में योगदान दिया। प्रधानमंत्री के कचरा मुक्त भारत के दृष्टिकोण के समर्थन में, एनएमडीसी ने अपने प्रधान कार्यालय, हैदराबाद में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत छात्रों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को शामिल करके जन जागरूकता को बढ़ाना था। अपनी मौलिकता और नवाचार के साथ, प्रतिभागियों ने अपनी कलाकृति के माध्यम से अपनी प्रतिभा और जुनून का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर सत्येंद्र राय, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशा) ने कहा कि एनएमडीसी को स्वच्छ भारत मिशन का सक्रिय भागीदार होने पर गर्व है और यह समय-समय पर अपने प्रधान कार्यालय और परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान आयोजित करता है। एक जिम्मेदार खनिक के रूप में, हमें अपने-अपने स्थानों पर स्वच्छता कार्य की जिम्मेवारी लेना चाहिए और हरित और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाना चाहिए। स्वच्छ और हरित राष्ट्र के लिए स्वच्छता की आवश्यकता पर जोर देते हुए, एनएमडीसी ने कार्यस्थल पर विभिन्न सफाई गतिविधियों, कार्यालयों और विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों और सार्वजनिक स्थानों जैसे टाउनशिप, बाजारों, बस स्टॉप और अन्य सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता पहल का आयोजन किया।

राजनीतिक पुनर्वास का केंद्र बन गया है टीएसपीएससी बोर्ड : रेवंत

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज दावा किया कि टीएसपीएससी बोर्ड राजनीतिक पुनर्वास का केंद्र बन गया है। रविवार को यहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बोर्ड का गठन निचले स्तर के सदस्यों को बनाकर किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को भंग करने से ही बेरोजगारों के साथ न्याय होगा. उन्होंने सीएम केसीआर और राज्य मंत्री केटीआर की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य के लोगों को दी गई कांग्रेस पार्टी की छह गारंटियों को देखने के बाद दोनों को सर्दी का बुखार हो गया। रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि केसीआर और केटीआर के लिए कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लौटने से रोकना संभव नहीं है।

पुलिस की निगरानी में धार्मिक उत्साह के साथ निकला मिलाद का जुलूस

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस की निगरानी के बीच शहर भर में श्रद्धालुओं और उत्साही लोगों ने धार्मिक उत्साह के साथ मिलाद का जुलूस निकाला। हजारों प्रतिभागियों को बाइक, चार पहिया वाहनों और पैदल प्रमुख जंक्शनों से गुजरते हुए देखा गया। शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने टीएसपीआईसीसी में अंतर-विभागीय कमांड नियंत्रण केंद्र की अध्यक्षता की, जहां उन्होंने सीसीटीवी फ़ीड, ड्रोन दृश्यों की निगरानी की और डिप्टी को निर्देश जारी किए। मुख्य जुलूस काड़ी चमन से शुरू हुआ और मुख्य मार्गों इंजनबोवली, नागल चिंता से होकर दोपहर के आसपास चारमीनार पहुंचा, जहां अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैनात कोतवाल ने मिलाद जुलूस के सदस्यों का स्वागत किया। पुलिस कर्मियों ने यह सुनिश्चित किया कि जुलूस का मार्ग साफ रहे और यातायात टीमें सभी महत्वपूर्ण जंक्शनों पर मिलकर काम कर रही हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अन्य सहायक जुलूसों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी। विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एल एंड ओ), जी.सुदिर बाबू, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात, श्री पी. विश्वप्रसाद, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (एसबी), दक्षिण क्षेत्र के डीसीपी सैचैतन्य और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 2 अक्टूबर - 2023

झुलसता पाकिस्तान

एक बार फिर पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बड़ा बम धमाका हुआ है। धमाका भी तब हुआ जब जुमे की नमाज और ईद-ए-मिलाद उन नबी के मौके पर बहुत सारे लोग इकट्ठा थे। धमाका दो मस्जिदों के बाहर हुआ है, जिसमें कम से कम छप्पन लोग मारे गए हैं। करीब एक सौ तीस के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि की गई है। बता दें कि आजादी के बाद से ही बलूचिस्तान चरमपंथियों का पनाहगाह बना हुआ है। सब कुछ जानते हुए भी पाकिस्तान सरकार उस पर काबू पाने की कोशिश नहीं कर रहा है। जब कोई कदम उठाने की बात होती है तो राजनीतिक रास्ता छोड़ कर वहां की सरकार बंदूक का सहारा लेती है। इसी का नतीजा है कि अब उस इलाके में चरमपंथी संगठनों ने डेरा जमा लिया है। उनकी हिमाकत इतनी बढ़ गई है कि वे अब सेना को ही चुनौती देने लगे हैं। 2005 के बाद जब पाकिस्तानी सेना ने बड़े पैमाने पर बलूचों का सफाया करना शुरू किया था, तब से चरमपंथ और ताकतवर होता गया। उसके बाद से इस इलाके में कई बड़े बम धमाके हुए हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर लोगों को अपनी जान गंवानी पडी है। पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था अब इतनी लचर हो गई है कि चरमपंथियों पर काबू पाने की उनकी हैसियत ही नहीं बची है। अपनी कमियों से खीज कर कई मौकों पर पाकिस्तानी हुक्मरान बलूचिस्तान में अशांति के लिए भारत को ही जिम्मेदार ठहराने लगते हैं। बता दें कि बलूच लोगों की हमेशा शिकायत रही है कि भूभाग के हिसाब से उन्हें न तो राजनीतिक हिस्सेदारी मिली है और न ही आर्थिक भागेदारी। जबकि हकीकत यह है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का करीब चालीस फीसद हिस्सा है। इसके बाद भी वह इतना गरीब और पिछड़ा हुआ है कि बच्चों के लिए माकूल मदरसे तक नहीं हैं। बलूच लोग पाकिस्तान से अलग अपना स्वायत्त शासन चाहते हैं। मगर पाकिस्तान की हुकूमत उन्हें बंदूक के बल पर खामोश करने की कोशिश करती रहती है। यह भी गजब है कि पाकिस्तान अपने यहां के एक बड़े हिस्से में व्याप्त अलगाववाद को तो संभाल नहीं पाता, मगर भारत के कश्मीर में अलगाववाद की आग जलाए रखने की हर कोशिश करता है। वह खुद जिस आग में जल रहा है, वही आग भारत में लगाए रखना चाहता है। इसके लिए उसकी सेना और खुफिया एजेंसी अकूत पैसा खर्च करती हैं। अभी कुछ दिनों पहले वहां के विदेशमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर फिर से कश्मीर की स्वायत्तता का राग अलापा था। इसके पहले अनेक मौकों पर उसके प्रधानमंत्री और दूसरे आला नेता अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठा कर सहानुभूति बटोरने की कोशिश करते रहे हैं। इस मामले को सुलझाने के लिए तीसरे पक्ष की मध्यस्थता तक की बात करते रहे हैं। मगर बलूचिस्तान, जो उसकी जमीन का हिस्सा है, वहां फैले असंतोष को दूर करने को लेकर वह कभी इस तरह चिंता करते दिखाई नहीं दिया। देखा जाए तो अपनी जमीनी हकीकत पर परदा डालने के मकसद से ही पाकिस्तान कश्मीर में अशांति पैदा करने की कोशिश करता है। इसके बदले जिस दिन वह अपनी असल समस्याओं को सुलझाने को लेकर संजीदा होगा, उस दिन शायद उसे बलूचिस्तान का दर्द समझ में आ जाएगा और कश्मीर में नाहक दखलंदाजी का मोल भी। लेकिन पाकिस्तान को शुरू से ही वह महाशक्तियों का मोहरा बनने का शौक रहा है, जिसकी वजह से वह कभी इधर तो कभी उधर करवट बदलता रहता है। पहले अमेरिका के पाले में जाकर उसने जमकर इमदाद बटोरी, अब चीन गोदी में बैठ कर खेल रहा है। आज उसकी स्थिति यह है कि रोजमर्रा के खर्चे के लिए भी उसे कर्जदार ढूढ़ना पड़ता है। सेना की बादशाहत से वहां की हुकूमत मुक्त नहीं हो पा रही। ऐसे में न केवल बलूचिस्तान, बल्कि पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों में भी गहरा असंतोष है। ऐसे में वह कब तक दहशतगर्दी की आग में झुलसता रहेगा, कहना मुश्किल है।

गांधी बनाम आंबेडकर

मुनीष त्रिपाठी

प्रसिद्ध वैज्ञानिक आइंस्टीन ने गाँधी जी से प्रभावित होकर उनके बारे में कहा था कि आने वाली पीढी शायद ही विश्वास करेंगी कि इतनी दुर्बल काया वाला व्यक्ति कोई गाँधी पैदा हुआ होगा। इसके बावजूद गाँधी जी कुछ विषय ऐसे थे जो विवादस्पद थे जिन पर उनके निकट के लोगों के भी गम्भीर मतभेद थे। ब्रह्मचर्य का मुद्दा हो, खिलाफत का मुद्दा हो अथवा मुस्लिम तुष्टीकरण का मुद्दा हो बहुत लोगों का गाँधी जी से मतभेद था। राजनीति में गाँधी जी का सबसे ज्यादा मतभेद आंबेडकर से था। बहुत कम लोगों को पता है कि आंबेडकर और लोहिया ने कांग्रेस के खिलाफ सशक्त सयुक्त मोर्चा बनाने के लिए मिलकर गठबंधन की कवायद की थी । इस बाबत दोनों के मध्य सिलसिलेवार बातचीत भी हुई थी । बातचीत निष्कर्ष पर पहुंचने ही वाली थी लेकिन नियति का दुर्भाग्य ही था कि ठोस परिणाम से पहले ही आम्बेडकर का निधन हो गया । इस रोचक तथ्य का उजागर वरिष्ट समाजवादी चिंतक और राजनेता रहे स्वर्गीय मधुलिमये ने अपनी पुस्तक 'बाबा साहब आंबेडकर एक चिंतन' के 102 से 104 पेज पर किया है । आंबेडकर मैट्रिक की शिक्षा के उपरांत वे बिट्रेन चले गए जहां उन्होंने लंदन आफ इकोनॉमिक्स स्कूल से अर्थशास्त्र की डिग्री प्राप्त की अर्थशास्त्र में अपनी रुचि को देखते हुए अंबेडकर ने कोलंबिया विश्वविद्यालय से भी अर्थशास्त्र की डिग्री ग्रहण की इसके अलावा विधि, राजनीति विषयों में भी शोध कार्य किए ,अर्थशास्त्र में उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की । प्रारंभिक जीवन से ही अंबेडकर को भारत में छुआछूत का सामना करना पड़ा था । उन्होंने बचपन में ही शिक्षा के उपरांत अछूतों के लिए काम करने का मन बना लिया था । आंबेडकर ने शिक्षा उपरांत मुंबई में अपना कैरियर वकील के रूप में शुरू किया पत्रकारिता में भी उनकी गहरी रुचि थी । विभिन्न पत्रिकाओं में लेख लिखा करते थे उन्होंने अपना भी साप्ताहिक अखबार 'मूकनायक' प्रकाशित किया बाद में आर्थिक अभाव के चलते वह बंद हो गया। उनका पहला विवाह 15 वर्ष की आयु में रमाबाई से हुआ था 1935 में रमाबाई की मृत्यु हो गई । अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद वे बीमार रहने लगे इसके बावजूद भी उन्होंने भारत के निर्माण के लिए अपना कार्य जारी रखे । मुंबई में उन्होंने अपना आवास बनाया अपने आवास में निजी पुस्तकालय का निर्माण किया उनके पुस्तकालय में 50,000 से भी ज्यादा पुस्तकें थी जो उस समय के किसी भी निजी पुस्तकालय से बड़ा था । आंबेडकर का गांधी जी से गहरा मतभेद था वह गांधी के वर्णव्यवस्था के पक्ष में होने के कारण मतभेद रखते थे तथा दलितों को हरिजन नाम गांधीजी द्वारा पुकारे जाने से खफा थे । उनका मानना था कि जातिवाद की जनक वर्णव्यवस्था है जबकि गांधी वर्णव्यवस्था के पक्षधर थे लेकिन हिंदू समाज में छूआछूत के प्रबल विरोधी थे।

आंबेडकर बीमारी की हालत में वह अपना इलाज कराने के लिए मुंबई के अस्पताल में भर्ती हुए जहां उनकी मुलाकात डॉक्टर शारदा कबीर से हुई बाद में उन्होंने 1948 में शारदा कबीर से शादी कर ली ,शारदा कबीर ने अपना नाम बदलकर सविता बाई अंबेडकर कर लिया।

शब्द का ऐतिहासिक संदर्भ

रघु ठाकुर

2 अक्टूबर महात्मा गाँधी का जन्मदिन है। महात्मा गाँधी समाज के एक हिस्से के आलोचना और गालियों के शिकार पिछले लगभग एक सदी से हो रहे हैं। आजादी के पहले विशेषतः 30 के दशक में वे जातीय आधार पर निन्दा व आलोचना सह रहे थे और जातिवाद के दो तरफे हमले के शिकार थे। एक तरफ उस जमाने के अस्पृश्य समूह के कुछ नेता गाँधी को अपने कारण से लांछन लगा रहे थे और दूसरी तरफ उस समय सवर्ण समाज का एक हिस्सा अपने कारण से? यह कितना विचित्र था कि एक निर्दोष और मानवता का चिंतक दो तरफा आलोचना और गालियों का शिकार हो रहा था। आजादी के समय देश के बंटवारे को लेकर उस समय पाक से आये पीड़ित समूह ने भी गाँधी जी को आमतौर पर भरपूर गालियां दी। जबकि यह स्थापित तथ्य है कि भारत विभाजन में गाँधी का कोई गुनाह नहीं था। बल्कि जो व्यक्ति अपनी जान की बाजी लगाकर विभाजन को रोकने का प्रयास कर रहा था उसे न केवल गालियां सुनना पड़ी बल्कि अंत में जाकर जान देना पड़ी परंतु वह गांधी थे जो अपने विचार और सत्य के साथ बिना झुके हिमालय की तरह अडिग खड़े थे। यह भी इतिहास का तथ्य है कि हमारा देश सदियों से अस्पृश्यता, जातिगत भेदभाव तथा घृणा का शिकार रहा है। तथा महात्मा गाँधी जो यद्यपि अपने जीवन के आरंभिक दौर में निर्दोष भावना से यह मानते थे कि वर्ण व्यवस्था का विभाजन गुणात्मक था, जन्मना नहीं था। परन्तु छुआछूत और भेदभाव के वे बचपन से ही खिलाफ थे। यहाँ तक की उनकी माता जी के द्वारा उनके घर में सफाई करने वाले उस जमाने के अस्पृश्य को स्पर्श न करने, उसके साथ बैठकर न खाने के आदेश को भी उन्होंने मानने से इंकार कर दिया और उनके इस इंकार की भाषा भी अपनी मां के विचारों के खिलाफ लगभग विद्रोह की भाषा थी। मुझे मेरे साथी श्री शंभुदयाल बघेल और धर्मेन्द्र ने बताया कि इन दिनों अनुसूचित जाति के एक नेता महात्मा गाँधी को उनके द्वारा उनके 1930 के दशक में अस्पृश्य जातियों को हरिजन सम्बोधन करने के आधार पर गंदी से गंदी गालियां और अपशब्दों का प्रयोग, सभाओं और बैठकों में करते हैं। उनकी यह सूचना सही है। मुझे स्मरण है कि, इसकी शुरूआत सुश्री मायावती जी के द्वारा 1990 के दशक से या उसके पहले से शुरू की गयी थी। बहुजन समाज पार्टी का उद्देश्य घृणा और झूठ के आधार पर अपना आधार खड़ा करना था। यह प्रयास उनके कैडर के या विचार के कुछ लोगों के द्वारा आज भी किया जा रहा है। अभी पिछले दिनों मैंने एक लेख जन विमुख होती राज्य व्यवस्था शीर्षक पर लिखा था जो 3 सितम्बर 2023 के अंक में विभिन्न अखबारों में प्रकाशित हुआ था। इस लेख में मैंने कुछ स्थानों पर अपनी आदत या अभ्यास के अनुसार यद्यपि कोई दुर्भावना से नहीं, हरिजन शब्द का प्रयोग किया था। इस अखबार के एक पाठक श्री रामगोपाल आजाद ने पत्र सम्पादक के नाम लिखकर यह स्वीकार करते हुये भी कि हरिजन शब्द से मेरा आशय अनुसूचित जाति से होगा इसके प्रयोग को लेकर मेरी भर्त्सना की थी। मैं एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक मानस का व्यक्ति हूँ। अतः मैंने उनकी भावना का सम्मान करते हुये, अपनी त्रुटि को स्वीकारा और पत्र का उत्तर लिखते हुये लिखा था कि मैं शीघ्र ही इस विषय पर लिखूँगा, ताकि सार्थक बहस हो सके। उन्होंने लिखा था कि सभी भगवान की सन्तान है तो मुझे भी हरिजन कहा जा सकता है। मैंने उन्हें उत्तर दिया था कि मुझे इस पर भी कोई आपत्ति नहीं है। यद्यपि मैं यह मानता हूँ कि महात्मा गाँधी ने हरिजन शब्द से अस्पृश्य भाईयों को जो सम्बोधित किया था। वह उस कालखण्ड के लिये बहुत ही तार्किक, विवेकपूर्ण और अस्पृश्य भाईयों को सवर्णों की बराबरी पर खड़ा करने का प्रयास था। आज से लगभग 100 वर्ष पहले का भारतीय समाज कितनी कट्टरता और गहरी अस्पृश्यता से ग्रस्त रहा होगा। उसकी कल्पना आज करना भी कठिन है। महात्मा गाँधी का तरीका समाज के मनों को बदलने का था और सवर्णों को यह समझाने के लिये कि जिस ईश्वर ने तुम्हे जन्म दिया है, उसी ईश्वर ने इन अस्पृश्यों को भी जन्म दिया है। इसलिये अपने समान ही इन सबको मानना चाहिये और अगर आप अस्पृश्यता का व्यवहार करते है तो आप उस ईश्वर का अपमान करते हैं। महात्मा गाँधी का यह प्रयोग उस समय के सवर्ण समाज के दिलों दिमाग को बदलने का था। यह एक प्रकार का हरिजन शब्द का रणनीतिक प्रयोग था। इससे किसी की सहमति हो या असहमति परन्तु किसी के भी मन में गाँधी के लक्ष्य के प्रति कोई शंका न तब थी न अब होनी चाहिये। यह बात अलग है कि अगर कोई व्यक्ति जान बूझकर वर्षों पहले दिये गये शब्द में दुर्भावना खोजने का प्रयास करें तो इसका कोई हल नहीं है। क्योंकि दुर्भावना या स्वउद्देश्य योजना का कोई हल नहीं होता। मैं संविधान को मानता हूँ और मैंने संविधान में वर्णित अनुसूचित जातियों की सूची को देखा व पढ़ा है। भारतीय संविधान ने कहीं भी हरिजन शब्द के प्रयोग को न तो असंवैधानिक माना है और न ही इस पर कोई रोक लगाई है। उसमें कुछ उन जातियों को सूची में शामिल किया गया है जो उस समय अस्पृश्यता का शिकार थी। परन्तु आज उस सूची में ऐसी अनेकों जातियां जुड़ गयी है जो वर्ण क्रम में नीचे रही होगी परन्तु अस्पृश्य नहीं थी। और इन जातियों के लोगों ने कभी भी न पहले और न आज गाँधी जी के हरिजन शब्द के प्रयोग को लेकर आपत्ति नहीं की। इतना ही नहीं बाबू जगजीवन राम जो उस समय की अस्पृश्य जाति से थे तथा उनकी जाति भी अनुसूचित जाति में शामिल है उन्होंने भी कभी भी हरिजन शब्द के प्रयोग को न अनुचित माना, न आलोचना की, और न उसमें दुर्भावना देखी। बल्कि वे अपने राजनैतिक जीवन के 50-60 वर्षों तक यहां तक की आजादी के बाद भी हरिजन शब्द का प्रयोग करते रहे। 1977 से 1982-83 के बीच के 5-6 वर्षों में मेरा उनसे निकट का सम्पर्क रहा और वह जनता पार्टी के काल का राजनैतिक काल था परन्तु मैंने उन्हें कभी भी हरिजन शब्द के प्रयोग का विरोधी न देखा न सुना। अनुसूचित जाति के भी और अनुसूचित जाति की सूची में किसी जाति का नाम होने का मतलब क्या है? क्या यह सूची यही इंगित नहीं करती कि ये उन जातियों के लोग है जो समाज व्यवस्था में या अस्पृश्यता में या भेदभाव के दंश के शिकार रहे हैं? गाँधी जी के द्वारा प्रयुक्त हरिजन शब्द मानवता के लिये प्रेरक शब्द था और अनुसूचित जाति तकनीकी शब्द है। यह वही सूचना देता है जो हरिजन शब्द देता था। दरअसल शब्द के आधार पर विरोध भी एक प्रकार से मानसिक कुंठा ही है। जिस प्रकार हरिजन शब्द देश की समाज व्यवस्था की अस्पृश्यता और भेदभाव को इंगित करता है। उसी प्रकार सवर्ण शब्द भी भारतीय समाज के भेदभाव और इतिहास के अन्याय को बताने का पर्याय है। अगर इस दृष्टिकोण से सोचा जायेगा तो अनुसूचित जाति और सवर्ण दोनों ही प्राचीन समाज के भेदभाव के सूचक है। अभी देश की अनेकों पिछड़ी जातियां भी अनुसूचित जाति में शामिल होने के प्रयास में है। यद्यपि वे अतीत में अस्पृश्यता का शिकार नही रही है। मैं तो सभी मित्रों को सलाह दूँगा कि शब्दों के बजाय भावनाओं को समझे दिलों को पढ़े। गाँधी की आलोचना या गाली देने से देश की सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक समस्याओं का हल नहीं निकलेगा बल्कि लड़ाई कमजोर ही होगी और अन्यायी जमातें मजबूत होगी जो संविधान को नही मानती तथा उसे बदलने की तैयारी में हैं।

अमेरिका में हड़ताल तो बाइडन के सिद्धांत हुए हवा-हवाई

अमेरिका के राष्ट्रपति इस हड़ताल का समर्थन करते हैं! अपनी आंखें मत मलिए... यह पंक्ति सही है। पिछले महीने यानी सितंबर के पहले सप्ताह में अमेरिकी ऑटो उद्योग अभूतपूर्व हड़ताल से तप रहा था। अमेरिका की यूनाइटेड आटो वर्कर्स यूनियन ने डेट्रायट की ऑटो कंपनियां बंद करा दीं। एक सप्ताह के भीतर यह हड़ताल बीस राज्यों में फैल गई। मांग वही- ज्यादा वेतन, सुरक्षित नौकरी। पूंजीवादी अमेरिका में हड़ताल सुनकर अगर आप हैरत में हैं, तो फिर कुछ और चौंक लीजिए। राष्ट्रपति जो बाइडन ने मिशीगन में हड़ताल के मोर्चे पर जाकर इसका समर्थन किया।

मगर यह वही बाइडन हैं, जो बीते दिसंबर में एक और संभावित हड़ताल से मुखातिब थे और तब उनकी प्रतिक्रिया बिल्कुल दूसरी थी। हुआ यों कि दिसंबर के पहले सप्ताह में अमेरिका में रेलवे कर्मचारी हड़ताल पर जाने वाले थे। उस हड़ताल को रोकने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन को अमेरिकी कांग्रेस से मदद की गुहार लगानी पड़ी। कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के लिए रेलरोड कंपनियों और कर्मचारियों के बीच समझौते को कानूनी आधार दिया गया। आनन-फानन में एक कानून बनाकर व्हाइट हाउस को दिया गया। राष्ट्रपति बाइडन ने बगैर देर किए इस पर दस्तखत किए।रेलवे को अमेरिका में रेलरोड कहते हैं। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी कहती है कि रेलरोड शब्द भाप के इंजन के आविष्कार से भी पुराना है। इंजन तो 1800 में आया। अमेरिका के कोयला खनन कर्मी लोहे की पटरियों पर कोयला वैगन चलाते थे। शायद वहीं से आया होगा यह शब्द। हडतालों के घोषित समर्थक डेमोक्रेट जो बाइडन अचानक रेलरोड की प्रस्तावित हड़ताल से क्यों डर गए? हे टाइम मशीन, यह माजरा क्या है? अपनी सीट पर बैठिए, 145 साल पीछे चलते हैं। दो दिसंबर, 2022 को राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस का धन्यवाद। उसने वक्त पर कानून बना दिया, नहीं तो महाविपत्ति आ जाती। यदि रेलरोड बंद होता, तो अमेरिका के उद्योग बंद हो जाते। रोजाना दो अरब डॉलर का नुकसान होने वाला था। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान में अमेरिका का 150 साल का औद्योगिक इतिहास बोल रहा था। 1870 का दशक। अमेरिका के सिविल वार खत्म हुए कुछ ही साल बीते थे। बैंकिंग उद्योग संकट से उबरकर अपने पैरों पर खड़ा हो रहा था। रेलरोड या रेलवे दुनिया का सबसे नया-नवेला आविष्कार था। कई कंपनियां रेलरोड में निवेश कर रही थीं। उन्होंने भारी कर्ज लिए थे। यूरोप में भी रेलवे कंपनियों के बॉन्ड में भारी निवेश हुआ था। यूरोप के बैंकों ने अमेरिकी कंपनियों में निवेश किया था। 1873 के आसपास यूरोप में इस निवेश का बुलबुला फूटा। रेलरोड कंपनियों के शेयरों में बिकवाली शुरू हुई। अमेरिका तक यह संकट पहुंचते देर नहीं लगी। जे कुक ऐंड कंपनी उस वक्त न्यूयॉर्क का सबसे बड़ा बैंक था। रेलरोड को भारी कर्ज दे रखा था इस बैंक ने। यह बैंक चुटकियों में दिवालिया हो गया। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में कोहराम मच गया। रेलरोड कंपनियां डूबने लगीं। उनके साथ 100 बैंक डूब गए। अमेरिका में मंदी शुरू हो गई। वह 1877 की जुलाई थी, जब वेस्ट वर्जीनिया में मार्टिंसबर्ग के स्टेशन पर हंगामा हो गया। कर्मचारियों ने इंजनों को बोगियों से अलग कर यार्ड में खड़ा कर दिया। यहां रेलवे चलाने वाली कंपनी ने पगार में 10 फीसदी की कटौती कर दी थी। मंदी के बीच उत्तेजित कर्मचारियों ने हड़ताल का एलान कर दिया। मंदी और कर्ज के कारण रेलरोड कंपनियां दिवालिया हो रही थीं। रेलवे में कर्मचारियों के वेतन पहले ही कम थे, ऊपर से पगार में कटौती। आंदोलन खौल उठा। कुछ ही दिनों में हड़ताल शिकागो, पेनसिल्वेनिया, पिट्सबर्ग, फिलाडेल्फिया होते हुए पूरे अमेरिका में फैल गई। पेनसिल्वेनिया में इस हड़ताल में दूसरे उद्योगों के मजदूर भी कूद पड़े। मैरीलैंड में हालात बेकाबू हो गए। ट्रेन रोक रहे कर्मचारियों से निपटने के लिए प्रशासन ने हथियार बंद दस्ता भेजा। हिंसा भड़क उठी। करीब दस लोग मारे गए। इसके बाद हड़ताल विकराल हो गई। करीब एक लाख रेलवे कर्मचारी काम बंदकर सड़क पर आ गए। अमेरिका में लगभग आधा माल परिवहन बंद हो गया। हड़तालियों से निपटने के लिए फेडरल सरकार को बाल्टीमोर में सेना उतारनी पड़ी। उत्तेजित श्रमिकों ने इंजन, बोगियों, इमारतों में आग लगा दी। नेशनल गार्डस और कर्मचारियों के बीच भारी हिंसा हुई। करीब सौ जानें गईं। सेना की सख्ती के कारण यह हड़ताल लंबी नहीं चली, लेकिन यहां रेलरोड कर्मचारियों के आंदोलन का एक सिलसिला शुरू हो गया। 1894 में शिकागो की पुलमैन कंपनी के 25,000 कर्मचारियों ने वेतन में 25 फीसदी कटौती के विरोध में चक्का जाम कर दिया। शिकागो से पश्चिम को जाने वाला पूरा रेल नेटवर्क बंद कर दिया गया। कहते हैं कि इस हड़ताल को खत्म करने के लिए अमेरिका की फेडरल सरकार को लेबर डे को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करना पड़ा। इन हड़तालों का प्रकोप कुछ इस कदर बढ़ा कि 1922 में अमेरिका की कांग्रेस को रेलवे लेबर बोर्ड बनाना पड़ा, जिसे कर्मचारियों और कंपनियों के बीच मध्यस्थता करने का काम सौंपा गया। यही वह साल था, जब एक और बड़ी रेलरोड हड़ताल हुई। पहले विश्व युद्ध के बाद वेतन को लेकर कर्मचारी उत्तेजित थे। वे सैन्य पोशाक पहनकर सड़कों पर उतर आए। अंततः अमेरिकी सरकार को 1926 में रेलवे लेबर कानून बनाना पड़ा। 1928 में फिर पुलमैन कंपनी के अश्वेत कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी। यह हड़ताल अमेरिका के इतिहास का महत्वपूर्ण मुकाम था। यहां शोषण के खिलाफ अमेरिका में पहली अश्वेत लेबर यूनियन खड़ी हो गई। अमेरिकी अश्वेत आंदोलनों की प्रमुख शख्सियत फिलिप रैंडोल्फ इस हड़ताल के मुखिया थे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद 1945-46 में अमेरिकी हड़तालों का एक और दौर आया, रेलवे कर्मचारी ही इसका नेतृत्व कर रहे थे। अमेरिका का रेलरोड तब तक अपने श्रम आंदोलनों के लिए कुख्यात हो गया। अब सरकार हड़तालों से आजिज आ गई। 1947 में अमेरिकी कांग्रेस ने टफ्ट हर्टले कानून पारित किया, जिससे हड़तालों के अधिकार सीमित किए गए। अलबत्ता अमेरिका के श्रम आंदोलनों ने इस कानून की कोई फिक्र नहीं की। 1966, 1980, 1992 में हड़तालें हुईं और 2005 में तो न्यूयॉर्क के लोकल ट्रेन नेटवर्क कर्मचारियों ने चक्का जाम कर दिया। यही वजह थी, दिसंबर, 2022 में जब रेलरोड कर्मचारियों ने हड़ताल की चेतावनी दी, तो व्हाइट हाउस और अमेरिकी कांग्रेस थर्रा उठी। बाइडन लेबर यूनियन के कट्टर समर्थक हैं। वह रेलवे कर्मचारियों और कंपनियों के बीच विवाद में संसद और सरकार के दखल का विरोध करते रहे हैं। उनका तर्क हुआ करता था कि इस दखल से कर्मचारियों को अच्छे वेतन मिलने की संभावनाएं कम हो जाती हैं। लेकिन अब खुद पर बन आई, तो सिद्धांतों पर भारी पड़ा अमेरिका का डरावना हड़ताली अतीत। खौफजदा बाइडन को महाविपत्ति की आहट सुनाई पड़ने लगी। अमेरिका में जारी महंगाई के बीच रेलरोड की यह हड़ताल डेमोक्रेट्स की राजनीति के लिए बड़ा संकट बनने वाली थी। इसलिए सब काम छोड़कर संसद और राष्ट्रपति ने मिलकर कानून बनाया, जिसमें कर्मचारियों को वेतन में 25 फीसदी की बढ़ोत्तरी मिलेगी।

बेमिसाल थी गांधी की स्पष्टवादिता और सत्यनिष्ठा

योगेश कुमार गोयल

गुजरात के पोरबंदर में 2 अक्तूबर 1869 को जन्मे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता के अनेक ऐसे किस्से प्रचलित हैं, जिनसे उनके विराट व्यक्तित्व की स्पष्ट झलक मिलती है। ऐसा ही एक किस्सा उनके एक मित्र और प्रसिद्ध व्यापारी रूस्तम जी का सामने आता है, जो गांधी जी के मुवक्किल और निकटतम सहयोगी भी थे। रूस्तम जी अपने सभी कार्य अक्सर गांधी जी की सलाह के अनुसार ही किया करते थे। कलकत्ता और बम्बई से तब उनका काफी सामान आता था, जिस पर वे चुंगी चुराया करते थे। उन्होंने इस बात को गांधी जी से छिपाए रखा। एक बार चुंगी अधिकारियों द्वारा उनकी यह चोरी पकड़ ली गई और उनके जेल जाने की नौबत आ गई। वे दौड़े-दौड़े गांधी जी के पास पहुंचे और पूरा वृतांत उन्हें सुना डाला। गांधी जी ने पूरी बात गौर से सुनने के बाद उन्हें उनके अपराध के लिए फटकार लगाई और सलाह दी कि तुम सीधे चुंगी अधिकारियों के पास जाकर अपना अपराध स्वयं कबूल कर लो, भले ही इससे तुम्हें जेल हो जाए। रूस्तम जी गांधी जी की सलाह मानकर तुरंत चुंगी अधिकारियों के पास पहुंचे और अपना अपराध स्वीकार कर लिया। चुंगी अधिकारी उनकी स्पष्टवादिता से प्रसन्न हुए और उन्होंने उन पर मुकद्दमा चलाने का विचार त्यागकर उनसे चुंगी की बकाया राशि से दुगुनी राशि वसूलकर उन्हें छोड़ दिया।एक बार महात्मा गांधी श्रीमती सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। श्रीमती नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। श्रीमती नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, ''आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?''

इस पर बापू ने जवाब दिया, ''आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?''गांधी जी एक बार चम्पारण से बतिया रेलगाड़ी में सफर कर रहे थे। गाड़ी में अधिक भीड़ न होने के कारण वे तीसरे दर्जे के डिब्बे में जाकर एक बर्थ पर लेट गए। अगले स्टेशन पर जब रेलगाड़ी रूकी तो एक किसान उस डिब्बे में चढ़ा। उसने बर्थ पर लेटे हुए गांधी जी को अपशब्द बोलते हुए कहा, ''यहां से खड़े हो जाओ। बर्थ पर ऐसे पसरे पड़े हो, जैसे यह रेलगाड़ी तुम्हारे बाप की है।''गांधी जी किसान को बिना कुछ कहे चुपचाप उठकर एक ओर बैठ गए। तभी किसान बर्थ पर आराम से बैठते हुए मस्ती में गाने लगा, ''धन-धन गांधी जी महाराज! दुःखियों का दुःख मिटाने वाले गांधी जी ...।''रोचक बात यह थी कि वह किसान कहीं और नहीं बल्कि बतिया में गांधी जी के दर्शनों के लिए ही जा रहा था लेकिन इससे पहले उसने गांधी जी को कभी देखा नहीं था, इसलिए रेलगाड़ी में उन्हें पहचान न सका।

बतिया पहुंचने पर स्टेशन पर जब हजारों लोगों की भीड़ ने गांधी जी का स्वागत किया, तब उस किसान को वास्तविकता का अहसास हुआ और शर्म के मारे उसकी नजरें झुक गई।

तीन बंदर और हम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सुन बेटा! कल वर्मा अंकल आने वाले हैं। जल्दी से जाकर ब्लैक डॉग ले आ। उनके आवभगत में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने ही तेरा कॉलेज में एडमिशन करवाया था। तेरे अंक देखकर तो सरकारी कॉलेजों ने भी हाथ जोड़ लिए थे। वह तो भला हो वर्मा अंकल का जिन्होंने अपने जोड़-तोड़ से तेरा भला कर दिया।पत्नी बीच में बोल उठी किस वर्मा जी की बात कर रहे हैं? वही न जिन्होंने पिछले साल अपनी पत्नी को जला दिया था या कोई और। वैसे जो भी हों आप उन्हें कल क्यों बुला रहे हैं? बड़ी मुश्किल से एक छुट्टी का दिन मिलता है। वह भी आपकी वजह से बेकार जाने वाला है। फेशियल करवाएँ बहुत दिए हो गए। सोचा मिसेज शर्मा से करवा लूँ। आप तीन-चार दिन पहले बता देते तो फेशियल का प्रोग्राम बदल लेती न !अरे भाग्यवान! भूल गई जिनके हेयर स्टाइल और चश्मे को देखकर गांधी-गांधी कहती हो वही तो हैं वर्मा जी। अब मैं उन्हें कल नहीं बुलाऊंगा तो वर्किंग डे के दिन बुलाऊँगा। इसी महीने हमने मनाली जाने की भी योजना बनाई है न! फिर उन दिनों के लिए छुट्टियाँ कहाँ से लाऊँगा? वैसे भी छुट्टी के दिन मैं ऐसे लोगों को निपटा देना चाहिए। आगे उनसे बहुत काम है। अगर खातिरदारी नहीं करेंगे तो हमारे गधे जैसे बच्चों का बेड़ा कौन पार लगाएगा? इतना कहते हुए पिता बेटे से कहने लगे, अच्छा एक और चीज। एक किलो मटन और एक किलो चिकन भी ले आना। साथ में उनका पसंदीदा गुटखा और सिगरेट की डिबिया ले आना मत भूलना। बेटा बाजार चला गया। इधर पत्नी से कहने लगे, वर्मा को शराब के साथ चटकारे लेते हुए कबाब और चिकन पकौड़े खाने का बड़ा शौक है। तुम अपने हाथों से बना देना। मैं उनसे कह दूंगा कि होटल से मंगवाया हूँ। वह मेरी हर बात मानते हैं। देखो भाग्यवान कोई कसर नहीं रहनी चाहिए।तभी बिटिया बीच में बोल उठी, पापा कल मैं अपनी सहेली के पास जाकर गणित का अभ्यास करना चाहती हूँ। वह बहुत अच्छा समझाती है। पिता ने आव देखा न ताव एक जोरदार तमाचा जड़ते हुए कहा, कहीं जाने की जरूरत नहीं है। जो पढ़ रही हो उतना काफी है। पढ़-लिखकर कौन-सा तुम्हें कलेक्टर बनना है।

लड़की हो लड़की की तरह रहो। पिछली बार भी मैंने तुम्हें समझाया था। तुम नहीं मानी। बिना मार खाए तुम्हारा जी नहीं मानता। हमारे खानदान में कभी कोई लड़की पढ़-लिखकर नौकरी करने बाहर गई है। शादी के बाद चूल्हा-बर्तन ही तो करना है। वैसे भी ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़कियाँ जुबान लड़ाने के सिवाय कुछ नहीं करतीं। बेटी कुछ कहना चाहती थी कि पिता ने फिर से हाथ उठाया।

गलती से इस बार हाथ गांधीजी वाले तीन बंदरों की मिट्टीवाली मूरत से जाकर टकरा गया। एक झटके में गिरकर चकनाचूर। दो साल पहले किसी ने उन्हें उपहार के रूप में दिया था। यह देख उन्होंने बिटिया से कहा, खबरदार कहीं जाने की सोची भी तो। बहुत पढ़ लिया। अब से तुम्हारी पढ़ाई-लिखाई बंद। कल घर पर मेहमान आने वाले हैं। साफ-सफाई में माँ का हाथ बटाओ।

इतना कहते हुए फर्श की ओर देखने लगे और कहा, सुनती हो भाग्यवान! जब से यह मनहूस बंदर आए हैं, मेरी तबीयत ठीक नहीं रहती। अच्छा हुआ टूट गया। यह कचरा हटाओ और मेरे लिए एक जोरदार पेग बनाओ।

पितृ पक्ष में 5 तरह के फूल करें अर्पित

पितृपक्ष शुरू हो चुका है। ये वह समय है, जब मृत पूर्वज के सम्मान में कोई भी मांगलिक या शुभ कार्य का आयोजन नहीं किया जाता। इस समय श्राद्ध कर्म कर, भोजन बनाकर कौवा, गाय, कुत्ता और चींटी के लिए एक अंश निकाला जाता है। पितृ पक्ष में तिथि अनुसार उनका मनपसंद भोजन बनाकर ये भोजन उन्हें अर्पित किया जाता है, जिससे वे प्रसन्न होते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों के निमित्त की जाने वाली पूजा, सामान्य पूजा से पूरी तरह अलग होती है। इसलिए इस दौरान प्रत्येक फूलों का इस्तेमाल वर्जित माना गया है। श्राद्ध कर्म की पूजा में सफेद फूलों का विशेष महत्व है, इसके अलावा चंपा, जूही, मालती और कमल के फूल का उपयोग करना शुभ माना गया है।

इन फूलों का भूल कर भी ना करें उपयोग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार श्राद्ध पूजा में भूलकर भी कदंब, बेलपत्र, केवड़ा, अधिक सुगंधित, काले रंग के या लाल रंग के फूलों का उपयोग नहीं करना चाहिए। इनके उपयोग से पितृ नाराज हो सकते हैं।

अर्पित करें गुलाब के फूल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पितृ पक्ष में गुलाब के फूल अर्पित करने से न सिर्फ देवी देवता बल्कि पूर्वज भी प्रसन्न होते हैं। ऐसा करने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है और जीवन में आ रही समस्याएं दूर हो जाती हैं।

अर्पित करेंगे गेंदे का फूल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि पितृ पक्ष में गेंदे के फूल अर्पित किए जाते हैं तो इससे पितृ बेहद प्रसन्न होते हैं और सकारात्मकता के साथ-साथ धन, धान्य, सुख, समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

भूत–प्रेत बाधा से चाहते हैं मुक्ति तो गया के इस पिंडवेदी पर करें कर्मकांड!

गया. पितृपक्ष महासंगम के पांचवें दिन आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया तिथि को बोधगया के धर्मारण्य, मातंगवापी और सरस्वती पिंडवेदियो पर कर्मकांड का विधान है। स्कंद पुराण के अनुसार महाभारत के युद्ध के दौरान जाने अनजाने में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और पश्चाताप के लिए धर्मराज युधिष्ठिर ने धर्मारण्य पिंडवेदी पर पिंडदान किया था। धर्मारण्य में खासकर त्रिपिंडी श्राद्ध का विधान है। जिस किसी के घर में किसी कारणवस या फिर पितरों की अशांति है। घर के सदस्य से लेकर घर के ग्रह दशा अच्छा नहीं है वे गया के बोध गया स्थित धर्मारण्य में त्रिपिंडी श्राद्ध करते हैं। धर्मारण्य स्थित अष्ट कमल आकार के अरहट कुप में नारियल छोड़कर प्रेत आत्मा से मुक्ति पाते हैं।

पितरों के शांति के लिए यहां त्रिपिंडी श्राद्ध करते हैं

पितृपक्ष के तृतीया तिथि को यहां गया श्राद्ध के साथ पिंडदान का विधान है। सबसे पहले तीर्थ यात्री सरस्वती नदी में जाकर स्नान कर पूर्वजों का तर्पण करते हैं। उसके बाद धर्मारण्य स्थित पिंड वेदी पर पिंडदान करते हैं। पूरे विश्व में पूर्वजों को मोक्ष प्रदान करने के लिए सर्वश्रेष्ठ जगह माने जाने वाली धर्मारण्य वेदी में श्रद्धालु प्रेत बाधा से मुक्ति के लिए पिंडदान करना नहीं भूलते हैं। पितरों के शांति के लिए यहां त्रिपिंडी श्राद्ध करते हैं। यहां आने मात्र से ही पितरों को ब्रह्मलोक की प्राप्ति होती है।

पिंडदान तर्पण और मातंगी सरोवर के दर्शन का विशेष महत्व

धर्मारण्य पिंडवेदी के पास दो कूप है, पहला यज्ञकूप और दूसरा अरहट कूप। यज्ञकूप में पिंडदान के बाद पिंड सामग्री को डाला जाता है। जबकि त्रिपिंडी श्राद्ध के बाद अष्टकमल आकार के अरहट कूप में नारियल विसर्जित किया जाता है। इसके बाद मातंगवापी पिंडवेदी में पिंडदान होता है। मातंग ऋषि का तपोस्थली मातंगवापी वेदी पर पिंडदान तर्पण और मातंगी सरोवर के दर्शन का विशेष महत्व मना जाता है। जिसका उल्लेख अग्नि पुराण में भी है।

त्रिपिंडी श्राद्ध का है ये महत्व

धर्मारण्य के तीर्थ पुरोहित उपेंद्र नारायण पांडे बताते हैं कि महाभारत युद्ध के दौरान मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और पश्चाताप के लिए धर्मराज युधिष्ठिर ने धर्मारण्य पिंडवेदी पर पिंडदान किया था। धर्मारण्य पिंडवेदी पर पिंडदान और त्रिपिंडी श्राद्ध का विशेष महत्व है। यहां किए गए पिंडदान और त्रिकपंडी श्राद्ध से प्रेतबाधा से मुक्ति मिलती है।

यहां जौ, चावल, तिल और गुड़ से पिंड दिया जाता है। पिंडदान के कर्मकांड को संपन्न कर पिंड सामग्री को अष्टकमल आकार के धर्मारण्य यज्ञकूप में श्रद्धालु विसर्जित कर देते हैं। कई पिंडदानी अरहट कूप में त्रिपिंडी श्राद्ध के पश्चात प्रेत बाधा से मुक्ति के लिए नारियल छोड़कर अपनी आस्था पूर्ण करते हैं।

किस दिशा में रखें पितरों की तस्वीर किस तरफ होना चाहिए मुंह

पितृ पक्ष शुरू हो चुके हैं, जिनका समापन 14 अक्टूबर 2023 को होगा। बहुत से लोग अपने घरों में मृत पूर्वजों की याद में उनकी तस्वीर लगाते हैं और पूजा करते हैं। परंतु दिशा का सही ज्ञान नहीं होने के कारण गलत दिशा में पूर्वजों की तस्वीर लगाने से उसे घर में पितृ दोष लग सकता है। पूर्वजों की तस्वीर लगाने की सही दिशा कौन सी है और किस दिशा में उनका मुख होना चाहिए

तस्वीर लगाने की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार पितरों की तस्वीर को लगाने के लिए दक्षिण दिशा सबसे सही मानी गई है। दक्षिण दिशा में पितरों की तस्वीर लगाने से उनका मुख उत्तर दिशा की तरफ होना चाहिए। दक्षिण दिशा को यम की दिशा माना जाता है। इस दिशा में यदि पितरों की तस्वीर लगाई जाती है तो घर में सुख समृद्धि बनी रहती है।

इन जगहों पर भूलकर भी ना लगाएं पितरों की तस्वीर

वास्तु शास्त्र के अनुसार पितरों की तस्वीर भूलकर भी ड्राइंग रूम या बेडरूम में नहीं लगना चाहिए। ऐसा करने से घर के सदस्यों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ने लगता है। जिसकी वजह से परिवार में कई तरह की बीमारियां पैर पसारने लगती हैं।

कितनी हो पितरों की तस्वीर ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पितरों की एक से अधिक तस्वीर भूलकर भी नहीं लगना चाहिए। मृत पूर्वजों की एक से अधिक तस्वीर लगाने से घर में नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव बढ़ सकता है।

कैसे पाएं पितरों का आशीर्वाद

पितृ पक्ष पूरी तरह मृत पूर्वजों को समर्पित किए गए हैं। 15 दिनों तक चलने वाले पितृ पक्ष के दौरान पितरों के निमित्त तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म करने से वे प्रसन्न होते हैं और अपनी संतानों को शुभ आशीष देकर जाते हैं।

इस शिव मंदिर का इतिहास त्रेता युग से है जुड़ा

बस्ती: उत्तर प्रदेश में बस्ती जनपद के एनएच 28 लखनऊ गोरखपुर हाइवे पर तिलकपुर गांव स्थित भगवान जागेश्वरनाथ शिव मंदिर का इतिहास त्रेता युग का है। इस मन्दिर की मान्यता है की जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से मान्यता मांगता है वह जरूर पूरी होती है। यहां पर सावन के महीने और महीने के हर सोमवार को भक्तों का ताता लगा रहता है। दूर दूर से लोग यहां भगवान जागेश्वरनाथ शिव मंदिर पर पूजन अर्चन करने आते हैं। सरकार द्वारा इस मन्दिर को पर्यटन के रुप में विकसित करने के लिए मन्दिर तथा उसके परिसर का जीर्णोद्धार भी किया जा रहा है।

मन्दिर के पुजारी संजय गोस्वामी ने बताया कि इस मंदिर की स्थापना भगवान राम के गुरू महर्षि वशिष्ठ ने की थी। इतना ही नहीं बगल के गांव बढ़नी मिश्र में गुरू वशिष्ठ का आश्रम था, तो वो भगवान शिव की आराधना करने तिलकपुर आते थे। पुजारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे पूर्वज बताया करते थे की पहले यहां विशालकाय जंगल हुआ करता था जिसके बीच में भगवान शिव का यह मन्दिर स्थापित था। भगवान जागेश्वरनाथ शिव मंदिर की ऐसी मान्यता है कि पूरे देश से लोग यहां पूजन-अर्चन करने आते हैं। खासतौर पर सावन के पूरे महीने में यहां भक्तों का ताता लगा रहता है।

मधुमक्खियों ने की थी शिवलिंग की रक्षा

वहीं पुजारी धनंजय जी का कहना है कि हमारे पूर्वज बताते थे कि मन्दिर के घने जंगलों के पीछे अंग्रेजों ने शिविर बना रखा था और उन्होंने ही यहां के जंगलों की सफाई की थी। सफाई के दौरान उनको जंगलों के बीच में एक पत्थर दिखाई दिया जिसमें से रोशनी निकल रही थी। अंग्रेजों ने इस पत्थर की खुदाई करनी शुरू की जिसके चोट के निशान आज भी शिवलिंग पर विद्यमान है। खुदाई के दौरान शिव लिंग से बडी बड़ी मधुमक्खियां निकलने लगीं जो अंग्रेजों को काटने लगीं, जिससे अंग्रेज वहां से भागने लगे मधुमक्खियों के काटने से सैकड़ों अंग्रेजों की मौत भी हो गई थी।

ये है छत्तीसगढ़ की 'काशी'

जहां त्रेता युग में भगवान राम ने की थी शिवलिंग की स्थापना

जानिए क्या है मान्यता ?

दरअसल विश्वप्रसिद्ध लक्ष्मणेश्वर मंदिर छत्तीसगढ़ राज्य के जांजगीर चापा जिले के खरौद में स्थित है। ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने खर और दूषण का यहीं पर वध किया था। इसलिए इस स्थान का नाम खैराद है। पौराणिक मान्यता अनुसार भगवान राम द्वारा रावण का वध करने के बाद लक्ष्मणजी ने भगवान राम से ही इस मंदिर की स्थापना करवाई थी। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग की स्थापना स्वयं लक्ष्मण ने की थी। इसलिए इसे लक्ष्मणेश्वर शिवलिंग के नाम से भी जाना जाता है। इसके बाद भगवान राम ने शिवलिंग की पूजा करते हुए ब्रम्ह हत्या दोष से निवारण के लिए क्षमा याचना की थी। इसलिए ऐसी मान्यता है कि यहां पूजा करने से ब्रह्महत्या के दोष का निवारण हो जाता है।

शिवलिंग में है एक लाख छेद !

विश्वप्रसिद्ध लक्ष्मणेश्वर मंदिर अपने आप में बेहद अद्भुत और आश्चर्यों से भरा हुआ है। बताया जाता है कि इस शिवलिंग में एक लाख छिद्र हैं। इसलिए इसे लक्षलिंग या लखेश्वर कहा जाता है। पौराणिक मान्यता अनुसार इन एक लाख छेदों में से एक छेद ऐसा है जो पाताल से जुड़ा है। इस छिद्र में जितना जल अर्पित किया जाता है, वह सब पाताल में समा जाता है। वहीं इस शिवलिंग में एक छेद ऐसा भी है, जो हमेशा जल से भरा रहता है, जिसे अक्षय कुण्ड कहा जाता है।

छत्तीसगढ़ की काशी के नाम से विख्यात है मंदिर

विश्वप्रसिद्ध लक्ष्मणेश्वर मंदिर में स्थापित लक्षलिंग शिवलिंग जमीन से 30 फीट ऊपर है। इसे स्वयंभू शिवलिंग भी कहा जाता है। खैराद में स्थित यह मंदिर छत्तीसगढ़ के काशी के नाम से विख्यात है। सरकरा द्वारा चलाई जा रही राम वन गमन परिपथ में भी इस मंदिर को स्थान दिया गया है। ऐसी मान्यता है कि भगवान राम और लक्ष्मण ने खर, दूषण और रावण के वध के बाद ब्रम्ह हत्या के पाप से छुटकारा पाने महादेव की स्थापना की थी।

आठवीं शताब्दी में हुआ था निर्माण

पौराणिक मान्यतानुसार भगवान शंकर की पूजा के लिए लक्ष्मण जी जल लेने गए थे। इस दौरान जब वे आ रहे थे तो अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। बताया जाता है कि बीमार अवस्था में जब लक्ष्मण जी सो रहे थे, उसी वक्त भगवान शिव ने लक्ष्मण जी को सपने में दर्शन दिए और यहां शिवलिंग स्थापित कर पूजा करने को कहा। पूजा के बाद लक्ष्मण जी स्वस्थ्य हो गए। मंदिर के प्राचीन शिलालेख के अनुसार मंदिर का निर्माण आठवीं शताब्दी के राजा खड्गदेव ने मंदिर के निर्णाण में मदद की थी। वहीं यह भी उल्लेख मिलता है कि मंदिर का निर्माण पाण्डु वंश के संस्थापक इंद्रबल के पुत्र ईसानदेव ने करवाया था।

अपने पितरों की इच्छा-पूर्ति करना भी श्राद्ध ही है

हमें हमारे पितरों से भावनात्मक रूप से जुड़ने के लिए पितृ पक्ष या श्राद्ध पक्ष बहुत प्रेरित करते हैं। दुनिया में कई देश ऐसे हैं, जहां 60 प्रतिशत कारोबार इसलिए बंद हो रहे हैं क्योंकि उन व्यवसायियों को उनके वारिस नहीं मिल रहे हैं।

अगर हम पितृ पक्ष में अपने पूर्वजों से नहीं जुड़ते हैं तो वारिसों की यह समस्या परिवारों

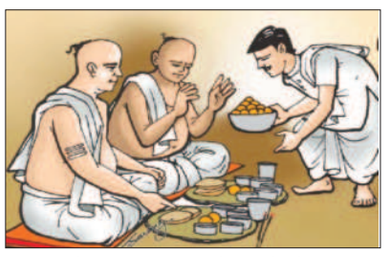

में भी आएगी, कारोबार में तो आ ही चुकी है। हमारे ऋषि-मुनियों ने पितृ-पक्ष के कर्मकांड, उसकी कथाओं को इसलिए हमारे जीवन में उतारा है कि हम अपने वंश से जुड़े रहें।

इस पितृ पक्ष में आप जो भी कर्मकांड करें, पर एक सूची ऐसी जरूर बनाएं कि हमारे परिवारों में जो भी सदस्य गुजर गए हैं, उनके ऐसे कौन-से अधूरे काम हैं, जो रह गए और हम संकल्प लें कि उन्हें पूरा करेंगे। इन पंद्रह दिनों में पूरा न कर पाएं तो योजना बनाएं कि आने वाले वर्ष में पूरा करें। पितरों की इच्छा-पूर्ति करना भी अपने आप में एक श्राद्ध है।

पितृ पक्ष के दौरान क्या नहीं खाना चाहिए

पितृ पक्ष साल का वह समय होता है जब हमारे पूर्वज हमसे मिलने धरती पर आते हैं। यही वह समय है जब वे अपने परिवार को करीब से देख सकते हैं और अपना आशीर्वाद दे सकते हैं। हिंदू धर्म में पितृसत्ता को विशेष महत्व दिया गया है। इस अवधि के दौरान पितरों के लिए पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म किये जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि श्राद्ध पक्ष के दौरान की गई पूजा से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। पितरों को ईश्वर तुल्य माना जाता है। पत्र पक्ष के दौरान ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए जिससे मिलने वाले पितरों के सम्मान को ठेस पहुंचे। जिन परिवारों पर उनके पूर्वजों का आशीर्वाद होता है, उनके जीवन में समृद्धि आती है और उनके घरों में खुशियाँ आती हैं। आइए जानते हैं पितृ पक्ष के दौरान क्या नहीं करना चाहिए।

इस वर्ष, पितृ पक्ष 29 सितंबर, शुक्रवार से शुरू हो गया है और 14 अक्टूबर को समाप्त होगा। पितृत्व पार्टी के दौरान क्या नहीं खाना चाहिए? पथरा पार्टीके दौरान सिर्फ मांसाहारी खाना ही नहीं बल्कि कुछ अन्य चीजें भी वर्जित होती हैं। आश्विन मास की अमावस्या तक खीरा, आलू, शकरकंद, मूली, गाजर, शलजम, चुकंदर, मेथी, जीरा और सरसों का साग खाने से बचें। पितृपक्ष के दौरान पितरों को दाल, चना, चने की दाल, चने का सत्तू, चने से बनी मिठाई या चने से बना कोई भी भोजन नहीं चढ़ाना चाहिए। यह सब घर भी मत लाओ।

1. पितृ पक्ष की इस अवधि के दौरान मांस और मछली के सेवन से बचें। इस दौरान लहसुन और प्याज युक्त खाद्य पदार्थों का भी सेवन नहीं करना चाहिए। इस प्रकार के भोजन का सीधा असर मन और मस्तिष्क पर पड़ता है। इससे पितर भी नाराज होते हैं।

2. ऐसा माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पशु-पक्षियों के रूप में हमसे मिलने आते हैं। ऐसे में भूलकर भी किसी जानवर को परेशान न करें। ऐसा करने से माता-पिता नाराज हो सकते हैं। इस दौरान आपको पशु-पक्षियों को खाना खिलाना और उनकी सेवा करनी चाहिए।

3. श्राद्ध कर्म की इस 16 दिवसीय अवधि के दौरान किसी भी प्रकार का कोई शुभ कार्य आयोजित नहीं किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान किए गए शुभ कार्यों का वांछित फल नहीं मिलता है। इस अवधि में नया घर, वाहन, संपत्ति आदि खरीदने से बचना चाहिए। इसी कारण से इस अवधि में शुभ कार्य वर्जित होते हैं। नवरात्रि से सभी शुभ कार्य शुरू हो जाएंगे।

4. पितृ पक्ष के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए इस दौरान पूर्वज किसी न किसी रूप में हमारे आसपास रहते हैं। ऐसे में पति-पत्नी को यौन संबंधों से बचना चाहिए और ब्रह्मचर्य नियम का पालन करना चाहिए।

कार नदी में गिरी, दो युवा डॉक्टर डूबे, 3 घायल

एर्नाकुलम, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के एर्नाकुलम में एक कार के नदी में गिरने से दो युवा डॉक्टरों की मौत हो गई। इस हादसे में तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर घटना की जांच में जुटी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान कोडुंगल्लूर क्राफ्ट अस्पताल के डॉ। अजमल और डॉ। अद्वैत के रूप में की गई। यह घटना तब हुई जब उनकी कार एर्नाकुलम के गोथुरुथु में नदी में गिर गई। कार में पांच लोग सवार थे। स्थानीय लोगों ने तीन को बचा लिया और पास के अस्पताल में भर्ती कराया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कार चालक कथित तौर पर अपना रास्ता भूल गया। इस दौरान वह गूगल मैप की मदद से यात्रा कर रहा था।

छत्रपति शिवाजी का 'वाघ नख' नवंबर में लंदन से पहुंचेगा भारत

आदित्य ठाकरे को हथियार की 'प्रमाणिकता' पर भरोसा नहीं

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। 1659 में बीजापुर सल्तनत के जनरल अफजल खान पर अपनी ऐतिहासिक जीत के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा चलाया गया एक भयानक हथियार, प्रसिद्ध 'वाघ नख' इस नवंबर में लंदन से महाराष्ट्र लौटने के लिए तैयार है। यह वर्ष विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह छत्रपति शिवाजी के राज्याभिषेक की 350वीं वर्षगांठ का प्रतीक है, और इस महत्वपूर्ण अवसर की स्मृति में तीन साल की प्रदर्शनी के लिए 'बाघ का पंजा' हथियार लंदन के विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय से वापस लाया जाएगा। महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार इस ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण हथियार की वापसी के लिए संग्रहालय के साथ एक समझौते को औपचारिक रूप देने के लिए मंगलवार को लंदन

पहुंचने वाले हैं।मुनगंटीवार ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि, पहले चरण में, हम वाघ नख ला रहे हैं। इसे नवंबर में यहां लाया जाना चाहिए, और हम इसके लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। हमारा प्रयास इसे उस दिन लाना है जब छत्रपति शिवाजी महाराज ने अफजल खान का शरीर फाड़ा था। उम्मीद है कि वाघ नख को दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय में अपना नया घर मिलेगा।" बता दें कि, 1659 में प्रतापगढ़ की लड़ाई छत्रपति शिवाजी की मराठा साम्राज्य की स्थापना की खोज में एक महत्वपूर्ण क्षण थी। अत्यधिक संख्या में होने के बावजूद, मराठा सेनाएं अफजल खान की कमान वाली आदिलशाही सेनाओं के खिलाफ विजयी हुईं, जिससे एक शानदार सैन्य रणनीतिज्ञ के रूप में छत्रपति शिवाजी की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई। छत्रपति शिवाजी की उल्लेखनीय जीत प्रतापगढ़ किले की तलहटी में हुई जो अब महाराष्ट्र का सतारा जिला है। यह ऐतिहासिक घटना तब से लोककथाओं का एक अभिन्न अंग बन गई है, जो एक दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी को हराने में छत्रपति शिवाजी के अदम्य साहस और चतुराई का प्रतीक है। मुनगंटीवार ने समझाया कि, जब अफजल खान ने (बैठक के दौरान) शिवाजी महाराज की पीठ में छुरा घोंप दिया, तो शिवाजी महाराज ने क्रूर, राक्षसी अफजल खान को मारने के लिए 'वाघ नख' का इस्तेमाल किया।" उन्होंने कहा कि, वाघ नख हमारे लिए प्रेरणा और शक्ति के स्रोत के रूप में कार्य करता है और इस वर्ष शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 350वीं वर्षगांठ भी है। हालाँकि, 'वाघ नख' की प्रामाणिकता महाराष्ट्र में बहस का विषय रही है।

औद्योगिक परिसर में लगी आग पर सात घंटे बाद पाया गया काबू, कोई हताहत नहीं

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के दहिसर इलाके में स्थित एक औद्योगिक परिसर में भीषण आग लग गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि उत्तरी उपनगर की वर्धमान औद्योगिकी सहकारी सोसायटी में स्थित इमारत में शनिवार रात 11 बजकर 10 मिनट पर आग लगी, जिसमें कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि आग 'स्तर-2' की थी, जिस पर रविवार को सुबह छह बजकर 10 मिनट पर काबू पा लिया गया। अधिकारी के मुताबिक, आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की सात गाड़ियां, छह 'जंबो टैंकर', पानी का एक टैंकर, एंबुलेंस और अन्य सहायता तुरंत मौके पर भेजी गई। अधिकारी ने बताया कि आग ने भूतल पर बनीं तीन-चार इकाइयों और इमारत की पहली मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया।

वायुसेना के ध्रुव मार्क-3 हेलीकॉप्टर की लैंडिंग

कोई नुकसान नहीं

भोपाल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल में भारतीय तटरक्षक बल के एएलएच ध्रुव मार्क 3 हेलीकॉप्टर की प्रिकॉशनरी लैंडिंग करवाई गई। इस दौरान कंट्रोल तरीके से लैंडिंग हुई। वायुसेना सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। फिलहाल कहीं कोई नुकसान की खबर नहीं है। लैंडिंग टीम को तकनीकी सुविधा मुहैया कराई गई है। एएनआई ने प्रिकॉशनरी लैंडिंग के बाद ध्रुव हेलीकॉप्टर का वीडियो शेयर किया है। इस वीडियों में हेलीकॉप्टर खेतों में उतरा देखा जा रहा है।

इस घटना का जो वीडियो सामने आया है उसमें हेलीकॉप्टर में सवार एयरफोर्स के जवान भी खेतों में खड़े नजर आ रहे हैं। वहीं, जब हेलीकॉप्टर के खेत में उतरने की सूचना आस-पास के गांव के लोगों को मिली तो वहां सैकड़ों की संख्या में भीड़ जमा हो गई। ध्रुव हेलीकॉप्टर को हिंदुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया बता दें कि एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर यानी एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर मेड इन इंडिया है। इसे हिंदुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एएलएच) ने बनाया है।

मुख्तार अंसारी पर चला आयकर विभाग का डंडा, 12 करोड़ की संपत्ति अटैच

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने माफिया मुख्तार अंसारी पर डंडा चलाते हुए उसकी 12 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति अटैच कर ली। यह संपत्ति लखनऊ के डालीबाग इलाके में स्थित है। इसके पहले गाजीपुर पुलिस भी इस संपत्ति को कुर्क कर चुकी थी। मुख्तार अंसारी पर हमले के मामले में रमेश की गवाही खत्म लखनऊ कैंट थानाक्षेत्र में हमले के मामले में माफिया मुख्तार अंसारी ने गवाह की गवाही न कराने की मांग की। आशंका जताई है कि गवाह टूट सकता है। एमपी-एमएलए के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने मुख्तार के गवाह रमेश की गवाही को समाप्त कर दिया। अगली गवाही के लिए 16 अक्तूबर की तारीख तय की है। इससे पहले मुख्तार अंसारी की ओर से कोर्ट में अर्जी देकर बताया गया कि वह मामले का वादी है और उसने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए रमेश को तहरीर लेकर भेजा था जिसकी शनिवार को गवाही होनी है। विपक्षी बृजेश सिंह और त्रिभुवन सिंह समेत अन्य ने गवाह रमेश को पैसों का लालच और धमकी देकर पक्ष में गवाही देने के लिए मजबूर कर दिया है। लिहाजा रमेश की गवाही को डिस्चार्ज कर दिया जाए। दूसरी ओर, ब्रजेश सिंह के वकील अवधेश सिंह और वरुण चंद्रा ने आरोपों को झूठा और निराधार बताया है। सरकारी वकील ने भी मुख्तार की अर्जी का समर्थन करते हुए बताया कि गवाह रमेश ने मुख्तार अंसारी के खिलाफ गाजीपुर जनपद के मरदह थाने में 15 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई है। लिहाजा गवाह की गवाही नहीं करानी चाहिए।

मायावती का ऐलान, अकेले दम पर लड़ेंगे लोकसभा चुनाव, किसी से गठबंधन नहीं

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज की बैठक के बाद ऐलान कर दिया है कि उनकी पार्टी अगला लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी, वह किसी भी दल के साथ कोई गठबंधन नहीं करेंगी। बैठक के दौरान मायावती ने संसद में महिला आरक्षण बिल को पास करने की आलोचना की। मायावती ने आरोप लगाया कि भाजपा ने यह सिर्फ चुनाव में फायदा उठाने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव और कई राज्यों होने वाले विधानसभा चुनाव में लाभ लेने के लिए भाजपा ने इस बिल को पास कराया है। बता दें कि आज मायावती ने उत्तर प्रदेश और

उत्तराखंड के पदाधिकारियों के साथ अहम बैठक की। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों से मुलाकात की। बैठक के दौरान पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए चर्चा हुई साथ ही गांव चलो अभियान के दौरान पार्टी को किस तरह से मजबूती मिली, इसपर चर्चा हुई। इस दौरान मायावती ने पदाधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। बैठक में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के तमाम पदाधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा बसपा के सभी जिलाध्यक्षों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक लखनऊ में सुबह 11 बजे बसपा कार्यालय में शुरू हुई। बैठक के दौरान मायावती ने ऐलान किया वह अगला लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेंगी। वह अपने दम पर ही अगला चुनाव लड़ेंगी और किसी के साथ गठबंधन नहीं करेंगी। उन्होंने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि गठबंधन करने से कुछ हासिल नहीं होता है। हम जब भी गठबंधन करके चुनाव लड़ते हैं तो हमारे वोट ट्रांसफर हो जाते हैं, लेकिन हमे दूसरे दल के वोट नहीं मिलते हैं। लिहाजा हम इस बार अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि हाल ही में मायावती ने प्रियंका गांधी से मुलाकात की थी, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि वह कांग्रेस के साथ आ सकती हैं। लेकिन तमाम कयासों पर मायावती ने विराम लगाते हुए अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया का बयान, सियासत में बैटिंग सिर्फ फ्रंटफुट पर ही होती है

ग्वालियर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया दो दिवसीय दौरे पर ग्वालियर पहुंचे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव में टिकट दिए जाने पर कहा कि सियासत में कोई पीछे नहीं जाता। उन्होंने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा जैसे कि क्रिकेट में कहा जाता है कि बैटिंग सिर्फ फ्रंटफुट पर ही होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में संगठन द्वारा किसी भी कार्यकर्ता को जो निर्देश दिया जाता है उसका पालन करना उसका कर्तव्य ही नहीं अपितु उसका धर्म भी है। राहुल गांधी के मध्य प्रदेश दौरे पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस की विदाई अब जनता ही तय करेगी। बता दें पत्रकारों से चर्चा करते हुए सिंधिया ने कहा कि डबल इंजन की सरकार मध्य प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। ग्वालियर में 80 करोड़ रुपये की लागत से अलग-अलग विकास कार्यों का भूमिपूजन-शिलान्यास हुआ है, जिसमें दो नई सड़कों का उन्नयन हुआ है और स्मार्ट सिटी की सड़क का शिलान्यास भी किया जा रहा है। इसके साथ ही मुरार अस्पताल का 22 करोड़ की लागत से उन्नयन हुआ है। डबरा झांसी रोड पर 2 करोड़ की लागत से तानसेन द्वार तैयार हुआ है और यह सब सौगातें ग्वालियर वासियों को मिल रही हैं।

8 अक्टूबर को लगेगा लोक अदालत

जिनका ट्रैफिक नियमों को तोड़ने का कटा है चालान, वे इसका लाभ उठाएं

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तरफ से आगामी 8 अक्टूबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राजधानी दिल्ली में वाहन चलाने की दौरान किसी भी प्रकार से यातायात के नियमों का उल्लंघन होने पर किए गए चालानों के मामलों का निपटारा किया जाएगा। इनमें व्यवसायिक और निजी दोनों प्रकार के वाहनों के चालान शामिल हैं। अगर आपसे भी जाने या अंजाने में यातायात नियमों का उल्लंघन हुआ है और इस कारण आपका चालान हो गया है तो इस मौके को हाथ से न जाने दें, क्योंकि इस लोक अदालत में मजिस्ट्रेट के सामने पेश होकर आप ट्रैफिक चालान की रकम को माफ या कम करने की गुहार लगा सकते हैं। अगर आपने इस मौके को गंवा दिया तो आपको चालान की रकम के भगतान के लिए ऑफिस के चक्कर लगाने पड़ेंगे और अगर चालान का भुगतान नहीं हुआ तो आपके खिलाफ कार्रवाई भी हो सकती है।

चालान की कॉपी लाना अनिवार्य

यह लोक अदालत 8 अक्टूबर की सुबह 10 बजे से 4 बजे तक दिल्ली के द्वारका, कड़कड़डूमा, पटियाला हाउस, रोहिणी, राउज एवेन्यू, साकेत और तीस हजारी न्यायालय परिसरों में लगाए जाएंगे, जिनमें 170 लोक अदालत बेंच होंगी, जहां प्रत्येक लोक अदालत में अधिकतम एक हजार चालानों के मामलों का निपटारा होगा, यानी इस दिन चालान से संबंधित 1 लाख 70 हजार मामलों को निपटाया जाएगा। इस लोक अदालत में 30 जून 2023 तक लंबित चालानों के ही मामलों का निपटान होगा। जिनके नोटिस पर्ची दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकेंगे। चालान का निपटारा करने के लिए पर्ची का प्रिंट आउट ले जाना अनिवार्य है। कोर्ट परिसर में प्रिंट आउट निकालने की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

असम के धुबरी में भूकंप से कांपी धरती

किसी की मौत की सूचना नहीं, क्या थी तीव्रता

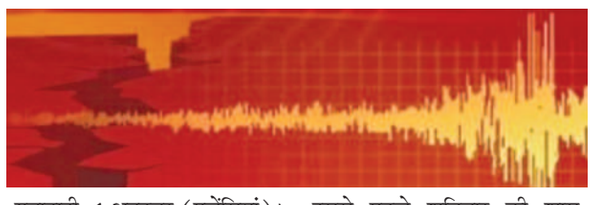

गुवाहाटी, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम के धुबरी जिले में रविवार को भूकंप की खबर है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि रविवार के तड़के असम के धुबरी जिले में 3.1 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप सुबह 3:01 बजे 17 किलोमीटर की गहराई पर आया। एक्स (पूर्व ट्विटर) पर इसकी जानकारी साझा करते हुए ,नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने कहा, भारत के असम जिले के धुबरी में भूकंप आया, भूकंप की तीव्रताः 3.1 बताई गई है जिसका एपीसेंटर 17 किमी की गहराई में स्थित था। इससे पहले शनिवार की शाम करीब छह बजे मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में भूकंप की खबर मिली थी, हालांकि उसकी तीव्रता काफी कम थी। सिवनी में आए भूकंप की तीव्रता 1.8 मापी गई थी। उससे पहले शुक्रवार की शाम 6 बजकर 47 मिनट के करीब भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप की तीव्रता 2.9 मापी गई थी। बता दें कि सितंबर में हिमाचल प्रदेश के मंडी और चंबा जिलों में रिक्टर स्केल पर 2.8 और 2.1 तीव्रता के हल्के भूकंप आए। हालांकि भूकंप के इन हल्के झटकों से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

'इंदौर में केरल स्टोरी': लड़कियों को बेहद शातिर तरीके से मुसलमान बना रही थी सना खान, हुई गिरफ्तार

इंदौर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में इवेंट मैनेजर के रूप में काम करने वाली सना खान नाम की एक महिला को पुलिस ने कानून की छात्राओं पर इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए दबाव डालने और हिंदू लड़कियों को मुस्लिम पुरुषों से शादी करने के लिए लुभाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन पर मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम और धमकी के तहत भी आरोप हैं। गिरफ्तारी एक कानून की छात्रा की शिकायत के बाद हुई, जिसने सना खान पर उसे इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मजबूर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। मूल रूप से देवास जिले के तालोद गांव की रहने वाली शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी उस पर और उसके दोस्त पर अपना धर्म बदलने के लिए दबाव डाल रहा था। सना खान ने कथित तौर पर विभिन्न प्रलोभनों की पेशकश की, जिसमें धर्म परिवर्तन के

बदले अमीर मुस्लिम पुरुषों से उनकी शादी कराने का वादा भी शामिल था। आरोपियों ने दावा किया कि उन्हें अच्छी खासी रकम मिलेगी, जो उनके बच्चों की पढ़ाई के लिए फायदेमंद होगी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने सना खान की लोकेशन का पता लगाया और उसे पकड़ लिया। पता चला कि आरोपी की शादी सलीम खान नाम के शख्स से हुई है, जो शिकायतकर्ता का चाचा लगता है। सना खान ने अपने पति के माध्यम से पीड़िता के बारे में जानकारी हासिल की थी और बाद में उसे धमकाना शुरू कर दिया था। सना खान की कार्यप्रणाली में उसके संभावित लक्ष्यों, मुख्य रूप से कानून की छात्राओं के बारे में जानकारी इकट्ठा करना और फिर उनके साथ संपर्क शुरू करना शामिल था। वह पहले सामान्य बातचीत में शामिल होती थी,

धीरे-धीरे विभिन्न प्रोत्साहन और प्रलोभन देकर उन्हें इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मनाती थी। उसने उन्हें संपन्न मुस्लिम पुरुषों से शादी का वादा भी किया था। शुरुआती पूछताछ के दौरान सना खान ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन बाद में उसने अपनी हरकतें कबूल कर लीं। अधिकारियों को पता चला है कि आरोपी के इंदौर में 40 से अधिक लड़कियों के साथ संबंध थे। पुलिस अब एकत्रित की गई जानकारी संकलित कर रही है और संदेह है कि सना खान ने अन्य लड़कियों को निशाना बनाने के लिए इसी तरह की रणनीति का इस्तेमाल किया होगा।

नाबालिग ने महिला कांस्टेबल से की छेड़छाड़, दूसरे किशोर ने दिया साथ; तीन गिरफ्तार

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के विक्रोली में एक महिला पुलिसकर्मी से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। मामले में दो नाबालिगों सहित सहित लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना शुक्रवार रात की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोप है कि एक नाबालिग लड़के ने महिला कांस्टेबल को कथित तौर पर गलत तरीके से टच किया। उन्होंने बताया कि जब कुछ महिलाओं ने घटना को देखा और हस्तक्षेप करने की कोशिश की, तो एक अन्य नाबालिग ने छेड़छाड़ करने वाले की भागने में मदद की। अधिकारी ने आगे बताया कि एक शख्स ने भी एक नाबालिग की मदद की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। महिला कांस्टेबल की ओर से शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की और छह टीमों का गठन किया,

मोदी के 'पहलवानों' ने बढ़ाई कांग्रेस की टेंशन

अब चुनाव की तारीखों के एलान के बाद आएगी सूची

भोपाल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश भाजपा ने केंद्रीय मंत्री समेत सात सांसदों को चुनाव मैदान में उतारकर कांग्रेस की टेंशन बढ़ा दी है। इसके चलते अब कांग्रेस ने अपनी पूरी रणनीति बदल दी है। कांग्रेस की प्रत्याशियों की सूची अब चुनाव की तारीखों के एलान के बाद नवरात्रि में आने की संभावना है। भाजपा की तीन सूची में 79 नाम आने के बाद कांग्रेस भी अपने प्रत्याशियों की सूची जारी करने की तैयारी में जुट गई है। इसको लेकर तीन अक्टूबर को दिल्ली में स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक बुलाई गई है। इसमें प्रत्याशियों का चयन कर केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा जाएगा। भाजपा के केंद्रीय मंत्रियों समेत सात सांसदों को उतारने के बाद कांग्रेस ने अपनी रणनीति बदल दी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार अब भाजपा के दिग्गजों को घेरने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए पार्टी ने अपनी रणनीति

में बदलाव करने जा रही है। यही वजह है कि अब प्रत्याशियों की पहली सूची भी पार्टी नवरात्रि में 15 अक्टूबर के बाद जारी करने पर विचार कर रही है। ऐसे में पांच अक्टूबर को जन आक्रोश यात्रा के समाप्त होने के बाद सूची जारी होने की संभावना कम हो गई है। पहली सूची में 100 से अधिक प्रत्याशियों के नाम की घोषणा हो सकती है। इसमें 50 प्रतिशत से अधिक वर्तमान विधायक शामिल हो सकते हैं। कांग्रेस के वर्तमान में 95 विधायक हैं। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने भी कई सर्वे कराए हैं। केंद्रीय नेतृत्व के साथ ही पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी अपने सर्वे कराए हैं। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह दोनों ने हारी सीटों पर लगातार दौरे किए। उन्होंने हारी सीटों पर अपने जिताऊ उम्मीदवार को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। जिसके आधार पर अपनी रिपोर्ट बनाकर कमेटी के सामने रखी गई है। पार्टी का उम्मीदवार चयन का फॉर्मूला सिर्फ जिताऊ उम्मीदवार रखा गया है। इस बार मौजूदा विधायकों में 15 से 20 विधायकों के टिकट कट सकते हैं। कांग्रेस अपनी लिस्ट में युवाओं पर फोकस कर रही है। इस बार चुनाव में कांग्रेस युवाओं को टिकट देगी। साथ ही ज्यादा से ज्यादा जिताऊ महिला उम्मीदवारों को भी मौका दिया जाएगा।

दिग्गज नेताओं का चुनाव लड़ने से इंकार

चुनाव मैदान में उतरे भाजपा के दिग्गजों को चुनौती देने के लिए कांग्रेस भी रणनीति बना रही है, लेकिन कांग्रेस की तरफ से बड़े नेता चुनाव मैदान में उतरने से कतरा रहे हैं। पीसीसी चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अभी तक तय नहीं कर पाए हैं कि वह छिंदवाड़ा से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे या नहीं। हालांकि चर्चा है कि वे चुनाव नहीं लड़ रहे। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह भी विधानसभा चुनाव के दंगल में उतरने को तैयार नहीं है। उन्होंने 2003 के बाद से कोई विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ा। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया भी अपने बेटे विक्रांत भूरिया को चुनाव में उतारना चाहते हैं। इसलिए वे भी चुनाव नहीं लड़ना चाहते।

तृणमूल पैसे वाली पार्टी है

कार्यकर्ताओं को चार्टर्ड प्लेन से भेजे दिल्ली, सुवेंदु अधिकारी ने अभिषेक बनर्जी के आरोपों पर कहा

कोलकाता, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सियासत में सत्ताधारी तृणमूल और विपक्षी दल भाजपा के बीच लगातार नोंकझोंक जारी है। इसी क्रम में विधानसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल महासचिव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के उन आरोपों को खारिज किया है, जिसमें बनर्जी ने आरोप लगाया है कि भाजपा बंगाल की ट्रेनें रद्द कर रही है ताकि तृणमूल कार्यकर्ता रविवार को दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा न ले सकें। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने इन आरोपों को नकारते हुए और कथित भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाते हुए कहा कि तृणमूल झूठ बोल रही है और वैसे भी सत्तारूढ़ तृणमूल के पास बहुत पैसा है। पार्टी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कार्यकर्ताओं को चार्टर्ड विमान भी कर सकती है। सुवेंदु अधिकारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "ये आरोप झूठे और राजनीति से प्रेरित हैं। तृणमूल सबसे अमीर पार्टी है।

उनके पास चार्टर्ड उड़ानें हैं। कार्यकर्ताओं को दिल्ली भेजने के लिए उसे उनका उपयोग करना चाहिए। इससे पूर्व तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी ने 2 अक्टूबर को मोदी सरकार के खिलाफ पार्टी के विरोध प्रदर्शन के लिए शनिवार को हावड़ा से दिल्ली के लिए विशेष ट्रेन रद्द होने पर शुक्रवार को कहा,भाजपा सरकार ने बेशर्मी से ट्रेन के लिए पहले से जमा राशि स्वीकार करने के बाद विशेष ट्रेन सेवा उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया। बंगाल के लोगों के सामने उन्हें कायर होते देखना अच्छा लगता है।

पिस्तौल के बल पर युवक से लूट

सोने का कड़ा, दो मोबाइल और नकदी लूटी

सोनीपत, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोनीपत में नेशनल हाईवे-44 पर गांव भिगान के पास कार को सड़क किनारे रोककर होटल पर खाना खाने जा रहे युवक को पिस्तौल दिखाकर सोने का कड़ा, दो मोबाइल व नकदी लूटने का मामला सामने आया है। तीन बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। युवक ने घटना के चार दिन बाद थाना प्रभारी को व्हाट्सएप पर शिकायत भेजकर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने युवक के बयान पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पंजाब के अमृतसर स्थित मेडिकल एनक्लेव निवासी सुमित सरीन ने थाना प्रभारी को भेजी शिकायत में बताया कि वह 27 सितंबर की देर रात कार से दिल्ली जा रहे थे। जब वह देर रात एक बजे भिगान के पास पहुंचे तो उन्हें भूख लगी। उन्होंने एक होटल के पास कार रोकी और खाना खाने जाने लगे तो इसी दौरान एक कार उनके पीछे आकर रुकी।

माता-पिता ऐसे समझें अपने बच्चों के 'मन की बात'

अभिभावकों से दूर रहकर बच्चे गलत फैसले कर सकते हैं, जिससे उनकी जिन्दगी पटरी से उतरकर, भूल के जंगल में खो सकती है इसलिए जरूरी है कि माता- पिता उनके अड़ियलपन को नजरअंदाज न करें, उन्हें समझें, उन्हें अकेला न छोड़ें मनोविज्ञान की दृष्टि से इस सामाजिक आपातकाल को देखें-समझें। अभिभावक मनोविज्ञान के सुझाए गए सरल सिद्धान्तों पर अमल करके बच्चों के साथ बहुत मधुर और भावनात्मक सम्बन्ध विकसित कर सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर मनोविज्ञान के उन सिद्धान्तों पर, जिनकी नींव पर मजबूत रिश्ते कायम हो सकते हैं।

बच्चों के करीब रहें

बच्चों की विकासशील अवस्था में कदम-कदम पर उन्हें आपकी जरूरत होती है। आपके द्वारा उपलब्ध कराए गए साधन आपकी कमी पूरी नहीं कर पाएंगे। उनके लिए आपका मौजूद होना, उनकी बात सुनने के लिए तत्पर रहना, उनकी बात के जरिए उन्हें समझना, उनके लिए अनमोल है।

भाषण नहीं, संवाद करें तुम यह क्यों कर रहे हो, तुम्हें यह नहीं करना चाहिए, पागल है क्या करने से पहले कुछ सोचता नहीं, तुम्हें ऐसा करना चाहिए आदि जैसे निर्देशों से बच्चे जल्दी उकता जाते हैं। बढ़ते बच्चों के साथ विशेष रूप से, किशोरावस्था में आ चुके बच्चों के साथ ऐसा संवाद स्थापित करना उन्हें स्वयं से दूर करने का सबसे बड़ा कारण है। बढ़ते बच्चों के साथ ऐसा संवाद स्थापित करना चाहिए, जिसमें आप उन्हें अपने समानान्तर रखकर उनके मत का भी सम्मान कर पाएं। ऐसा करने से बच्चे अपनी बात आपके सामने खुलकर रख पाएंगे। उनके साथ आप स्वयं को और अपनी सोच को भी विकसित होने का मौका देंगे। उनके जीवन में रुचि लें बच्चों के जीवन में क्या हो रहा है, उनके मोबाइल गेम, उनके कार्टून, उनके सोशल मीडिया एप्स, उनके रियल और वर्चुअल दोस्त, उनकी पसंदीदा वैब सीरीज, पसंदीदा खेल और खिलाड़ी, इनकी जानकारी रखना, इनके बारे में जानने की उत्सुकता दिखाना, उनकी दुनिया में जाकर उनके साथ समय बिताना, परिचित होना ये सब ऐसे कदम हैं, जो निश्चित रूप से उन्हें आपके करीब लाने का काम करेंगे।

संवेदना

बच्चों के मन को पढ़ पाना, उसे समझ पाना, बिना प्रतिक्रिया दिए, उनके मन की बात को पूरी संवेदना के साथ सुन पाना अभिभावक के लिए बच्चों के मन में सदा के लिए घर बनाने के बराबर है। अगर आपसे उन्हें संवेदना नहीं मिली तो वे किसी और से भी इसकी उम्मीद नहीं कर पाएंगे।

अगर मां-बाप के साथ ही उनके मन में असुरक्षा की भावना रही तो आगे आने वाले सारे सम्बन्धों में असुरक्षित ही महसूस करेंगे और किसी पर भी जल्दी से बिना जांचे-परखे विश्वास कर लेंगे या फिर किसी पर भी विश्वास नहीं कर पाएंगे। ऐसे में वे जीवन से और लोगों से असन्तुष्ट और नाखुश बने रहेंगे।

केले के 'तने' का फाइबर भी है फायदेमंद बन सकती हैं कई तरह की चीजें

यूपी एवं बिहार में कुछएक 7 से 18 लाख लोग केले की खेती, कटाई, हैंडलिंग और केले के परिवहन पर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। लगभग 70-80 मीट्रिक टन प्रति हैक्टेयर केले के घौद (बंच) की कटाई के बाद केले के तने, जिसे 'स्यूडोस्टैम' अथवा 'आभासी तना' कहा जाता है, को खेत के बाहर फेंक दिया जाता है, जो बाद में बर्बाद हो जाता है और अंततः जला दिया जाता है, जिससे वातावरण को भारी नुक्सान पहुंचता है।

केला उत्पादक किसानों के सामने आभासी तना का उचित निस्तारण एक बहुत बड़ी समस्या है और बिना कोई अतिरिक्त आय प्राप्त किए, इसके निस्तारण पर अच्छा- खासा भारी खर्च करना पड़ता है। एक अनुमान के अनुसार लगभग 10 से 15 हजार रुपए / हैक्टेयर इन आभासी तनों के निस्तारण पर खर्च करने पड़ते हैं। अनुमान के अनुसार उत्तर प्रदेश और बिहार में हर साल मात्र केले के आभासी तने से लगभग, 45,00,000 मीट्रिक टन बायोमास उत्पन्न होता है। केला उत्पाद क किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केले के आभासी तने के इस विशाल बायोमास को मूल्य वर्धित उत्पादों में बदलना है। केले का आभासी तना सोने की खान है। इसको आर्थिक रूप से संसाधित करना और स्थानीय ग्राम स्तरों पर ही फाइबर निकालना ज्यादा उचित होगा। आइए जानते हैं कि केले के आभासी तने से रेशा कैसे निकाला जाएगा एवं उसका आर्थिक विश्लेषण ।

केले के आभासी तने से रेशा (फाइबर) निकलना

सामान्यतः केले के आभासी तने से रेशा से लेकर डेढ़ लाख रुपए के बीच है। एक मशीन से दिन में लगभग 15 से 20 कि.ग्रा. सुखे रेशे निकाले जा 8 घंटे की श्रम लागत परिसंपत्ति मूल्य, ओवर है इस (बिजली पानी) आदि को ध्यान में रखते हुए, रेशे की निकासी लगभग 70 80 रुपए प्रति कि.ग्रा. है। इसका मतलब है कि अगर फाइबर बेचना है तो बाजार में कुछ लाभ मार्जिन के साथ, सूखे फाइबर की लागत प्रति किलो लगभग 150 रुपए से कम नहीं होनी चाहिए।

चूंकि केले का फाइबर जूट के रेशों के समान है और इसका उपयोग उन वस्तुओं के उत्पादन के लिए किया जा सकता है, जिनमें जूट के रेशों का उपयोग होता है, जूट के रेशों की कीमत एवं केले के स्यूडोस्टेम से बने रेशों की लागत समान होने से केलों के रेशो का महत्व बढेगा।

आवश्यकता इस बात की है कि केले से निकलने वाली मशीन की कीमत 50 हजार रेशे निकालने में होने वाले खर्च को और कम किया जाए। इस पर अनुसंधान की आवश्यकता है। जूट के रेशों की वर्तमान कीमत करीब 30 से 35 रुपए प्रति किलो है। केले के रेशे से और कीमती सामान बनाया जाए।

फाइबर के उप-उत्पाद हैं- कपड़े, बैग, विभिन्न प्रकार के मैट, आंतरिक सजावट के सामान, खिड़की के पर्दे, कुशन कवर, बोल्स्टर कवर, टेबल लैंप और फोल्डर्स इत्यादि । सिथेटिक फाइबर की अपेक्षाकृत उच्च लागत और स्वास्थ्य संबंधी खतरों के कारण, प्राकृतिक रेशों का पता लगाना आवश्यक हो जाता है। केला फाइबर इसका एक अच्छा विकल्प है। केले का रेशा (फाइबर) पर्यावरण के अनुकूल (इको फ्रैंडली) और रसायन मुक्त (कैमिकल फ्री) और होता है। आजकल केले के रेशा से महिलाओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सैनिटरी पैड भी बनाए जा रहे हैं।

यह बहुत ही लोकप्रिय हो रहा है। यह ग्रीस प्रूफ, पानी और आग प्रतिरोधी और पूरी तरह से बायो-डिग्रेडेबल है। केले के रेशे से बने कागज के यूरोपीय देशों सहित 25 देशों के लिए निर्यात की बहुत अच्छी संभावनाएं हैं।

सफलता के लिए समझिए 'प्रेरणा का महत्व'

आप जितने उत्साहित रहेंगे, उतना ही विश्वास करके ही जीवन में सफलता अधिक प्रेरित भी महसूस करेंगे। किसी हासिल की जा सकती है। भी काम में भावनाएं महत्वपूर्ण भूमिका जरूरी है काम से लगाव निभाती हैं। सही भावनाओं की सहायता से आप अपने आसपास मौजूद लोगों को भी प्रेरित करते हैं।

सकारात्मक सोच

जो लोग अपनी या अपने काम से जुड़ी कमियों के बारे में चिंता करते रहते हैं, उनके भीतर मौजूद रही-सही प्रेरणा भी जाती लगती है। हमेशा सकारात्मक सोच का पालन करें। कमियों पर अफसोस करने के स्थान पर सोचें कि किस तरह से आप उन्हें दूर करके किसी काम को पूरा कर सकते हैं। अपनी क्षमताओं पर जो लोग काम को कर्त्तव्य मानते हैं, वे दिन भर प्रेरित महसूस करते हैं। अपने काम को अपनी जिम्मेदारी समझ कर करने वाले लोगों की प्रेरणा उनकी आदत बन जाती है और लगने लगता है कि वह उनके स्वभाव का ही एक हिस्सा है जो हमेशा एक दोस्त की तरह उनके साथ खड़ा रहता है।

सर्वोत्तम की अपेक्षा करें

जो लोग उत्तम परिणाम की अपेक्षा रखते हैं वे हमेशा प्रेरित और पूरे जोश से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं।

एमसीए करने के बाद कहां मिलती है नौकरी, क्या हैं करियर ऑप्शन्स?

एमसीए यानि मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन. यह एक पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स है जो विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रोग्राम, एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर आर्टिटेक्चर और ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे विषयों में ट्रेन करता है. एमसीए कोर्स को पूरा करने में दो साल का वक्त लगता है. देश के ज्यादातर संस्थानों में मेरिट और एंट्रेंस एग्जाम के बेसिस पर दाखिला मिलता है. अगर आपने भी एमसीए कोर्स पूरा कर लिया है और करियर ऑप्शन की जानकारी लेना चाहते हैं तो आर्टिकल आपके लिए है. आइए जानते हैं एमसीए का करियर स्कोप क्या है, जॉब प्रोफाइल क्या होती है और सैलरी कितनी मिलती है.

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन प्रोफेशनल का स्कोप क्या है?

देश-दुनिया में आईटी इंडस्ट्री तेजी से ग्रो कर रही है. जिसकी वजह से एमसीए प्रोफेशनल के लिए कई करियर के अवसर बन रहे हैं. कई आईटी कंपनियों में टॉप लेवल पर एमसीए प्रोफेशनल की जरूरत पड़ती है. एमसीए प्रोफेशनल को स्टार्ट-अप में अच्छे अवसर मिलते हैं. एमसीए प्रोफेशनल को भारत में एक हैंडसम सैलरी मिलती है.

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन प्रोफेशनल किन जॉब प्रोफाइल पर काम करते हैं?

टेक्नीकल राइटरः हार्डवेयर इंजीनियरः सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटरः मोबाइल एप डेवलपरः नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटरः सिस्टम एनालिस्टः वेब डेपलपरः

सॉफ्टवेयर डेवलपरः सालाना औसत सैलरी 3 से 7 लाख रुपये.

12वीं के बाद करें कंप्यूटर साइंस के ये कोर्स, बनेगा बेहतरीन करियर

कंप्यूटर साइंस में पढ़ाई करने वालों को अच्छी सैलरी वाली नैकरी पाने का स्कॉप अच्छा है. 12वीं के बाद कंप्यूटर साइंस से जुड़ी पढ़ाई करने के लिए डिप्लोमा भी कर सकते हैं और डिग्री भी ले सकते हैं.

डिप्लोमा के जरिए भी इंटरडिस्प्लीनरी फील्ड्स में बेसिक को समझा जा सकता है. हांलकि इस डोमिन की गहराई से नॉलेज के लिए अंडरग्रेजुएट डिग्री ले सकते हैं. अंडरग्रेजुएट डिग्री में BSc/ BTech/ BE प्रोग्राम्स शामिल हैं. जबकि डिप्लोमा के लिए अलग ऑप्शन हैं. यहां जानिए डिप्लोमा और डिग्री के नाम और उसके ड्यूरेशन.

कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा

1 -कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा (3 साल)

2 -कंप्यूटर इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (3 साल)

3 -कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा (2-3 साल)

4 -सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (3 साल)

5 -कंप्यूटर हार्डवेयर टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा (3 साल)

6 -कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (3 साल)

7 -हार्डवेयर और नेटवर्किंग में डिप्लोमा (3 साल)

डिप्लोमा प्रोग्राम के जरिए कैंडिडेट्स बेसिक कॉन्सेप्ट्स और कंप्यूटर साइंस के तहत आने वाले वास्ट डोमेन के टॉपिक्स को कवर करते हैं. छात्रों को ऑपरेटिंग सिस्टम, नेटवर्किंग के साथ-साथ बुनियादी प्रोग्रामिंग और कंप्यूटिंग के बारे में बुनियादी जानकारी मिलती है. 12वीं कंप्यूटर साइंस के बाद डिप्लोमा का विकल्प चुनने से कंप्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के अच्छे ज्ञान के साथ-साथ इस क्षेत्र में एंट्री लेवल जॉब्स पाने लायक काबिलियत आ जाती है.

कंप्यूटर साइंस में डिग्री

1 -कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक या बीई (4 साल)

2-कंप्यूटर साइंस में बीटेक या बीई (4 साल)

3 -कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में बीटेक या बीई (4 साल)

4 -कंप्यूटर एंड कम्यूनिकेशन साइंस और इंजीनियरिंग में बीटेक या बीई (4 साल)

5-सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में बीटेक या बीई (4 साल)

6 -बीएससी कंप्यूटर साइंस (3 साल)

7 – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी में बीएससी (3 साल)

8 -कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीएससी (3 साल)

9 -बीसीए (बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन) 3 साल

10 -कंप्यूटर इंजीनियरिंग में इंटीग्रेटेड (बीई/बीटेक + एमई/एमटेक) (5 साल)

अंडरग्रेजुएट कोर्सेज के जिए कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन, ऑपरेटिंग सिस्टम, नेटवर्किंग की जानकारी गहराई से मिलती है.

दिल्ली पुलिस में 12वीं पास के लिए नौकरी का बेहतरीन मौका, 69000 होगी सैलरी

दिल्ली पुलिस की नौकरी करना हर युवाओं की चाहत होती है. सभी राज्यों की पुलिस की नौकरियों से दिल्ली पुलिस की नौकरी को अधिकांश युवा बेहतर मानते हैं. दिल्ली पुलिस में नौकरी पाने के लिए युवा लगातार मेहनत भी करते हैं. इसके लिए कर्मचारी चयन आयोग लगभग हर साल कांस्टेबल के पदों पर बहाली के लिए वैकेंसी निकालती रहती है. अगर आप भी इन पदों के लिए अभी तक आवेदन नहीं किए हैं, तो बिना समय गवाएं आज ही आवेदन कर सकते हैं.

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिल्ली पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2023 के लिए आवेदन प्रक्रिया 30 सितंबर, 2023 को बंद कर दिया जाएगा. जो भी पुरुष और महिला उम्मीदवार दिल्ली पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2023 के लिए अप्लाई करना चाहते हैं, वे SSC की आधिकारिक वेबसाइट ssc.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं. SSC दिल्ली पुलिस भर्ती के लिए सुधार विंडो 3 अक्टूबर को खुलेगी और 4 अक्टूबर, 2023 को बंद हो जाएगी. परीक्षा दिसंबर 2023 में निर्धारित की गई है. इस भर्ती के जरिए दिल्ली पुलिस में 7547 पदों को भरा जाएगा.

SSC दिल्ली पुलिस भर्ती 2023 के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु सीमा 18 वर्ष से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए.

12वीं पास करें अप्लाई

उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 (सीनियर सेकेंडरी) उत्तीर्ण होना चाहिए. साथ ही PE&MT की तिथि पर पुरुष उम्मीदवारों के पास एलएमवी (मोटर साइकिल या कार) के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए. इसके लिए लर्नर लाइसेंस स्वीकार्य नहीं होगा.

युवा व बच्चों को 'बीमार' बना रहा सोशल मीडिया

वर्तमान में अधिकतर युवा और बच्चे हमेशा मोबाइल डॅस्कटॉप या लैपटॉप आदि पर व्यस्त दिखते हैं। इससे उनमें शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं।

हाल ही में एक राष्ट्रीय सर्वे में पता चला है कि लगभग 60 प्रतिशत बच्चे हमेशा सोशल मीडिया से चिपके रहते हैं। इस आयु में उन्हें खेलने-कूदने, मैदानों पर दिखने के साथ सामुदायिक जीवन बिताना चाहिए। इससे शारीरिक, मानसिक और सामाजिक हर तरह का विकास होता है लेकिन इन सबसे दूर, एकांत में केवल सोशल मीडिया पर व्यस्त रहने से बच्चे डिप्रैशन व अन्य प्रकार की समस्याओं का शिकार बनते जा रहे हैं। मनोचिकित्सकों व अन्य ने भी इसे बड़ी समस्या बताया है। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि सारे विश्व की समस्या है।

खैर, केंद्र सरकार द्वारा शीघ्र ही 'डिजिटल प्राइवेट डाटा प्रोटैक्शन लॉ' लाए जाने की उम्मीद है। इसके आने से बच्चों की ऑनलाइन मनमानी पर कुछ लगाम संभव होगी। इस कानून से 18 साल से कम आयु के बच्चों को इंटरनैट पर कुछएप्लीकेशन्स (एप्स) का इस्तेमाल करने के लिए माता-पिता (अभिभावकों) की अनुमति अनिवार्य होगी। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इन दिनों सोशल मीडिया का जबरदस्त बोलबाला है क्योंकि डैस्कटॉप, लैपटॉप आदि अनेक प्रकार के गैजेट्स से लेकर मोबाइल तक लगभग हर हाथ में उपलब्ध है। घर-घर में इंटरनेट की सुविधा है।

साथ ही अनेक प्रकार के गेम्स, फिल्में, सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म और एप्स बड़ी सहजता से उपलब्ध हैं। केवल एक क्लिक मात्र से मनचाही चीजें हासिल हो रही हैं। केवल इन गैजेट्स पर घंटों आंखें टिकाए रखना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रतिकूल है। इस कारण घर-परिवार और समाज से भी प्रत्यक्ष होने वाला संवाद कम होता जा रहा है। बच्चे सामाजिक व्यवहार से दूर होते जा रहे हैं। हालांकि सोशल मीडिया कनैक्टिविटी में ढेर सारी अच्छाइयां भी हैं, लेकिन जो दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं, वे चिंताजनक हैं।

रिश्ते बनते हैं, वे सोशल मीडिया वाले बच्चों की समझ से बाहर की बात होते जा रहे हैं। मानवीय जीवन में परस्पर भावुकता, स्नेह और संवेदनाओं को प्रत्यक्ष महसूस किया जाता है, सोशल मीडिया पर परीक्ष रूप से ऐसा होने में बहुत फर्क है। सामाजिक मान- मर्यादा और अनुशासन के साथ ही अनेक प्रकार के संस्कारों के गुण सामाजिक व्यवहार से हम सीखते हैं। सोशल मीडिया संपर्क, जानकारियों और ज्ञानवर्धन का बड़ा माध्यम अवश्य है लेकिन वह केवल साधन है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें पारिवारिक, सामाजिक और सामुदायिक परिवेश में बनाए रखना ज्यादा जरूरी है। इसीलिए बच्चों की आदतों पर लगाम लगाने के लिए कानून बनने जा रहा है। देश को सुसंस्कारी पीढ़ी देने के लिए कुछ अनुशासन और मर्यादाएं आवश्यक हैं। घर-परिवार भी बच्चों को आधुनिक अवश्य बनाएं, पर उनमें संस्कारों, परंपराओं, लोक मान-मर्यादा और सामाजिकता के गुणों के सामाजिक परिवेश के व्यावहारिक जीवन और विकास पर विशेष ध्यान दें। इसी से भविष्य में बेहतर संवाद से व्यक्ति व्यक्ति के बीच परस्पर जो बेहतर पीढ़ी बनेगी।

इनकम टैक्स में बिना परीक्षा नौकरी पाने का सुनहरा मौका, 10वीं, ग्रेजुएट करें आवेदन

अगर आप 10वीं पास, ग्रेजुएट हैं और नौकरी की तलाश में हैं, तो आपके लिए एक सुनहरा मौका है. इनकम टैक्स विभाग के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, अहमदाबाद के कार्यालय में इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स असिस्टेंट और मल्टी-टास्किंग स्टाफ के पदों पर बहाली की जा रही है. इसके लिए आवेदन प्रक्रिया कल यानी 1 अक्टूबर से शुरू हो रही है और आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है. इन पदों पर आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट incometaxgujrat.gov.in के माध्यम से अप्लाई कर सकते हैं.

इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 59 पदों को भरा जाएगा. जो भी उम्मीदवार इन पदों पर आवेदन करने के इच्छुक हैं, वे सबसे पहले दिए गए इन बातों को ध्यान से जरूर पढ़ें.

इनकम टैक्स भर्ती के लिए आयु सीमा

इनकम टैक्स पद के लिए उम्मीदवारों की आयुसीमा 18 वर्ष से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए. टैक्स असिस्टेंट और मल्टी-टास्किंग स्टाफ पद के लिए उम्मीदवारों की आयुसीमा 18 से 27 वर्ष के बीच होनी चाहिए.

फॉर्म भरने की योग्यता :इनकम टैक्स इंस्पेक्टर के पद के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए. टैक्स असिस्टेंट के पद के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या समकक्ष से ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए.

मल्टी टास्किंग स्टाफ पद के लिए उम्मीदवार को मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिकुलेशन या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए.

देखें यहां नोटिफिकेशन और आवेदन लिंक

चयन होने पर मिलेगी सैलरी : इनकम टैक्स इंस्पेक्टर- लेवल 7 (रु. 44,900/- से रु. 1,42,400/-)टैक्स असिस्टेंट- लेवल 4 (रु. 25,500/- से रु. 81,100/-) मल्टी-टास्किंग स्टाफ- लेवल 1 (रु. 18,000/- से रु. 56,900/-)

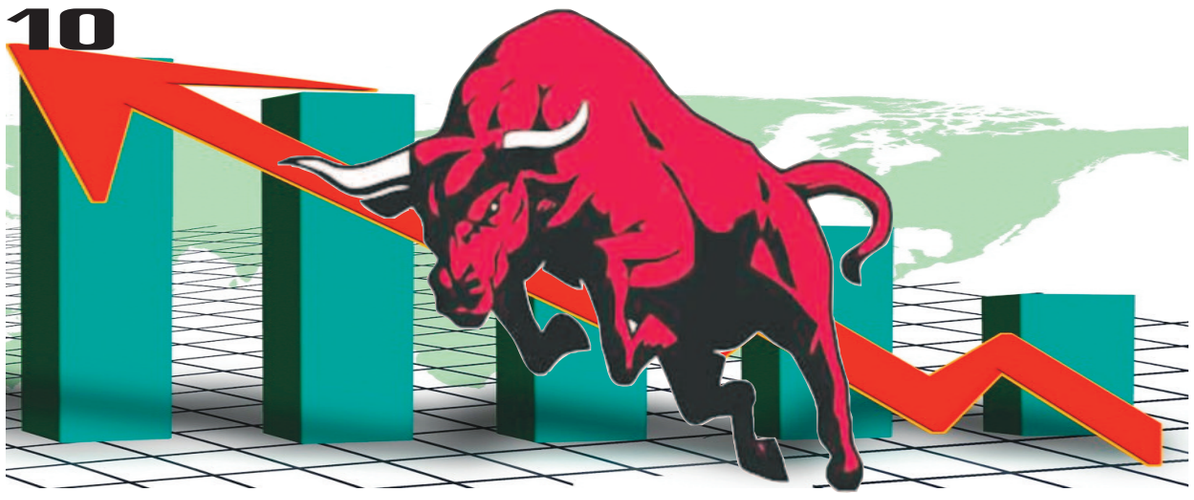

तेल कंपनियों ने दिया झटका

कमर्शियल एलपीजी गैस की कीमत में 209 रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसिया) तेल कंपनियों ने अक्टूबर की शुरुआत होने के साथ ही ग्राहकों को तगड़ा झटका दिया है. आज से कमर्शियल गैस सिलेंडर के रेट में 209 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है. नई दरें रविवार यानी 1 अक्टूबर, 2023 से लागू हो चुकी हैं. इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर 1731.50 रुपये पर बिक रहा हैं.वहीं अन्य महानगरों की बात करें तो कोलकाता में एलपीजी सिलेंडर के दाम में 203.50 रुपये की बढ़त हुई है और यहां कमर्शियल गैस सिलेंडर 1636.00 रुपये के बजाय 1.839.50 रुपये पर मिल रहा है.

गहरे समुद्र और कठिन क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमतों में हुआ 18 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसिया) रिलायंस इंडस्ट्रीज के केजी-डी6 ब्लॉक जैसे कठिन क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत में रविवार को 18 प्रतिशत की कटौती की गई। बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय प्राकृतिक गैस की कीमत में कमी आने के चलते ये फैसला लिया गया है। गैस की कीमत जिसका उपयोग बड़े पैमाने पर ऑटोमोबाइल में ईंधन भरने के लिए सीएनजी बनाने या खाना पकाने के लिए घरों की रसोई में पाइपिंग के लिए किया जाता है। यह मूल्य सीमा के कारण अपरिवर्तित रहेगी जो कि रिलायंस को भुगतान की जाने वाली बाजार दरों से 30 प्रतिशत कम निर्धारित की गई है।

जारी हुआ नोटिफिकेशन

ऑयल मिनिस्ट्री की पेट्रोलियम प्लानिंग और एनालिसिस सेल (पीपीएसी) की ओर से इसे लेकर एक नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है, जिसमें कहा गया कि एक अक्टूबर से शुरू होने वाली छह महीने की अवधि के लिए, गहरे समुद्र और उच्च दबाव, उच्च तापमान (एचपीटीपी) क्षेत्रों से गैस की कीमत 12.12 अमेरिकी डॉलर से घटाकर 9.96 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर दी गई है। बता दें, सरकार की ओर से प्राकृतिक गैस के दाम निर्धारित करने के लिए दो फॉर्मूला को अपनाया जाता है। यह ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के पास मौजूद पुराने गैस फील्ड्स के लिए अलग है और गहरे समुद्र या कठिन जगहों पर स्थित नए गैस फील्ड्स के लिए अलग है।

हर महीने वाल की जाती है समीक्षा

प्राकृतिक गैस के दामों की समीक्षा सरकार की ओर से हर छह महीने में की जाती है। भारत सरकार का लक्ष्य एनर्जी मिक्स में नेचुरल गैस की हिस्सेदारी बढ़ाकर 2030 तक 15 प्रतिशत करना है, जो कि फिलहाल 6.3 प्रतिशत है।

फिर से 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार निकला जीएसटी का कलेक्शन

सितंबर में 10 फीसदी की ग्रोथ

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसिया) जीएसटी से कमाई के मामले में सितंबर महीना शानदार साबित हुआ है. सितंबर महीने के दौरान जीएसटी कलेक्शन एक बार फिर से 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है. इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष में अब तक ऐसा चार बार हो चुका है, जब किसी एक महीने में कलेक्शन का आंकड़ा 1.60 लाख करोड रुपये से ज्यादा रहा हो. वहीं हर महीने सालाना आधार पर जीएसटी कलेक्शन में ग्रोथ का ट्रेंड भी बना हुआ है.

वित्त मंत्रालय ने दिया ये आंकड़ा

वित्त मंत्रालय के द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर महीने में जीएसटी से सरकारी खजाने को 1,62,712 करोड़ रुपये मिले हैं, जो साल भर पहले यानी सितंबर 2022 की तुलना में 10 फीसदी ज्यादा है. वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जीएसटी से सरकार को अब तक 9,92,508 करोड़ रुपये मिल चुके हैं. इस तरह चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार का औसत मासिक कलेक्शन अब तक 1.65 लाख करोड़ रुपये है, जो सालाना आधार पर 11 फीसदी की ग्रोथ है.

हर महीने बढ़ रहा कलेक्शन

इससे पहले अगस्त महीने के दौरान सरकार को जीएसटी से 1,59,069 करोड़ रुपये मिले थे. यह 6 महीने में पहली बार 1.60 लाख करोड़ रुपये से कम का कलेक्शन था. उससे पहले सरकार को मार्च 2023 के बाद हर महीने 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन हो रहा था. हालांकि साल भर पहले की तुलना में देखें तो अगस्त में भी जीएसटी कलेक्शन बेहतर ही रहा था, क्योंकि अगस्त 2022 की तुलना में कलेक्शन में 11 फीसदी की तेजी आई थी.

रिकॉर्ड के साथ हुई शुरुआत

वित्त वर्ष 2023-24 जीएसटी के मामले में काफी शानदार साबित हो रहा है. इस वित्त वर्ष की शुरुआत ही नए रिकॉर्ड के साथ हुई थी, जब अप्रैल में सरकारी खजाने में 1.87 लाख करोड़ रुपये आए थे. यह साल भर पहले यानी अप्रैल 2022 की तुलना में 12 फीसदी ज्यादा तो था ही. साथ ही यह अब तक किसी भी एक महीने में जीएसटी कलेक्शन का सबसे शानदार आंकड़ा था.

इस तरह से खजाने में आया टैक्स

सितंबर महीने के दौरान सरकार को सेंट्रल जीएसटी से 29,818 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी से 37,657 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी से 83,623 करोड़ रुपये मिले. इंटीग्रेटेड जीएसटी के आंकड़े में वस्तुओं के आयात से मिले 41,145 करोड़ रुपये भी शामिल हैं. वहीं सरकार को सेस से 11,613 करोड़ रुपये मिले, जिसमें आयात के 881 करोड़ रुपये शामिल हैं. इस दौरान सरकार ने इंटीग्रेटेड जीएसटी से सेंट्रल जीएसटी और स्टेट जीएसटी में क्रमशः

33,736 करोड़ रुपये और 27,578 करोड़ रुपये को सेटल किया. इस तरह सितंबर 2023 महीने के दौरान सरकार की कुल कमाई सेंट्रल जीएसटी से 63,555 करोड़ रुपये और स्टेट जीएसटी से 65,235 करोड़ रुपये रही.

सितंबर में 2221 रुपये सस्ता हुआ सोना

चांदी में 5800 की गिरावट

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसिया) भले ही भारत में पितृ पक्ष शुरू हो गया हो, लेकिन देश के सबसे बड़े त्योहार दिवाली का काउंटडाउन शुरू हो गया है. धनतेरस को सिर्फ 40 दिन ही समय बचा है. उससे पहले ही गोल्ड की कीमत में 2200 रुपये से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है. चांदी के दाम भी क्रैश हो चुका है. विदेशी बाजारों में गोल्ड की कीमत सितंबर के महीने में 100 डॉलर प्रति ओंस से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है. जबकि सितंबर के महीने में चांदी की कीमत में 10 फीसदी गिरावट देखने को मिल चुकी है. जानकारों की मानें तो डॉलर इंडेक्स 106 के लेवल से ऊपर पहुंच चुका है. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में गोल्ड और सिल्वर के दाम में गिरावट देखने को मिल सकती है. इसका मतलब है कि सितंबर के महीने में कॉमेक्स बाजार में सिल्वर फ्यूचर 2.422 डॉलर प्रति ओंस सस्ता हो चुकी है.

क्या कहते हैं जानकार

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहा कि इस बार फेड रिजर्व ब्याज दरों में इजाफा कर सकता है. जिसकी वजह से डॉलर इंडेक्स में तेजी देखने को मिल सकती है. अनुमान है कि डॉलर इंडेक्स 108 से 110 के लेवल पर पहुंच सकता है. यही वजह है कि गोल्ड की कीमत में गिरावट देखने को मिल सकती है. अनुमान है कि गोल्ड की कीमत 55 से 56 हजार के बीच पहुंच सकते हैं.

विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 14,767 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसिया) डॉलर में मजबूती, अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) सितंबर में भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे हैं। लगातार छह माह तक लिवाली के बाद एफपीआई ने सितंबर में भारतीय शेयर बाजारों से 14,767 करोड़ रुपये की निकासी की है। क्रेविंग अल्फा के प्रबंधक-स्मॉलकेस और प्रमुख भागीदार मयंक मेहरा ने कहा, "आगे चलकर भारतीय बाजारों में एफपीआई का प्रवाह अनिश्चित रहेगा। काफी हद तक यह भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन, रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा और कंपनियों के सितंबर तिमाही के नतीजों पर निर्भर करेगा।" डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर में शुद्ध रूप से 14,767 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं।इससे पहले अगस्त में शेयरों में एफपीआई का प्रवाह चार माह के निचले स्तर 12,262 करोड़ रुपये पर आ गया था। वहीं एफपीआई मार्च से अगस्त तक लगातार छह माह भारतीय शेयरों में शुद्ध लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने 1.74 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, "डॉलर की मजबूती की वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। डॉलर सूचकांक 107 के करीब है। इसके अलावा अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल (10 साल के लिए 4.7 प्रतिशत) आकर्षक बना हुआ है, ऐसे में एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। ब्रेंट कच्चे तेल का दाम 97 डॉलर प्रति बैरल पर है। यह भी एफपीआई की बिकवाली की एक वजह है।"

इस वजह से कर रहे बिकवाली

मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक - प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, "अमेरिका और यूरो क्षेत्र में आर्थिक अनिश्चितता के अलावा वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर बढ़ती चिंता की वजह से भी एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। इन स्थितियों की वजह से एफपीआई जोखिम लेने से बच रहे हैं।" उन्होंने कहा कि इसके अलावा कच्चे तेल के ऊंचे दाम, महंगाई के आंकड़े और बढ़ती ब्याज दरें भी एफपीआई की धारणा को प्रभावित कर रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 938 करोड़ रुपये डाले हैं। इस तरह चालू कैलेंडर साल में अबतक शेयरों में एफपीआई का निवेश 1.2 लाख करोड़ रुपये रहा है। वहीं बॉन्ड बाजार में उन्होंने 29,000 करोड़ रुपये से ज्यादा डाले हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह...	05-09 बजे
चंद्र-	मेष में	कन्या..	07-16 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	09-24 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	11-38 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-25 बजे
शुक्र-	सिंह में	मकर..	15-25 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	17-13 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-45 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-34 बजे
		वृष--	21-53 बजे
		मिथुन..	00-47 बजे
		कर्क...	02-59 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 06-09 सूर्य अस्त- 18-01
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- तृतीयां - **07 -36** तक उपरान्त चतुर्थी
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष, सोमवार **02 Oct**
नक्षत्र - भरणी - **18-23** -तक उपरान्त कृत्तिका
योग - हर्षण - **10 - 28** - तक उप वज्र
करण- विष्टि - **07 -36** - तक उप- बव
विशेष:- चतुर्थी,चौथ का श्राद्ध
व्रत -त्योहार - चतुर्थी तिथी का क्षय,चौथ व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:37 से 09:06 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:09 - 07:37 शुभ	चंचल	18:01 - 19:34 शुभ
काल	07:37 - 09:06 अशुभ	रोग	19:34 - 21:04 अशुभ
शुभ	09:06 - 10:36 शुभ	काल.	21:04 - 22:35 अशुभ
रोग	10:36 - 12:05 अशुभ	लाभ	22:35 - 00:06 शुभ
उत्पात	12:05 - 13:35 अशुभ	उत्पात	00:06 - 01:36 अशुभ
चंचल	13:35 - 15:04 शुभ	शुभ	01:36 - 03:07 शुभ
लाभ	15:04 - 16:34 शुभ	अमृत.	03:07 - 04:37 शुभ
अमृत	16:34 - 18:01 शुभ	चंचल.	04:37 - 06:09 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

कुछ दिलचस्प पढ़कर मानसिक व्यायाम करें। कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है, जिसके कारण आपको अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं और अच्छी खासी रकम भी खर्च होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ सुकून भरे पल बिताएँ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

कुछ अपरिहार्य परिस्थितियाँ आपको थोड़ी बेचैनी दे सकती हैं। लेकिन आपको अपना संतुलन बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। आज कोई लेनदार आपसे मिलने आ सकता है और आपसे अपना कर्ज चुकाने के लिए कह सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

तनाव से छुटकारा पाने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। जो व्यापारी काम के सिलसिले में घर से बाहर निकल रहे हैं उन्हें आज अपना पैसा सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए, चोरी होने की आशंका है। आपका कोई करीबी बेहद अप्रत्याशित मूड में होगा। झूठ न बोलें क्योंकि इससे आपका प्रेम संबंध ख़राब हो सकता है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

जब आप किसी पेचीदा स्थिति का सामना करें तो परेशान न हों। जिस प्रकार भोजन का स्वाद नमक के कारण होता है, उसी प्रकार कुछ दुःख भी आवश्यक हैं, तभी आपको ख़ुशी के मूल्य का एहसास होता है। अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक समारोह में भाग लें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

मोतियाबिंद के रोगियों को प्रदूषित वातावरण में जाने से बचना चाहिए क्योंकि धूम्रपान से आपकी आँखों को और अधिक नुकसान हो सकता है। यदि संभव हो तो धूप के अधिक संपर्क में आने से बचें। इस राशि के कुछ जातकों को आज अपने बच्चों के माध्यम से आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

कुछ अपरिहार्य मेहमानों से मिलते समय अपनी भावनाओं को नियंत्रण में रखने का प्रयास करें। समय की मांग आत्म-नियंत्रण है-जो आपके चरित्र का सार है। बेवजह तनाव लेने की जरूरत नहीं है, मुलाकात आपके लिए फायदेमंद रहेगी। आज आप पैसे जमा करने और बचाने का हुनर सीख सकते हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

असीम ऊर्जा और उत्साह आप पर हावी रहेगा और आप किसी भी अवसर का उपयोग अपने लाभ के लिए करेंगे। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, जिसके कारण आपको स्थिति का ध्यान रखना होगा और काफी धन भी खर्च करना पड़ेगा। बच्चों के प्रति आपका कठोर व्यवहार उन्हें परेशान करेगा।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

गुस्से के कारण बहस और टकराव हो सकता है। अधिक ख़र्च करने और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं से बचें। माता-पिता और दोस्त आपको खुश रखने की पूरी कोशिश करेंगे। कोई खास दोस्त आपके आंसू पोछ सकता है। यात्रा से आपके व्यावसायिक संपर्क बेहतर होने की संभावना है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

खासकर क्रॉसिंग पर सावधानी से गाड़ी चलाएं। संयुक्त उद्यमों और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं में निवेश न करें। पारिवारिक तनाव के कारण आपका ध्यान भटकने न पाए। बुरा समय हमें और भी बहुत कुछ देता है। रोमांटिक मामला आज खटाई में पड़ सकता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

स्वास्थ्य अच्छा रहता है. आज आप अपने परिवार के वरिष्ठों से वित्त प्रबंधन और बचत के बारे में सलाह ले सकते हैं और उसे अपने दैनिक जीवन में इस्तेमाल कर सकते हैं। अपनी राय दूसरों पर न थोपें- विवादों से बचने के लिए आपको दूसरों की बातों को सुनना चाहिए। आज अपने प्रिय के साथ शालीनता से व्यवहार करें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

दाँत का दर्द या पेट की खराबी आपके लिए कुछ परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत राहत पाने के लिए डॉक्टर की सलाह लें। अगर आपको लगता है कि आपका पैसा बिना किसी अच्छे कारण के खर्च हो रहा है तो आज आपको एक सही और प्रभावी बजट योजना बनाने की जरूरत है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप पाएंगे कि आपके आस-पास ऐसे लोग हैं जो बहुत ज्यादा मांग कर रहे हैं- जितना आप पूरा कर सकते हैं उससे ज्यादा का वादा न करें- और केवल दूसरों को खुश करने के लिए खुद पर थकान का दबाव न डालें। चूँकि आपने अतीत में बहुत ख़र्च किया है, इसलिए आपको इसका परिणाम अपने वर्तमान में भुगतना पड़ सकता है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गूगल के सुंदर पिचाई ने कहा: तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल से अकेले हो जाएंगे, खोले दिल के राज

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसिया) गूगल सर्च इंजन के 25 साल पूरे हो चुके हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के कई इंटरव्यू चर्चा में हैं। इनमें सुंदर पिचाई ने एआई और तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल पर कई बातें कही हैं। सुंदर पिचाई के मुताबिक, टेक्नोलॉजी हमलोगों की मदद के लिए है। इसपर पूरी तरह से निर्भर होना ठीक नहीं है। अगर तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल करेंगे तो अकेले हो जाएंगे। कहा कि तकनीक के अलावा भी कई चीजें हैं, जिन्हें देखने की जरूरत है। चीजों की अहमियत को समझें। खूब रिस्क लें, पढ़ाई करना भी बेहद जरूरी है। जो भी करें उसमें मजा आना चाहिए।

याद किए पुराने दिन

सुंदर पिचाई के मुताबिक, उनका बचपन बहुत सादगी से बीता है। वह उस वक्त को आज की तुलना में काफी बेहतर मानते हैं। वह जिस घर में रहते थे वो किराएदारों से भरा था। वह लिविंग रूम में फर्श पर सोते थे। पिचाई के मुताबिक, वह बचपन में काफी पढ़ते थे। जो भी उनके हाथ में आता पढ़ने लग जाते। दोस्तों के साथ क्रिकेट भी खूब खेला करते थे। उन्हें जिंदगी में किसी तरह की कमी महसूस नहीं होती थी। वह बताते हैं कि फोन के लिए कभी लंबा वेटिंग पीरियड भी उन्होंने देखा है।

मोबाइल में उलझे हुए हैं लोग

सुंदर पिचाई के मुताबिक, टेक्नोलॉजी लोगों को अकेला कर दे यह अच्छी बात नहीं है। आज जब वह लोगों को मोबाइल में उलझा हुआ देखते हैं तो ऐसा लगता है जैसे टेक्नोलॉजी ने लोगों को जबरन खुद में उलझा रखा है। पिचाई कहते हैं कि हर बात के लिए टेक्नोलॉजी का मुंह देखना ठीक नहीं है। टेक्नोलॉजी तेजी से अपने कदम बढ़ा रही है।

पानी की बोतल रखते हैं सिरहाने

आज भी सुंदर पिचाई सोते समय अपने सिरहाने पानी की बोतल रखते हैं। वह बताते हैं कि बड़े होने के दौरान उन्होंने सूखे का सामना भी करना पड़ा था। वो चिंता इस कदर मन में भर गई थी कि आज तक वह पानी की बोतल पास में रखकर सोते हैं।

रेलवे ने दिया इस कंपनी को करोड़ों रुपये का ऑर्डर रिलायंस से लेकर टाटा इसके ग्राहक, 25 पर आया शेयर

विजयवाड़ा, 1 अक्टूबर (एजेंसिया) एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर एक बार फोकस में रहने वाले हैं। कंपनी को रेलवे से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उसे तेनाली स्टेशन पर आईपी आधारित इंटिग्रेटेड यात्री सूचना सिस्टम के प्रतिस्थापन के लिए दक्षिण-मध्य रेलवे जोन के विजयवाड़ा डिवीजन से ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर कुल वैल्यू 1,56,49,618.06 रुपये का है। यह ऑर्डर अगले 12 महीनों में पूरा किया जाना है। कंपनी के शेयर 25.90 रुपये पर हैं। छह महीने में यह शेयर 111% से अधिक चढ़ गए हैं। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पिछले एक साल में अपने शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस अवधि के दौरान कंपनी के शेयर की कीमत 03 अक्टूबर, 2022 को 12.00 रुपये से बढ़कर 29 सितंबर, 2023 को 25.90 रुपये हो गई। यह एक साल में लगभग 110 प्रतिशत चढ़ा है। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स 1988 से एलईडी वीडियो डिस्प्ले, हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक और दूरसंचार उपकरण के डिजाइन, विकास और मैन्यूफैक्चरिंग और टेलीकॉम सॉफ्टवेयर के विकास में ग्लोबल प्लेयर्स में से एक है। कंपनी के कुछ प्रमुख ग्राहक एलएंडटी लिमिटेड, भारतीय रेलवे, आरबीआई, एचपी, एमटीएनएल, एसबीआई, पीएंडजी, एलआईसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा टेलीसर्विसेज, पीएंडजी, हैदराबाद रेसकोर्स, कोल इंडिया लिमिटेड, गुजरात साइंस सिटी, विजाग स्टील हैं। आईडीबीआई बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर इंडिया लिमिटेड, आंध्र प्रदेश टेक्नोलॉजी सर्विसेज और बीएसएनएल भी कंपनी के ग्राहक हैं।

जूनियर इंजीनियर से शुरुआत, 2 लाख करोड़ की कंपनी के बने मुखिया, अब संन्यास... ऐसी रही उद्यमी नाइक की यात्रा!

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसिया) भारत की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग एवं कंस्ट्रक्शन कंपनी एलएंडटी की लीडरशिप में बड़ा बदलाव हुआ है. लाखों करोड़ रुपये की इस कंपनी को दशकों से संभाल रहे एएम नाइक ने अब संन्यास ले लिया है. अब एसएन सुब्रमण्यन उनकी जगह लेने वाले हैं. इसके साथ ही न सिर्फ एलएंडटी में बल्कि भारतीय कॉरपोरेट जगत में एक प्रमुख अध्याय का समापन हो गया है. एएम नाइक का पूरा नाम अनिल कुमार मणिभाई नाइक है. उनकी गिनती आजाद भारत के इतिहास के प्रमुख उद्यमियों में की जाती है. 81 साल के नाइक अपने दशकों लंबे करियर में कई शानदार सफलताओं के साक्षी बने हैं. उनकी अगुवाई में एलएंडटी पूरी दुनिया में कंस्ट्रक्शन व इंजीनियरिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी के रूप में स्थापित हो गई. अभी जब नाइक ने अपने करियर को विराम दिया है, एलएंडटी का कारोबारी साम्राज्य 1,91,300 करोड़ रुपये का हो चुका है. एएम नाइक की यह यात्रा इस कारण भी असाधारण हो जाती है, क्योंकि उन्होंने एक बेहद आम शुरुआत की और धीरे-धीरे ऊंचाइयों पर चढ़ते चले गए. उनकी एलएंडटी के साथ यात्रा कोई नई नहीं है. अपने करीब 8 दशक के जीवन के 6 दशक उन्होंने एलएंडटी के साथ गुजारे हैं और उनमें से करीब 2 दशक तो कंपनी की अगुवाई करते हुए गुजरी है.

इस तरह से कंपनी में तरक्की

एलएंडटी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने कंपनी के साथ करियर की शुरुआत एक जूनियर इंजीनियर के रूप में साल 1965 में की थी. धीरे-धीरे वह सीढ़ी-दर-सीढ़ी ऊपर चढ़ते गए और जनरल मैनेजर से होते हुए मैनेजिंग डाइरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद तक पहुंचे. उन्हें 29 दिसंबर 2003 को एलएंडटी का चेयरमैन व मैनेजिंग डाइरेक्टर बनाया गया था. वह 2012 से 2017 तक एलएंडटी के ग्रुप एक्सीक्यूटिव चेयरमैन रहे. अक्टूबर 2017 में उन्होंने एक्सीक्यूटिव की जिम्मेदारियों से खुद को अलग कर

मूंगफली में गिरावट, अन्य सभी तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसिया) एक अक्टूबर (भाषा) बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में कारोबार का मिला-जुला रुख रहा। नयी फसल की अगले 10-15 दिन में आवक शुरू होने की संभावना के बीच एक ओर जहां मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट देखने को मिली वहीं विदेशों में तेल कीमतों में मामूली बढ़त और त्योहारी मांग निकलने से बाकी सभी तेल-तिलहन कीमतों में सुधार दर्ज हुआ। सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह केवल मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट देखने को मिली, क्योंकि आगामी 10-15 दिन के भीतर देश की मंडियों में थोड़ी बहुत मात्रा में मूंगफली की आवक शुरू हो जायेगी।

तमिलनाडु को पानी क्यों नहीं दे रहा कर्नाटक

एक राज्य में कांग्रेस सरकार, दूसरे में भी हिस्सेदार; कावेरी विवाद की पूरी कहानी

चेन्नई, 2 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। दक्षिण भारत की एक नदी है कावेरी। खेतों की प्यास बुझाती, शहरों की रगों में बहती, उद्योग-धंधों को रफ्तार देती 2 प्रमुख राज्यों कर्नाटक और तमिलनाडु से बहती है। इसका कितना पानी कौन इस्तेमाल करेगा, इसकी लड़ाई 142 सालों से चल रही है।

शुक्रवार यानी 29 सितंबर को भी कावेरी नदी के जल बंटवारे के विरोध में कर्नाटक बंद रहा। इससे 3 दिन पहले 26 सितंबर को बेंगलुरु बंद था। दरअसल, कावेरी वाटर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने कर्नाटक सरकार से 15 दिनों के लिए तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक (क्यूबिक फुट प्रति सेकेंड) पानी देने को कहा है। जिसका कर्नाटक के लोग विरोध कर रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार है और तमिलनाडु की स्टालिन सरकार के गठबंधन में भी कांग्रेस शामिल है, इसके बावजूद दोनों राज्यों के बीच पानी के विवाद का निपटारा क्यों नहीं हो पा रहा...

कावेरी नदी के जल बंटवारे का विवाद 142 साल पुराना है...

1881 में मैसूर (अब कर्नाटक) ने कावेरी नदी पर बांध बनाने का फैसला किया। इस फैसले का मद्रास प्रेसिडेंसी (अब तमिलनाडु) ने विरोध किया।

इसके बाद कावेरी जल बंटवारे को लेकर दोनों के बीच 1892 में एक समझौता हुआ। समझौते के तहत कर्नाटक को 177 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी मिलना था। केरल को 5 हजार मिलियन क्यूबिक फीट के साथ ही तमिलनाडु और पुडुचेरी को 556 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी मिलना था।

1881 में मैसूर रियासत और मद्रास प्रेसिडेंसी ने कावेरी जल बंटवारे को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। 1924 में दोनों के बीच 50 सालों के लिए निश्चित मात्रा में कावेरी का पानी आवंटित करने का समझौता हुआ। 1956 में तीन नए राज्यों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल का गठन हुआ। इसकी वजह से एक बार फिर से कावेरी जल समझौते में संशोधन जरूरी हो गया। 60 के दशक में कर्नाटक ने नए जलाशय बनाने का प्रस्ताव रखा। केंद्र ने योजना को खारिज कर दिया। इसके बाद बावजूद कर्नाटक ने चार जलाशय बनाए। 1924 का समझौता 1974 में खत्म हो गया।

इसके बाद कावेरी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई गई। इसकी फाइनल रिपोर्ट 1976 में आई जिसे सभी राज्यों ने स्वीकार कर लिया। हालांकि जब कर्नाटक ने हरंगी बांध का निर्माण शुरू किया, तो तमिलनाडु ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। दोनों राज्य एक-दूसरे को कम पानी देना चाहते थे। कर्नाटक कहता है कि वह नदी के बहाव के रास्ते में पहले पड़ता है, इसलिए पानी पर पहला हक उसका है। ऐसे में पुराने समझौते नए राज्यों के बीच लागू नहीं किए जा सकते। तमिलनाडु का कहना था कि अंग्रेजों के दौर में हुए समझौते का कर्नाटक को पालन करना चाहिए। उसे पहले जितना पानी मिलता है, मिलते रहना चाहिए। तमिलनाडु को कावेरी के पानी की ज्यादा जरूरत है। इस बीच यह विवाद चलता रहा।

कावेरी के पानी को लेकर कर्नाटक में तमिल भाषियों के खिलाफ दंगे

90 के दशक की बात है। केंद्र सरकार ने कावेरी नदी जल विवाद को हल करने के लिए 'कावेरी वाटर डिस्प्यूट ट्रिब्यूनल' बनाने की घोषणा की। 25 जून 1991 को ये ट्रिब्यूनल कर्नाटक सरकार से एक साल के अंदर तमिलनाडु को 5.8 लाख करोड़ लीटर पानी रिलीज करने को कहता है।

कर्नाटक की एस बंगरप्पा सरकार ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ विधानसभा में एक अध्यादेश लाई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया। इसके बाद केंद्र सरकार के फैसले को पक्षपातपूर्ण बताकर वतल नागराज की अगुआई में कन्नड़ समर्थक संगठनों ने 13 दिसंबर को कर्नाटक बंद का आह्वान किया। संगठन ने घोषणा की कि कावेरी कन्नडिगों की जननी है, इसलिए हम किसी और को पानी नहीं दे सकते। अगले ही दिन बेंगलुरु और मैसूरु में कन्नड़ भाषी समूहों ने तमिल भाषियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया।

तमिल व्यापारियों, मूवी थिएटरों और यहां तक कि तमिलनाडु लाइसेंस प्लेट वाले वाहनों को भी निशाना बनाया गया। बेंगलुरु में तमिलों की पूरी बस्ती में आग लगा दी गई।

भीड़ पर काबू पाने के लिए की गई पुलिस फायरिंग में 16 लोगों की मौत हो गई। इस हिंसा ने दक्षिणी कर्नाटक के तमिल भाषी लोगों में भय पैदा कर दिया। कुछ ही हफ्तों में हजारों तमिलों को पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस घटना से कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच दुश्मनी जैसी स्थिति पैदा हो गई।

कर्नाटक के सुपरस्टार राजकुमार का अपहरण और वीरप्पन की डिमांड

जुलाई 2000 की बात है। कन्नड़ फिल्मों के स्टार और फिल्मों के पहले महानायक डॉ. राजकुमार तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने पहुंचे थे। उनके साथ पत्नी पर्वतम्मा, दामाद एएस गोविंदराज और असिस्टेंट डायरेक्टर नागप्पा भी थे। 30 जुलाई को डॉ. राजकुमार दर्शन करने के बाद कर्नाटक लौट रहे थे। बीच रास्ते में ही उन्होंने कर्नाटक जाने से पहले तमिलनाडु के गजनूर स्थित अपने महलनुमा फार्महाउस में रुकने का फैसला किया। रात के 9:30 बजे भारी बारिश के बीच 9 हथियारबंद लोग बड़ी मूंछों वाले एक पतले-दुबले आदमी के साथ राजकुमार के घर में घुसते हैं।

मूंछों वाला शख्स कहता है, 'मैं वीरप्पन, सर कहां पर हैं?' वहीं 5 हथियारबंद लोग फार्महाउस के बाहर खड़े रहते हैं। वीरप्पन तब तक पूरे भारत में काफी कुख्यात हो चुका था। उस पर 2000 से अधिक हाथियों और 184 लोगों को मारने का आरोप था।

काफी नेगोशिएशन के बाद वीरप्पन ने 108 दिन बाद 15 नवंबर 2000 को सुपरस्टार राजकुमार को रिहा कर दिया। वीरप्पन ने इस दौरान राजकुमार को छोड़ने के लिए कर्नाटक सरकार के सामने दो प्रमुख डिमांड रखी थी।

पहली- कर्नाटक सरकार से राज्य में तमिल को एक एडिशनल भाषा के रूप में अपनाने और उन तमिल परिवारों को अच्छी-खासी क्षतिपूर्ति देने की मांग की, जिन्होंने कावेरी जल विवाद पर 1991 के दंगों में संपत्ति और अपने लोगों को खो दिया था। दूसरा- एक आश्वासन कि राजकुमार की रिहाई के बाद स्पेशल टास्क फोर्स वीरप्पन की तलाशी के लिए अभियान नहीं चलाएगी। यानी वीरप्पन भी कावेरी जल विवाद के जरिए अपनी इमेज सुधारना चाहता था।

2012 से कावेरी के पानी की लड़ाई दोबारा शुरू हुई...

सालों की कानूनी लड़ाई के बाद ट्रिब्यूनल ने 2007 में अपना अंतिम फैसला दिया। इसमें निचले तटीय राज्य तमिलनाडु को 41.92%, कर्नाटक को 27.36%, केरल को 12% और पुडुचेरी को 7.68% पानी आवंटित किया गया।

2012 में कर्नाटक ने सूखे की वजह से ट्रिब्यूनल के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इस दौरान बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए। तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़ने पर कर्नाटक सरकार में शामिल जेडीएस के पांच नेताओं ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।

2016 में सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को कावेरी से 10 दिन में तमिलनाडु को 6,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया। फैसले के बाद बेंगलुरु में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इस दौरान दो लोगों की जान चली गई। कर्नाटक की राजधानी में भारी पुलिस बल तैनात किया गया और हिंसा भड़काने के आरोप में 250 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के पानी के हिस्से को घटाकर 177.25 हजार मिलियन क्यूबिक फीट कर दिया। इसके बाद तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और कई राजनीतिक दलों ने कावेरी वाटर मैनेजमेंट बोर्ड यानी सीडब्ल्यूएमबी बनाने की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में केंद्र को कावेरी जल की निगरानी के लिए एक बोर्ड बनाने का निर्देश दिया। 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेन्नई दौरे के दौरान तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों ने कावेरी जल में अपना उचित हिस्सा मांगा। 2022 में कर्नाटक में कांग्रेस ने मेकेदातु में कावेरी नदी पर एक जलाशय बनाने की मांग करते हुए 'मेकेदातु मार्च' निकाला। उसी साल अगस्त में कावेरी वाटर मैनेजमेंट अथॉरिटी यानी सीडब्ल्यूएमए ने तमिलनाडु को 10,000 क्यूसेक पानी छोड़ने की घोषणा की। इस फैसले के विरोध में किसानों और कन्नड़ समर्थक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। सितंबर में स्थिति और बिगड़ गई, जब किसानों और कन्नड़ समर्थक समूहों ने कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन किया। इससे लंबे समय से चले आ रहे कावेरी जल विवाद को फिर से हवा मिली और यह राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गया। इस साल 13 सितंबर को कावेरी वाटर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने एक आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि कर्नाटक अगले 15 दिन तक तमिलनाडु को कावेरी नदी से 5 हजार क्यूसेक पानी दे। सुप्रीम कोर्ट ने भी 21 सितंबर को इस फैसले को बरकरार रखा।

कर्नाटक के किसान संगठन, कन्नड़ संस्थाएं और विपक्षी पार्टियां इसी फैसले का विरोध कर रही हैं। इसी के चलते 30 से ज्यादा किसान संगठनों, कन्नड़ संगठनों ने शुक्रवार को कर्नाटक बंद बुलाया था। इस दौरान बेंगलुरु आने-जाने वाली 44 फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। कई स्कूलों में छुट्टी की गई।

कावेरी और तमिलनाडु के बीच जल विवाद का क्या समाधान हो सकता है?

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने एक इंटरव्यू में बताया कि इस जल विवाद का सिर्फ एक समाधान रामनगर की मेकेदातु परियोजना है। दरअसल, इस परियोजना के तहत रामनगर जिले में कनकपुरा के पास एक संतुलन जलाशय का निर्माण शामिल है। उनका कहना है कि पिछले साल 400 हजार मीट्रिक क्यूबिक से ज्यादा पानी समुद्र में बहकर बर्बाद हो गया था। अगर मेकेदातु परियोजना से कनकपुरा में जलाशय में ये पानी सुरक्षित रखा जाता है तो दोनों राज्यों के बीच पानी विवाद सुलझ जाएगा।

पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा ने 25 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बिना इस विवाद का समाधान नहीं हो सकता है। केंद्र को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर एक 5 सदस्यीय एक्सपर्ट पैनल बनाने की मांग करनी चाहिए। ताकि ये पैनल कावेरी नदी के पानी का उचित बंटवारा करने को लेकर सुझाव दे। उन्होंने कहा कि इस पैनल में सभी लोगों का इंडिपेंडेंट होना जरूरी है। कावेरी नदी में पिछले 100 सालों में अभी सबसे कम पानी है। ऐसे में अभी के हिसाब से ही पानी का बंटवारा होना चाहिए।

ओआरएफ के रिसर्चर रुचभ राय के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट की अनुमति प्राप्त स्वायत्त बोर्ड का गठन जरूरी है ताकि राज्यों के बीच होने वाले जल विवादों को बिना राजनीतिक दबाव के हल करने के लिए निष्पक्ष, भरोसेमंद और समयबद्ध सिफारिशें लागू की जा सकें, लेकिन बिना विशेषज्ञों के सुझावों के ऐसा करना पर्याप्त नहीं होगा।

रितेश्वर महाराज बोले- छत्तीसगढ़ में हो शराबबंदी

रायपुर में कहा- शराब के टैक्स के बल पर चलने वाली सरकारों को लज्जा आनी चाहिए

रायपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। वृंदावन आनंद धाम के प्रमुख रितेश्वर महाराज रायपुर पहुंचे। उन्होंने शराबबंदी नशाखोरी को लेकर बड़ी बातें कहीं। सख्त अंदाज में प्रदेश और देश की सरकार को कुछ हिदायतें भी दीं। उन्होंने कहा की छत्तीसगढ़ पंजाब की तरह नशे की ओर बढ़ता जा रहा है। लाखों घर टूट रहे है। जो सरकारें शराब के टैक्स से चलती हैं उन्हें लज्जा आनी चाहिए।

देश में किसी भी दल की सरकार हो अगर वह शराब और नशे के टैक्स से चलती हो उसका मंगल नहीं हो सकता। उन्होंने सरकार से अपील की है छत्तीसगढ़ राज्य में शराबबंदी की जाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि, गांव -गांव में नशा बढ़ता जा रहा है। अगर सरकार इस पर रोक नहीं लगाएगी तो लूटपाट, हत्या और बलात्कार की घटनाएं बढ़ेंगी। इसे नहीं रोका गया तो प्रदेश में अराजकता बढ़ेगी। रितेश्वर महाराज ने कहा- धर्म परिवर्तन के प्रभाव देश में अच्छे नहीं रहे हैं। मणिपुर इसका उदाहरण है। धर्मांतरण की अपेक्षा अगर हम सबके विकास की चर्चा करें, उनके लिए दाल रोटी और मकान की व्यवस्था करें तो अच्छा होगा। मानवता के प्रति मेरा दृष्टिकोण सच्चा है तो मैं देखूंगा कि कौन भूखा है, ये नहीं देखूंगा कि उसकी वर्ण व्यवस्था या उसकी जाति क्या है। धर्मांतरण का समर्थन कोई सनातनी या धार्मिक व्यक्ति नहीं कर सकता, इससे जटिलताएं बढ़ेंगी।

रितेश्वर महाराज ने कहा- सनातन एक संस्कृति है और भारत में रहने वाला हर व्यक्ति सनातनी है।

सबके पूर्वज भी वही हैं। 145 करोड़ सनातनियों के लिए यहां मुगलों के शिक्षा व्यवस्था की जरूरत नहीं है। हमारी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था रही है। नासा में 30% वैज्ञानिक भारतीय हैं। हम अपनी शिक्षा व्यवस्था से पढ़ेंगे अंग्रेजों और मुगलों की शिक्षा व्यवस्था से हम नहीं पढ़ेंगे। सनातनी शिक्षा बोर्ड बनाना चाहिए, स्कूलों में इसकी शिक्षा देनी चाहिए।

रितेश्वर महाराज ने हिंदू राष्ट्र के मसले पर कहा- सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदुत्व एक जीवन पद्धति है। मैं राम राज्य की परिकल्पना करता हूं, मैं हिंदू राष्ट्र से अलग नहीं हूं। लेकिन यह शब्दों का हेर-फेर है। हिंदू तो रावण भी था, क्या वैसा राष्ट्र बनाना चाहते हैं, या कंस की तरह? मैं चाहता हूं राम की तरह राज्य हो। भगवान कृष्ण की तरह राज्य हो जहां भगवान कृष्ण अपने नेत्रों के जल से सुदामा के पैर धोते हैं। भगवान राम का राज्य आए जहां शबरी और निषाद राज को भगवान गले लगाते हैं।

रितेश्वर महाराज ने ये भी बताया कि भारत में राम राज्य कैसे आएगा। उन्होंने मीडिया के सवाल के जवाब में कहा- मैं राम राज्य की परिकल्पना करता हूं। राम राज्य की तीन परिभाषा है, यह पूरे भारत की जरूरत भी है। तीन बातों पर ये आधारित है। निशुल्क और उत्तम शिक्षा, चिकित्सा और अविलंब न्याय। ये तीन चीजें जिस राष्ट्र में होंगी वही राम राज्य होगा, स्विट्जरलैंड में अगर यह हो गया तो वहां राम राज्य आ जाएगा, भारत देखता रह जाएगा।

महाराज ने कहा सत्य धारण करने की क्षमता जिसमें है वही धर्म है। क्या राजनीति सत्य और झूठ से चलनी चाहिए या फिर कपट और धर्म से चलनी चाहिए। धर्म का अर्थ रिलिजन नहीं होता, तिलक और दाढ़ी नहीं होते। धर्म का अर्थ होता है कि एक मनुष्य, मनुष्य के रूप में विकसित हो और मनुष्यता से देवत्व की ओर जाए, उसके भीतर सद्गुणों का विकास हो और जब धर्म की सच्ची परिभाषा आप जानेंगे तो आप भी कहेंगे की क्यों भारत धर्मनिरपेक्ष बनकर रह गया है।

छग में सर्व आदिवासी समाज ने बनाई 'हमर राज पार्टी'

अरविंद नेताम बोले- 50 सीटों पर उतारेंगे प्रत्याशी, आदिवासियों हित में करेंगे काम

रायपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज ने 'हमर राज पार्टी' की घोषणा की है। रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर समाज के पदाधिकारियों ने अपना राजनीतिक दल बनाने का ऐलान किया। पार्टी के प्रमुख अरविंद नेताम ने बताया कि वह प्रदेश के 50 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेंगे।

अरविंद नेताम ने कहा कि 'हमार राज पार्टी' का भारतीय निर्वाचन आयोग में पंजीयन हो गया है। जिसका अध्यक्ष अकबर राम कोर्राम को बनाया गया है। कार्यकारी अध्यक्ष बीएस रावते को बनाया गया है। पार्टी के महासचिव विनोद नागवंशी और महेश रावटे कोषाध्यक्ष रहेंगे। हमर राज पार्टी सर्व आदिवासी समाज के अंदर ही रहेगी।

क्यों बनानी पड़ नई पार्टी

पूर्व केंद्रीय मंत्री और पार्टी प्रमुख अरविन्द नेताम ने कहा कि लंबे समय से सर्व आदिवासी समाज अपने समाज की मांगों को लेकर आंदोलन कर रहा है, लेकिन अब तक समाज की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया।

छत्तीसगढ़ में संवैधानिक प्रावधान के तहत आदिवासी समाज को 32% आरक्षण नहीं मिला है। हमारे समाज की प्रमुख मांगें थी जिसके लिए किसी भी सरकार ने काम नहीं किया। इसलिए हमने नई पार्टी बनाई है।

इस बार त्रिकोणी मुकाबला देखने को मिलेगा

बस्तर संभाग की सभी 12 विधानसभा सीटों पर हमारे प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा अन्य समुदाय के लोगों के भी पार्टी में शामिल होने की बात कही जा रही है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा।

20 साल में किसी सरकार ने वादा पूरा नहीं किया

नेताम ने कहा कि पिछले 77 सालों से आदिवासियों का शोषण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में 20 सालों में सरकार ने आदिवासी समाज का वादा पूरा नहीं किया। लंबे समय तक आंदोलन कर हमने समाज की लड़ाई लड़ी। अब राजनीतिक रूप से बनाई गई हमर राज पार्टी समाज हित में काम करेगी।

छत्तीसगढ़ में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अब सर्व आदिवासी समाज का पैनल बनकर तैयार हो गया है। आदिवासी समाज ने इस पैनल को 'हमर राज पार्टी' नाम दिया है। प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों में से 50 सीटों पर आदिवासी समाज अपने प्रत्याशी उतारेगा। इस पार्टी के सुप्रीमो और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने जगदलपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान इसकी जानकारी दी।

'अपने किए का परिणाम भुगतने को तैयार रहें'

सीएम के अवैध खनन पट्टा मामले पर राज्यपाल राधाकृष्णन

रांची, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राधाकृष्णन ने राज्य में संगठित अपराध और नक्सलवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही, आपराधिक गिरोहों के जेल से काम करने और नक्सलियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों की हत्या किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने खनन पट्टा मामले का जिक्र करते हुए रविवार को कहा कि अपने किए का परिणाम हर किसी को भुगतना पड़ता है।

राधाकृष्णन ने राज्य में संगठित अपराध और नक्सलवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही, आपराधिक गिरोहों के जेल से काम करने और नक्सलियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों की हत्या किए जाने पर कड़ी नाराजगी

जताई। उन्होंने जेलों से आपराधिक गतिविधियों और नक्सलियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों की हत्या को 'चिंताजनक' बताया।

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े अवैध खनन मामले पर कहा कि यह मुद्दा गंभीर है। इस पर जल्दबाजी में कुछ भी नहीं कह सकते। उन्होंने आगे कहा कि किसी को भी अपने कामों के लिए परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

अध्यक्ष द्वारा पक्षपातपूर्ण भूमिका के आरोपों से इनकार करते हुए राधाकृष्णन ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'मैं संविधान के संरक्षक के रूप में, झारखंड में एससी/एसटी, ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को नौकरियों में 77 प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव वाले विधेयक को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोटा पर 50 प्रतिशत की सीमा के दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं कर सकता।'

उन्होंने कहा, 'कानून व्यवस्था की स्थिति का अध्ययन केवल आंकड़ों के माध्यम से नहीं किया जा सकता है। हमें अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। कोई जेल से तो कोई विदेश से काम कर रहा है। इस पर सरकार को बोलने की जरूरत है। हम सरकार से अनुरोध करेंगे कि वह इस मुद्दे पर बोलें।' राधाकृष्णन ने यह भी कहा, 'मैं बार-बार सरकार से कह रहा हूं कि नक्सलियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। अगर आप चाहें तो मैं केंद्रीय खुफिया विभाग से सारी जानकारी हासिल कर लूंगा ताकि हम झारखंड में इस लाल आतंकवाद को कुचल सकें। मेरे कार्यभार संभालने के बाद हमने पहले ही तीन कर्मियों को खो दिया है। यह बहुत दर्दनाक और चिंताजनक है।'

राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने विद्रोहियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों की हत्या के बारे में मुख्यमंत्री से बात की है। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि उन्होंने पुलिस बल को कोई भी कार्रवाई करने की पूरी स्वतंत्रता दी है। मैंने अपने मुख्य सचिव को बुलाया है, खासकर नक्सल गतिविधियों के लिए। हर जगह से सभी नक्सली पश्चिमी सिंहभूम जिले की ओर बढ़ रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि 24 में से लगभग 22 जिले नक्सल मुक्त हैं। उनके हमलों का कोई मतलब नहीं है। वे अब रोटी के लिए नहीं लड़ रहे हैं। इस देश में भूख से कोई मौत नहीं हुई है।

झारखंड में 6 अक्टूबर तक वर्षा का पूर्वानुमान

गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम में भारी बारिश के आसार, गर्जन और वज्रपात की संभावना

रांची, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। शुरू हुई बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी है। रविवार की सुबह से ही बारिश हो रही है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि छह अक्टूबर तक जम कर बारिश होगी। विभाग ने कई जिलों के लिए येलो और कई जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम में भारी बारिश के आसार हैं। यहां गर्जन और वज्रपात की संभावना बतायी गयी है। वहीं मौसम विभाग की माने तो इस बारिश से राज्य के तापमान में चार से पांच डिग्री तक गिरावट की संभावना है।

आज चार जिले में भारी बारिश

रांची, रामगढ़, साहिबगंज, धनबाद, बोकारो, सराइकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी

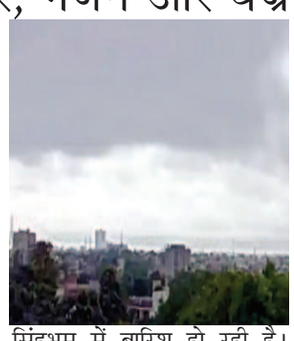

सिंहभूम में बारिश हो रही है। आज गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम जिले में तेज बारिश का अलर्ट है। इन जिलों के लिए विभाग ने आरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में दोनों तक भारी वर्षा के साथ-साथ गर्जन और वज्रपात की संभावना है। इसके अतिरिक्त गढ़वा और पलामू में गर्जन के साथ वर्षा संभावित है। इस दौरान वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। चतरा, हजारीबाग और लातेहार जिले में भी गर्जन के साथ वर्षा की संभावना है।

कल भी कई जिलों में होगी तेज बारिश

रांची स्थित मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ अभिषेक आनंद के मुताबिक देवघर और कोडरमा में हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा हो सकती है।

अगले दो दिनों में तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस गिरावट की संभावना है। दो अक्टूबर को भारी वर्षा की संभावना है। इसके बाद तीन अक्टूबर से छह अक्टूबर तक हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। इसके साथ-साथ वज्रपात भी हो सकती है। मौसम विभाग ने जारी चेतावनी में कहा है कि अलर्ट दिनों तक मौसम खराब होने पर खेतों में जाने से किसानों को बचना चाहिए।

लंदन में भारतीय मूल के सिख की कार पर हमला

खालिस्तान समर्थकों की ओर से मिल रहीं थीं धमकियां

लंदन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड में एक खालिस्तान विरोधी सिख की कार पर चरमपंथियों ने शनिवार को हमला कर दिया। इससे पहले पीड़ित को लम्बे समय से धमकियां मिल रहीं थीं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड में रेस्तरां चलाने वाला पीड़ित सिख खालिस्तानियों के खिलाफ काफी मुखर था, जिससे पहले भी इसे जान से मारने की धमकियां मिल चुकी थीं। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित व्यक्ति का नाम हरमन सिंह है। इस बात की जानकरी खुद को ब्रिटिश हिंदुओं और भारतीयों का एक सामाजिक आंदोलन बताने वाले इनसाइटुक ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो पोस्ट कर दी।

पोस्ट में दावा किया गया कि कुछ अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर हरमन सिंह कपूर की कार पर गोलियां चलाईं। साथ ही कथित खालिस्तान समर्थकों की तरफ से उनके परिवार को भी लगातार हिंसा और बलात्कार की धमकियां दी जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हरमन सिंह ने खुद दावा किया कि पिछले आठ महीनों में उन पर चार बार हमला हो चुका है। ताजा घटना के बारे में उन्होंने बताया कि उनकी कारें सामने के लॉन में खड़ी थीं। तभी कुछ लोग गालियां देते हुए आये और उन्होंने तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी। गाड़ियों को नुकसान पहुंचाने के बाद उन्होंने दोनों कारों के सामने लाल रंग छिड़क दिया। दरअसल, वे ऐसा कर जान से मारने की धमकी देना चाहते थे।

जयशंकर ने भारत-अमेरिका संबंधों की चंद्रयान से की तुलना

कहा-चांद के भी पार पहुंचेगी दोनों देशों की दोस्ती

वाशिंगटन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका के संबंध पीएम मोदी की यूएसए यात्रा के बाद लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका के संबंध अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें एक अलग स्तर तक लेकर जाएगी। जयशंकर ने कहा कि ये द्विपक्षीय संबंध चंद्रयान की तरह चांद पर और उससे भी परे पहुंचेंगे। भारतीय दूतावास द्वारा शनिवार को यहां आयोजित 'सेलिब्रेटिंग कलर्स ऑफ फ्रेंडशिप' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से 'इंडिया हाउस' में एकत्र हुए सैकड़ों भारतीय-अमेरिकियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, ''आज एक स्पष्ट संदेश है कि हमारा रिश्ता अब तक के उच्चतम स्तर पर है, लेकिन जैसा कि अमेरिका में कहा जाता है कि आपने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है, हम इन संबंधों को एक अलग स्तर, एक अलग जगह ले जाने वाले हैं। जयशंकर ने कहा कि जी20 की सफलता अमेरिका के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकती थी। उन्होंने कहा, ''जब चीजें अच्छी होती हैं, तो हमेशा मेजबान को इसका श्रेय मिलता है। यह उचित भी है, लेकिन यदि जी20 के सभी सदस्य देश इस आयोजन की सफलता के लिए काम नहीं करते, तो यह संभव नहीं था।'' जयशंकर ने भारतीय-अमेरिकियों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, ''मैं आज इस देश में हूं, खासकर इसलिए मुझे यह कहना चाहिए कि जी20 को सफल बनाने के लिए जो योगदान, जो सहयोग और समझ हमें अमेरिका से मिली, उसकी मैं वाशिंगटन डीसी में सार्वजनिक तौर पर सराहना करना चाहूंगा।'' उन्होंने कहा, ''तो, शाब्दिक रूप से यह हमारी सफलता हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह जी20 (राष्ट्रों) की सफलता थी। मेरे लिए, यह भारत-अमेरिका साझेदारी की भी सफलता थी।

चंद्रयान की तरह चांद के पार पहुंचेगी दोस्ती

जयशंकर ने कहाकि मैं आपसे वादा कर सकता हूं कि ये संबंध चंद्रयान की तरह चंद्रमा तक, शायद उससे भी आगे तक जाएंगे।'' जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच मानवीय संबंध इस द्विपक्षीय संबंध को और अनूठा बनाते हैं। ''देश एक-दूसरे के साथ व्यापार करते हैं।

देश एक-दूसरे के साथ राजनीति करते हैं। उनके बीच सैन्य संबंध होते हैं, वे अभ्यास करते हैं और उनके बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता है, लेकिन जब दो देशों के बीच गहरे मानवीय संबंध हों, तो यह पूरी तरह से अलग स्थिति होती है। हमारे संबंधों की यही आज अहम विशेषता है।'' जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों के निर्माण में प्रवासी भारतीयों का अत्यधिक योगदान है। उन्होंने कहा, ''इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। इसी आधार के सहारे हम आगे देख रहे हैं। क्षितिज पर नयी आशा देख रहे हैं।

कूल्हे की सर्जरी के बाद राष्ट्रपति लूला की हालत स्थिर

मंगलवार तक अस्पताल से मिल जाएगी छुट्टी

ब्रासलिया, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के कूल्हे की सर्जरी सफल रही। डॉक्टरों ने बताया कि उनके कूल्हे की सर्जरी के बाद उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि शनिवार सुबह फिजियोथेरेपी शुरू हुई थी। मेडिकल बुलेटिन में बताया गया कि डॉक्टरों ने शुक्रवार को राष्ट्रपति लूला के कूल्हे की सफल सर्जरी की। बताया गया कि इसमें किसी तरह की परेशानी नहीं आई। अस्पताल ने बताया कि राष्ट्रपति लूला को मंगलवार से पहले छुट्टी मिल सकती है। डॉक्टरों ने कहा कि शुरुआत में उन्हें चलने-फिरने में थोड़ी परेशानी हो सकती है और उन्हें वॉकर की जरूरत पड़ेगी। हालांकि, राष्ट्रपति ने कहा कि वह ठीक हैं और वह कभी वॉकर के साथ नहीं दिखेंगे। बता दें कि इस सर्जरी का प्रभाव उनकी विदेश यात्रा पर पड़ेगा। उन्हें कई यात्राएं रोकनी होंगी, क्योंकि इससे उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। हालांकि, वह सामान्य रूप से काम करने में सक्षम होंगे, लेकिन उन्हें को कम से कम चार सप्ताह तक आराम की जरूरत होगी। राष्ट्रपति लूला को नवंबर के अंतर में दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में शामिल होने के लिए जाना है। इससे पहले कोशिश होगी कि वह पूरी तरह से ठीक हो जाए। यह कार्यक्रम उनके लिए काफी महत्वपूर्ण है।

भारत के भगोड़े दाऊद इब्राहिम को

पाक ने बनाया आईएसआई का अतिरिक्त महानिदेशक

इस्लामाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ एक बड़ी साजिश को अंजाम देते हुए पाकिस्तान का एक और नया कारनामा सामने आ रहा है। जानकारी के मुताबिक 1993 मुंबई बम ब्लॉस्ट के मुख्य आरोप और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम कासकर को पाकिस्तान ने खुफिया एजेंसी आईएसआई का अतिरिक्त महानिदेशक बनाया है। समाचार वेबसाइट फ्री प्रेस जर्नल की खबर के अनुसार पाकिस्तान ने दाऊद को पिछले कई दशकों से आईएसआई के लिए किये जा रहे उसके कारनामें का इनाम दिया है।

दाऊद 80 के दशक के आखिर में आईएसआई की मदद से भारत से फरार होकर दुबई पहुंचा था, जहां से भारत में अपने आतंकी नेटवर्क ऑपरेट करता था और 12 मार्च 1993 को दाउद ने आईएसआई की मदद से टाइगर मेमन के साथ मिलकर मुंबई में बम धमाके कराये थे। 1993 मुंबई धमाके के आईएसआई ने दाऊद का ठिकाना दुबई से कराची ट्रांसफर करा दिया। जहां उसे बाकायदा पाक आर्मी की सुरक्षा दी गई और तभी से दाऊद पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश कर रहा है। अल कायदा, ओसामा बिन लादेन और तालिबान से नाम जुड़ने के बाद संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने दाऊद को ग्लोबल आतंकी घोषित किया था। दाऊद का मुख्य काम पुरी दुनिया में नशीली दवाओं की तस्करी करना है और इसके मुनाफे में वह बड़ा हिस्सा आईएसआई के आकाओं को देता है और साथ ही पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों को भी दाउद कंपनी से पैसा जाता है। अमेरिकी प्रशासन की माने तो दाऊद ने पिछले दो दशकों में अल-कायदा और उसके अन्य समूहों में अपनी पैठ बनाने के लिए खुद को भारत का सबसे बड़ा डॉन बताया है। दाऊद ने दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के अपने नशीले कारोबार के सिंडिकेट में पाकिस्तान में मारे गये आतंकी ओसामा बिन लादेन और उसके आतंकवादी नेटवर्क के साथ मदद ली थी। जानकारी के मुताबिक 90 के दशक के आखिर में दाऊद ने तालिबान के संरक्षण में अफगानिस्तान की यात्रा भी की थी।

खबरों के अनुसार दाऊद भारत के खिलाफ सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा है और इसमें आईएसआई उसकी मदद कर रहा है। वहीं उसके सबसे खास गुर्गे छोटा शकील की बात करें तो वह अब रियल एस्टेट, बॉलीवुड सहित अन्य क्षेत्रों में दाऊद के काले कारोबार को संभालता है। वहीं दाऊद का भाई अनीस इब्राहिम खाड़ी और मध्य पूर्व में फैले उसके धंधे को देखता है। माना जाता है कि आज भी मुंबई, अहमदाबाद और अन्य शहरों में दाऊद का नेटवर्क बरकरार है और वह आईएसआई को भारत के विभिन्न जगहों में जासूसी गतिविधियों को संचालित करने में मदद करता है।

एसओएल में यूजी दाखिले का बना रिकॉर्ड, 20 अक्टूबर तक बढ़ी दाखिला की तारीख

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में इस बार स्नातक कोर्सेज में दाखिले का रिकॉर्ड बन गया है। इस बार स्नातक स्तर पर ही शनिवार तक 1 लाख 32 हजार 449 दाखिले हो गए हैं। जबकि शनिवार को ही दाखिले की तिथि को बढ़ाकर 20 अक्टूबर तक कर दिया गया है। ऐसे में दाखिले का आंकड़ा 1.75 लाख तक पहुंच सकता है। एसओएल में औसतन हर साल 1.20 लाख से 1.25 लाख तक दाखिले होते रहे हैं। बीते साल यूजी-पीजी मिलाकर 1.18 लाख दाखिले हुए थे। एसओल में दाखिला प्रक्रिया 14 जून से शुरु हुई थी। करीब साढ़े तीन महीने की दाखिला प्रक्रिया के दौरान छात्रों से अच्छा रिस्पांस मिला है। कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो पायल मागो ने बताया कि 30 सितंबर तक हमारे स्नातक कोर्सेज में ही 1 लाख 78, 342 पंजीकरण हो चुके हैं।

पाकिस्तान में हाफिज सईद के बेटे के हत्या की खबर

4 दिन से है लापता, आईएसआई भी ढूंढने में नाकामयाब

इस्लामाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में हाफिज सईद के बेटे कमालुद्दीन सईद के कत्ल की खबर है। आपको बता दें कि पिछले 26 सितंबर से हाफिज सईद का बेटा लापता है। रिपोर्ट के मुताबिक कमालुद्दीन सईद का पेशावर में कार में आए बदमाशों ने अपहरण कर लिया था। उसे ढूंढने की कोशिश हो रही हैं, लेकिन पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भी उसे नहीं ढूंढ पा रही है। हाफिज के बेटे को कौन ले गया और कहां ले गया कोई खबर नहीं है। इस वजह से हिंदुस्तान को आतंक के अनगिनत जख्म देने वाला आतंकी हाफिज सईद तभी से आंसू बहा रहा है। वो हमेशा से भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम करता था। हाफिज सईद मुंबई में हुए 26/11 आतंकवादी हमलों का मास्टरमाइंड है। वो इस्लामी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का भी सह-संस्थापक है।

डेड बॉडी मिलने की खबर

हाफिज सईद के इस्लामी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) को दुनिया के कई देशों ने आतंकी संगठन कर चुका है, जिसमें भारत, अमेरिका, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया और रूस शामिल है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी एलईटी को आतंकी संगठन मानता है। हाफिज सईद के बेटे के बारे में कुछ सोशल मीडिया हैंडल पर दावा किया जा रहा है कि कमालुद्दीन सईद के डेड बॉडी जब्बा घाटी इलाके में मिला है।

मुंबई हमले का मास्टरमाइंड

हाफिज सईद मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। 26 नवंबर 2008 को हुए इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों समेत 166 लोग मारे गए थे।।जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। मारे गए लोगों में कई देशों के नागरिक शामिल थे। इसके साथ ही हाफिज सईद आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा का सरगना भी है। हाफिज पर अमेरिका ने 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम रखा है।

हाफिज दहशतगर्दी की फैक्ट्री चलाता है

हाफिज जमात उद दावा की आड़ में हाफिज दहशतगर्दी की फैक्ट्री चलाता है। लाहौर से बमुश्किल 50 किलोमीटर के फासले पर मुरीदके नाम का शहर पड़ता है। इस शहर को 1910 में अंग्रेजों ने बसाया था।इसी शहर के बीचों बीच हाफिज सईद की आतंक की फैक्ट्री चलती है। मुरीदके में हाफिज सईद के संगठन जमात उद दावा का हेडक्वार्टर है।

आतंकी हमले रोकने में नाकाम, पाक अब भारत को कर रहा बदनाम

बलूचिस्तान, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बलूचिस्तान में आतंकियों ने एक झटके में कम से कम 60 लोगों की जान ले ली। लोग मिलाद-ए-नबी का जश्न मना रहे थे। जुलूस निकाल रहे थे, तभी मस्तुंग इलाके में बड़ा आत्मघाती हमला हुआ। बलूचिस्तान प्रांत काफी अशांत है और यहां आए दिन हमले होते हैं। आमतौर पर इसके पीछे लिबरेशन आर्मी या स्थानीय तालिबान का हाथ होता है। हमले रोक पाने में नाकाम पाकिस्तान ने इस बार हमले की आड़ में भारत को बदनाम करने की कोशिश की है। कनाडा जिस तरह खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर भारत का नाम खराब करने की कोशिश कर रहा है, ठीक उसी तरह दुश्मन पाकिस्तान ने भी अपनी जुबान चलानी शुरू कर दी है। बलूचिस्तान के मस्तुंग में हंगू इलाके में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा थे। वे मस्जिद के पास ईद-ए-मिलाद का जश्न मना रहे थे। इसी वक्त आत्मघाती हमला हुआ और एक झटके में दर्जनों लोगों की जान चली गई। ऐसा पहली बार नहीं है जब हमले के लिए पाकिस्तान ने सीधे तौर भारत को जिम्मेदार ठहराया है। पाकिस्तान में जब से आर्थिक हालात बिगड़े हैं, तब से दर्जनों घातक आतंकी हमले देखे गए हैं।

बलूचिस्तान में लिबरेशन आर्मी तो खैबर पख्तूनवा और अन्य इलाकों में तालिबान पाकिस्तान और आईएसआई के स्थानीय संगठन हमलों को अंजाम देते हैं। पाकिस्तान आर्मी भी इन आतंकियों को रोक पाने में नाकाम है, जहां पुलिस स्टेशन तक पर आतंकी कब्जा कर लेते हैं। लिबरेशन आर्मी के निशाने पर पाकिस्तान सरकार समर्थक होते हैं तो तालिबान के निशाने पर पुलिस और आम लोगों होते हैं।

375 वर्षों बाद खोजा गया दुनिया का आठवां महाद्वीप

अधिकतर हिस्सा पानी में; कितना बड़ा भू-भाग

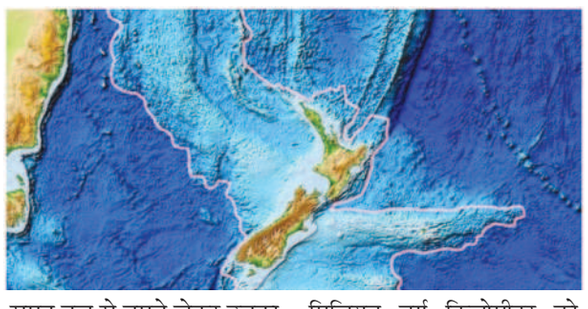

जीलैंडिया, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। करीब 375 वर्षों से गायब एक महाद्वीप का हाल ही में वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है। इस महाद्वीप को जीलैंडिया कहा जाता है। यह अधिकतर पानी के नीचे है। हालांकि, इसमें न्यूजीलैंड के समान द्वीपों का एक समूह शामिल है।

54.2 करोड़ वर्ष पहले अस्तित्व में था

बता दें, जीलैंडिया मूल रूप से प्राचीन महाद्वीप गोंडवाना का हिस्सा था, जो करीब एक अरब से 54.2 करोड़ वर्ष पहले अस्तित्व में था। जीलैंडिया पर सदियों से किसी का ध्यान नहीं गया था। अब भूवैज्ञानिकों ने इसका पता लगा लिया और इसका नक्शा बनाया। उन्होंने समुद्र तल से नमूने लेकर उनका अध्ययन किया और आंकड़े जुटाए। इस अध्ययन को टेक्टोनिक्स पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

छह गुना बड़ा

रिपोर्ट के अनुसार, जीलैंडिया एक विशाल महाद्वीप है, जो मेडागास्कर के आकार से लगभग छह गुना बड़ा है, जो 1.89 मिलियन वर्ग मील या 4.9 मिलियन वर्ग किलोमीटर को कवर करता है। यह खोजा गया आठवां महाद्वीप है। यह सबसे छोटा और पतला भी है। न्यूजीलैंड क्राउन रिसर्च इंस्टीट्यूट जीएनएस साइंस के एंडी टुलोक ने कहा कि इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसे किसी चीज को स्पष्ट सामने लाने में समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि जीलैंडिया वैज्ञानिकों के लिए अध्ययन करने के लिए एक चुनौतीपूर्ण विषय रहा है।

कैसे की गई खोज

भूवैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में समुद्र तल से एकत्रित किये गए चट्टानों के नमूनों का उपयोग किया। इससे उन्हें इस महाद्वीप के संरचना और आकार का पता लगाने में मदद मिली। इसकी खोज में लगे भूवैज्ञानिकों ने पश्चिमी अंटार्कटिका में जियोलॉजिकल पैटर्न की स्टडी कर इस महाद्वीप के बारें में जानकारी दी है। साथ ही वैज्ञानिकों ने न्यूजीलैंड के पश्चिमी तट के पास कैंपबेल पठार के नजदीक सबडक्शन की संभावना जताई है। सबडक्शन वह प्रक्रिया है जब एक समुद्री प्लेट एक महाद्वीपीय प्लेट से टकराती है।

कुराली फैक्टरी अग्निकांडः रणवीर बोला

पत्नी जलकर मर गई, जिंदा होती तो घर आ जाती, अब उम्मीद नहीं

कुराली/मोहाली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के कुराली स्थित चनालों फोकल प्वाइंट इलाके में 27 सितंबर को केमिकल फैक्टरी में आग लग गई थी। इस मामले में पुलिस ने चांदनी के पति रणवीर पासवान की शिकायत पर फैक्टरी के मालिक पर केस दर्ज कर लिया है। दो महिलाकर्मियों की हालत अभी गंभीर है। रणवीर ने बताया कि उसकी पत्नी की इस आग में ही जलकर मौत हुई है क्योंकि अगर वह जिंदा होती तो घर आ जाती। इस पूरे घटनाक्रम का जिम्मेदार फैक्टरी मालिक जीएस चावला है। वहां आग बुझाने वाले यंत्रों का इंतजाम तक नहीं था। उसकी पत्नी ने कुछ दिन पहले बताया था कि फैक्टरी में आग लगते लगते बची है लेकिन इसके बावजूद फैक्टरी मालिक ने वहां आग बुझाने के प्रबंध नहीं किए। पिछली बार जब आग लगी थी तो मजदूरों ने किसी तरह बुझा ली थी लेकिन इस बार मजदूरों को मौका ही नहीं मिला और केमिकल के चलते आग देखते ही देखते भड़क उठी। आग लगने वाले दिन से ही वह पत्नी की तलाश कर रहा है।

उसने इलाके के सारे अस्पताल तक छान मारे लेकिन पत्नी का कुछ पता नहीं चला। अब तो घर में जब बच्चे मां के बारे में पूछते हैं तो वह उनसे आंख नहीं मिला पाता है। फैक्टरी में उसकी सास और साली भी काम कर रही थी। उन्होंने बताया कि आग लगने के बाद चांदनी को निकलने का मौका ही नहीं मिला। वहीं, जब तक वह पहुंचा तो वहां आग के गुबार निकल रहे थे जिसमें से बचना असंभव है इसलिए अब तो उसे कम ही उम्मीद है कि पत्नी जिंदा होगी।

इमरान खान को जेल में मानसिक रूप से किया जा रहा प्रताड़ित

पीटीआई चीफ के वकील ने लगाए आरोप

इस्लामाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के वकील ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को अदियाल जेल में मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार पीटीआई के मुख्य वकील नईम हैदर पंजोथा ने आरोप लगाया कि इमरान खान को सी-क्लास जेल के एक छोटे से कमरे में रखा गया है और उसे टहलने के लिए भी उस कमरे से बाहर आने की अनुमति नहीं है। इमरान खान के वकील ने कहा कि उन्हें पूर्व पीएम को दिए जाने वाले खाने की क्वालिटी पर संदेह है। गौरतलब है कि खाने को लेकर याचिका अभी भी कोर्ट में लंबित है। पंजोथा ने सिफर मामले की बंद कमरे में हुई सुनवाई पर भी सवाल उठाया और मामले की खुली सुनवाई के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पीटीआई अध्यक्ष को सिफर में दोषी ठहराया जाना पूर्व प्रधानमंत्री को राजनीति से दूर रखने के अभियान का एक हिस्सा है। इससे पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की तरफ से प्रस्तुत चालान को खारिज कर दिया और सिफर मामले की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की। शनिवार को जारी एक बयान में, पीटीआई प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरेशी के खिलाफ प्रस्तुत चालान सिफर केस के रूप में अर्थहीन और फर्जी था। एफआईए ने अपने चालान में कहा कि इमरान खान और शाह महमूद कुरेशी को इस मामले में दोषी पाया गया है। एजेंसी ने कोर्ट से अनुरोध किया कि मामले में उनका मुकदमा चलाया जाए और उन्हें सजा दी जाए।

इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी की न्यायिक हिरासत

सूत्रों के हवाले से बताया कि पीटीआई के पूर्व महासचिव असद उमर का नाम आरोपियों की सूची में शामिल नहीं किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान के पूर्व प्रमुख सचिव आजम खान को मामले में मजबूत गवाह के रूप में नामित किया गया है। गवाहों की सूची में पूर्व विदेश सचिव असद मजीद, सोहेल महमूद और तत्कालीन अतिरिक्त विदेश सचिव फैसल नियाज तिर्मिज़ी के नाम भी शामिल किए गए हैं। 26 सितंबर को स्पेशल कोर्ट अदालत ने सिफर मामले में इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी की न्यायिक हिरासत 10 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी। इससे पहले अगस्त में एफआईए ने अपने निहित राजनीतिक हितों के लिए क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट को गलत तरीके से रखने और दुरुपयोग करने के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत पीटीआई अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पर मामला दर्ज किया था।

सिफर मामले की जांच

रिपोर्ट के अनुसार सिफर मामले की जांच के सिलसिले में इमरान खान और कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया गया और आरोपियों पर मुकदमा चलाने के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत एक स्पेशल कोर्ट का गठन किया गया।

अमेरिका में टला शटडाउन का खतरा

जल्दबाजी में पारित हुआ अस्थायी फंडिंग बिल, सदन में दिखा खुशी का माहौल

वाशिंगटन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका शटडाउन के खतरे से फिलहाल बच गया है। 1 अक्टूबर से पहले ही सीनेट में फंडिंग बिल पास हो गया, जिससे राष्ट्रपति जो बाइडन के सरकार को बड़ी राहत मिली है। कांग्रेस ने एजेंसियों को खुला रखने के लिए एक अस्थायी फंडिंग बिल को मंजूरी दे दी है और कानून बनने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन के पास भेज दिया गया है। ये फंडिंग बिल बहुत ही जल्दबाजी में पास किया गया है। इसमें यूक्रेन को देने वाली सहायता को कम कर दिया गया है, क्योंकि व्हाइट हाउस की प्राथमिकता में जीओपी सांसदों की बढ़ती संख्या ने इसका विरोध किया था। वहीं, संघीय आपदा सहायता में 16 बिलियन डॉलर की वृद्धि की गई है। बता दें कि इस बिल को 45 दिनों के लिए सीनेट में मंजूरी दे दी गई है। फिलहाल 17 नवंबर तक शटडाउन का खतरा टल गया है। सदन में कई दिनों की उथल-पुथल के बाद, अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी ने अपनी नौकरी को खतरे में डालकर बिल पारित करने के लिए डेमोक्रेट्स पर भरोसा किया। जल्दबाजी में पास किए गए बिल को लेकर बाइडन ने एक बयान में कहा, 'यह अमेरिकी लोगों के लिए अच्छी खबर है।'बाइडन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका 'किसी भी परिस्थिति में यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन को बाधित करने की अनुमति नहीं दे सकता।'उन्होंने आगे कहा कि उम्मीद है कि मैक्कार्थी यूक्रेन के लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे और इस महत्वपूर्ण क्षण में यूक्रेन की मदद करने के लिए आवश्यक समर्थन को सुरक्षित रखेंगे।' देखा जाए तो अभी के लिए अमेरिका में शटडाउन का खतरा खत्म हो गया है, लेकिन ये राहत महज कुछ ही महीनों की है। आने वाले हफ्तों में कांग्रेस को ओर भी संकट का जोखिम उठाना पड़ सकता है, क्योंकि सरकार को धन देने की आवश्यकता होगी। अगर रविवार यानी 1 अक्टूबर से पहले बिल पास नहीं होता तो संघीय कर्मचारियों को छुट्टी का सामना करना पड़ता। 2 मिलियन से अधिक कर्मचारी और आरक्षित सैन्य सैनिकों को बिना वेतन के काम करना पड़ता। बता दें कि यह पैकेज नवंबर के मध्य तक मौजूदा 2023 स्तरों पर सरकार को धन देता है और संघीय उड्डयन प्रशासन सहित अन्य प्रावधानों का भी विस्तार करता है। पैकेज को सदन 335-91 द्वारा अनुमोदित किया गया था,

बीएसपी प्रदेशाध्यक्ष भगवान सिंह बाबा का आरोप- धोखेबाज हैं सीएम अशोक गहलोत

दौसा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दौसा जिले में सीएम अशोक गहलोत पर धोखेबाजी के आरोप लगाते हुए बसपा प्रदेशाध्यक्ष भगवान सिंह बाबा कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा, जब भी राजस्थान में बहुजन समाजवादी पार्टी की सीटें आती हैं, उस समय कांग्रेस बसपा विधायकों को खरीदने का काम करती है। इसलिए अब विशेष रणनीति बनाकर चुनाव लड़ा जाएगा।

सीएम अशोक गहलोत पर धोखेबाजी के आरोप लगाते हुए भगवान सिंह बाबा ने कहा कि कांग्रेस ने पिछली बार जो विधानसभा चुनाव जीते, वो सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने के नाम पर जीते। बाद में पायलट को दरकिनार करते हुए अशोक गहलोत खुद मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने कहा, बहुजन समाजवादी पार्टी राजस्थान की पूरी 200 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

बता दें कि दौसा के एक निजी मैरिज लॉन में बहुजन समाजवादी पार्टी का सदस्यता ग्रहण समारोह किया गया। इस समारोह में बसपा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा, दौसा से बसपा उम्मीदवार रामेश्वर गुर्जर, बांदीकुई से संभावित उम्मीदवार उमेश शर्मा और महुआ से संभावित उम्मीदवार बनवारी लाल सांथा को सदस्यता दिलवाई गई। इस मौके पर बसपा प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस पर जमकर बरसे और आने वाले विधानसभा चुनाव में बसपा को वोट देने का आह्वान किया। बसपा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने कहा कि उन्होंने पूर्वी राजस्थान और शेखावाटी इलाके को चिन्हित कर बसपा को 60 सीटें जिताने पर काम शुरू कर दिया है, जिसके चलते आने वाले समय में यदि बहुजन समाजवादी पार्टी सत्ता में नहीं आती है, तो जो लोग बहुजन समाजवादी पार्टी से चुनाव जीतेंगे, उन्हें मंत्री पद की शर्त के साथ सत्ताधारी पार्टी को समर्थन दिलवाया जाएगा।

भगवान बाबा ने इस मौके पर कहा, राजस्थान के शेखावाटी और पूर्वी राजस्थान में हम लोग पिछले कई दिनों से मेहनत कर रहे हैं। हमने इन इलाकों में 16 अगस्त से लेकर 29 अगस्त तक सर्व जन हिताय सर्वजन सुखाय संकल्प यात्रा निकाली है, जिसमें बसपा नेता आकाश आनंद, सांसद रामजी गौतम सहित कई राष्ट्रीय नेताओं ने भाग लिया था। बसपा की बड़ी-बड़ी जनसभाएं भी लगातार जारी हैं। बसपा का लक्ष्य है कि इस विधानसभा चुनाव में 60 सीटों पर बसपा का कब्जा हो, जिसके चलते किसी भी दल को बहुमत नहीं मिलना बीएसपी की प्राथमिकता रहेगी। फिर उत्तर प्रदेश की तरह बीएसपी को सरकार बनाने का मौका मिले। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर धोखेबाजी का आरोप लगाते हुए भगवान सिंह बाबा ने कहा कि यह सच्चाई है कि कांग्रेस ने पिछला विधानसभा चुनाव सचिन पायलट को आगे रख कर लड़ा और यह कहा था कि यदि कांग्रेस को सरकार बनाने का मौका मिलेगा, तो सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। लेकिन फिर जब मुख्यमंत्री बनने की बात आई तो सचिन पायलट के साथ धोखा किया गया और अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री की सीट पर कब्जा कर लिया।

स्टूडेंट्स पर मधुमक्खियों का हमला

एक की मौत

लक्ष्मणगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। टूर पर स्कूल बस से जा रहे स्टूडेंट्स व स्टाफ पर मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया। 25 बच्चों को डंक मारे, जिनमें से एक 16 साल के स्टूडेंट की मौत हो गई। मौके पर ही कुछ बेहोश हो गए थे। बस में 50 बच्चे और 5 स्टाफ सवार था। मामला सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ का है।

चाय पीने के लिए रोकी थी बस

मौके पर मौजूद भागीरथ साहू ने बताया- चूरू जिले के हरदेसर गांव में अमर भारती शिक्षण संस्थान है। मैं इसी स्कूल में टीचर हूं। रविवार को बच्चों का शैक्षणिक-धार्मिक टूर सीकर जिले के जीण माता और खाटूश्यामजी जा रहा था। प्राइवेट बस से बच्चे और स्कूल स्टाफ सुबह करीब साढ़े सात बजे रवाना हुए थे। इसमें पांचवीं से दसवीं क्लास के बच्चे थे। सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ में नेशनल हाईवे-52 पर छिछांस बस स्टैंड के पास रविवार सुबह करीब 10 बजे बस रोकी गई। हमलोग चाय बनाने के लिए गैस सिलेंडर और चाय का सामान अपने साथ लेकर आए थे।

स्कूल के टीचर भागीरथ साहू ने बताया- हमने बस से गैस सिलेंडर, स्टोव, चाय बनाने का सामान उतारा और पेड़ के नीचे चाय बनाने लगे। कुछ बच्चे बस से उतर गए। जिस पेड़ के नीचे हम बैठे थे, उसी पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता था।

शेखावत बोले- सरकार समाप्त, केवल सर्कस रह गया

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री बोले- पीएम मोदी की यात्रा में चुनाव में काम करने का नया मंत्र मिलेगा

उदयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने गहलोत सरकार और उसके विजन 2030 को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा हास्यास्पद कुछ नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि गहलोत अपनी पारी के अंतिम महीनों में 2030 के विजन की कल्पना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि खुद उनके ही कार्यकर्ता जानते हैं कि सरकार अब समाप्त हो चुकी है केवल सर्कस रह गया है। उदयपुर यात्रा पर आए शेखावत ने कहा कि पीएम मोदी 2 अक्टूबर को सांवलियाजी और 5 को जोधपुर आ रहे हैं। इस दौरान राज्य के लोगों को करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी जाएगी।

दिव्यांग खिलाड़ियों से मिलती हैं ऊर्जा

नारायण सेवा संस्थान की ओर से आयोजित तीसरे राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैम्पियनशिप के तीसरे दिन फील्ड क्लब में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मंत्री शेखावत ने कहा कि सरकार दिव्यांगजन को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके समग्र विकास के लिए अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के पैरा खिलाड़ी अपनी सफलता का परचम फहरा रहे है। दिव्यांग खिलाड़ियों से बातचीत के दौरान जीवन जीने का वो मंत्र उन्हें मिला जो शायद किसी बड़े मोटिवेशनल मंच से भी ना मिल सके।

उन्होंने दिव्यांग जया महाजन द्वारा रंगोली के रूप में बनाए गए अपने चित्र को देख उनकी कला की सराहना की और उनका सम्मान किया। आरंभ में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने उनका मेवाड़ी पाग-उपरने से स्वागत किया।

रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के सम्मेलन में भी पहुंचे शेखावत

उदयपुर में आज रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के वार्षिक महासम्मेलन 2023 में भी जल शक्ति मंत्री शेखावत शामिल हुए। उन्होंने कहा कि संघ अनवरत 1998 से माल गोदाम के श्रमिकों के लिए मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है।

रेलवे माल गोदाम के श्रमिकों को उनका हक मिलना चाहिए तथा इनका अपना पूरा पैसा खाते में ही मिलना चाहिए। वे बोले इन श्रमिकों के हर तकलीफ में मेरा पूर्ण सहयोग मिलता रहेगा।

वे बोले कि अब डिपार्टमेंटल लेबर सिस्टम पॉलिसी को लागू करवाने के लिए सरकार को प्रस्ताव भी भेजा है जिससे श्रमिक परिवारों का भविष्य बेहतर बन सके। रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के संस्थापक एवं राष्ट्रीय महामंत्री अरुण कुमार पासवान एवं राष्ट्रीय प्रभारी मनोरंजन कुमार ने बताया कि संघ ने 2021 में द्वितीय त्रिपक्षीय बैठक रेल मंत्रालय एवं श्रम मंत्रालय के साथ कर तत्कालीन श्रम मंत्री संतोष गंगवार की अध्यक्षता में श्रमिक साथियों के लिए सरकार से अलग-अलग समय में 13 मांगों को स्वीकृत करवाया है।

सम्मेलन में ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति एसएस सारंगदेवोत, भाजपा जिलाध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ की राजस्थान प्रदेश इकाई उत्तर पश्चिम जॉन के अध्यक्ष अखिलेश कुमार गुड्डू, सचिव सुरेश गोयल आदि मौजूद थे।

गहलोत बोले- पीएम गारंटी दें हमारी योजनाएं बंद नहीं करेंगे

पहले राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति आने से पहले राज्य के सीएम से पूछते थे, अब रिवाज खत्म

बीकानेर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज बीकानेर में पीएम नरेंद्र मोदी के 'मोदी है तो गारंटी है' वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा- पीएम मोदी आजकल खूब गारंटी दे रहे हैं। उन्हें जनता को यह भी गारंटी देनी चाहिए कि अगर प्रदेश में उनकी सरकार बनती है तो वे कांग्रेस सरकार की किसी भी योजना को बंद नहीं करेंगे।

उन्होंने उपराष्ट्रपति के दौरों को लेकर दिए गए अपने बयान को दोहराते हुए कहा कि पहले राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति आते थे तो संबंधित राज्य के सीएम से पूछते थे कि कार्यक्रम में आना चाहिए या नहीं। अब यह रिवाज खत्म हो गया है।

योजनाओं का अध्ययन कर राजस्थान आएं मोदी

सीएम गहलोत ने बीकानेर के एमएम ग्राउंड में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गारंटी ही देनी है तो ये गारंटी दें कि वे राजस्थान में चल रही कांग्रेस सरकार की योजनाओं को भाजपा सरकार आने पर बंद नहीं करेंगे। ओल्ड पेंशन स्कीम को चालू रखेंगे और 25 लाख का बीमा भी देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी और उनके मंत्रियों को राजस्थान में आने से पहले यहां चल रही योजनाओं का अध्ययन करना चाहिए।

ये बाद में जनता को धोखा दे देंगे

गहलोत ने कहा- इन लोगों ने पहले कांग्रेस सरकार के जाते ही रिफाइनरी बंद कर दी, जयपुर में मेट्रो बंद कर दी। भाजपा सरकार आते ही इन्होंने केदारनाथ में परिजनों को खोने वालों को नौकरी से निकाल दिया। इनका कोई भरोसा नहीं है। ये बाद में जनता को धोखा दे देंगे।

उपराष्ट्रपति को लेकर रिवाज का हवाला दिया

सीएम ने एक बार फिर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के राजस्थान दौरों पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक वक्त वो भी था जब राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति किसी भी राज्य में जाने से पहले वहां के मुख्यमंत्री से पूछते थे कि वे उस कार्यक्रम में आएं या नहीं आएं? आजकल यह रिवाज बंद हो गया है। गहलोत ने कहा कि उपराष्ट्रपति जी हमारे मित्र हैं। लेकिन, अभी राजस्थान में चुनाव चल रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने एक दिन में पांच जिलों के दौरे किए हैं। पब्लिक में यह मैसेज जा रहा है- ये क्या हो रहा है।

महिलाओं को संविधान में पहले दिन से अधिकार

मुख्यमंत्री से सरपंच पति और प्रधान पति जैसी पोस्ट पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि संविधान में ऐसी कोई पोस्ट नहीं है। महिलाओं को ही आगे आना चाहिए। उन्हें ही बात करनी चाहिए। अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देश में पहले महिलाओं को वोट का अधिकार नहीं था, लेकिन भारत में अंबेडकर, नेहरू, पटेल और मौलाना आजाद ने ऐसा संविधान दिया है कि इसमें पहले दिन से महिलाओं को वोट का अधिकार है।

बीकानेर में मुख्यमंत्री ने भुजिया-पापड़ व्यापारियों के साथ संवाद किया। उन्होंने फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ लेने वाले स्टूडेंट्स से भी बातचीत की। बता दें कि वे यहां बीकानेर में युवाओं और व्यापारियों से संवाद करने आए थे। उन्होंने यहां सभा में मौजूद लोगों के सवालों के जवाब भी दिए।

पहली बार घर से डाल सकेंगे वोट

सीईसी राजीव कुमार बोले- राजनीतिक दलों को बताना होगा, क्रिमिनल को टिकट क्यों दिया

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग के मुताबिक राजस्थान में 80 साल से ऊपर के 11.8 लाख मतदाता हैं। वहीं 100 साल से ऊपर के भी 18,462 मतदाता हैं। चुनाव का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद 5 दिन के अंदर अंदर वोट फॉर होम की सुविधा पाने वाले मतदाताओं को फॉर्म भरना होगा। इसके बाद चुनाव आयोग उनके घर से ही वोट डालने की व्यवस्था करेगा।

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस चुनाव में चुनाव आयोग राजस्थान में पहली बार वोटर्स को घर से वोट डालने की सुविधा भी देगा।

इसके साथ ही राजनीति में अपराधियों के प्रवेश को रोकने के लिए एक नया कदम उठाया गया है, इसके तहत राजनीतिक दलों को अखबार में स्पष्टीकरण देना होगा कि उन्होंने क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले व्यक्ति को टिकट क्यों दिया?

आरएएस-प्री : रोए-गिड़गिड़ाए नहीं मिली एंट्री

46 जिलों में 2158 सेंटर पर हो रही परीक्षा; अजमेर में 56 प्रतिशत कैंडिडेट्स एब्सेंट

अजमेर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरपीएससी की ओर से आरएएस-2023 प्रारंभिक परीक्षा रविवार को 46 जिलों में आयोजित की जा रही है। केन्द्रों पर कैंडिडेट्स सुबह नौ बजे से पहुंचना शुरू हो गए थे। हालांकि, 10 बजे बाद एंट्री बंद कर दी गई। सेंटरों के मेन गेट बंद कर दिए गए। सेंटरों पर लेट पहुंचने वाले अभ्यर्थी एंट्री की गुहार लगाते रहे। बता दें कि अजमेर में 36 हजार 299 कैंडिडेट्स रजिस्टर्ड थे, जिनमें से 20,292 ही शामिल हुए। इसमें 55.90% यानि 16,007 एब्सेंट रहे।

आयोग के नियमों के चलते कई अभ्यर्थियों को एंट्री नहीं दी गई। कई सेंटरों पर पुलिस ने लेट आए अभ्यर्थियों को धक्के देकर बाहर निकाल दिया। वहीं कई कैंडिडेट्स ने हंगामा किया तो पुलिस ने समझाइश की। इस दौरान जो भी अभ्यर्थी अंदर आ गए थे उनकी चेकिंग जारी रही। बाहर रह गए कैंडिडेट्स को अंदर आने की अनुमति नहीं दी गई। सेंटरों के बाहर पुलिस तैनात है और परीक्षा 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी।

आरपीएससी सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सभी जगहों पर परीक्षा शांतिपूर्ण चल रही है। किसी जगह से कोई व्यवधान की सूचना नहीं है। परीक्षा को लेकर सभी जिलों के सेन्टरों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है।

नागौर में 33 परीक्षा केंद्रों पर 9473 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं। वहीं नकल रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वाड, उप समन्वयक दल और रिजर्व ऑब्जर्वर नियुक्ति किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर उड़न दस्ते निगरानी रख रहे हैं। इससे पहले अति जिला कलेक्टर राकेश कुमार गुप्ता ने उपखंड अधिकारियों को पेपर स्ट्रांग रूम से रवाना किया था। इस बार परीक्षा को लेकर सख्ती बरती जा रही है। परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी तैनात है। यहां मेन गेट पर एक-एक कैंडिडेट्स की पहचान के लिए मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) को चेक किया गया। मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) नहीं होने की विशेष परिस्थितियों में ही अन्य मूल फोटो युक्त पहचान-पत्र यथा मतदाता पहचान-पत्र, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस के आधार पर प्रवेश दिया गया। परीक्षा में बैठने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र आयोग ने तीन दिन पहले गुरुवार को जारी कर दिए थे। इस बार एग्जाम के लिए 6 लाख 97 हजार 51 कैंडिडेट ने ऑनलाइन आवेदन किया है। इसमें करीब 40 हजार स्टूडेंट्स राज्य के बाहर से हैं। एग्जाम 46 जिलों में 2158 सेंटर पर हो रहा है। आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी किसी दलाल, मीडिएटर, समाजकंटक या अपराधी के बहकावे में न आएं। यदि कोई परीक्षा में पास कराने के नाम पर रिश्वत की मांग या अन्य कोई प्रलोभन व झांसा देता है तो प्रमाण सहित इस संबंध में आयोग को सूचित करें।

एम्बुलेंस और बाइक की टक्कर में 2 युवकों की मौत

टक्कर के बाद प्रेग्नेंट महिला को सड़क पर छोड़ गया एम्बुलेंस ड्राइवर

पाली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाली में देर रात प्रेग्नेंट महिला को लेकर जा रही एम्बुलेंस की बाइक से टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। एक घायल हो गया। एम्बुलेंस पलट गई। ड्राइवर प्रेग्नेंट महिला और उसके परिजनों को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। प्रेग्नेंट महिला के चिल्लाने पर दूसरे वाहन चालकों ने महिला को अस्पताल पहुंचाया।

पाली जिले के गुड़ा एंदला थाना क्षेत्र के सब इंस्पेक्टर प्रहलादसिंह ने बताया- हादसा गुड़ा एदंला थाना क्षेत्र के टेवाली गांव के पास हुआ। हादसे में बाइक सवार गुड़ा जेतसिंह का रहने वाला कमलेश (26) पुत्र खेताराम सीरवी और राकेश (28) पुत्र भंवरलाल सीरवी की मौत हो गई। वही, बाइक सवार प्रवीण (25) उर्फ तेजस पुत्र शंकरभाई घायल हो गया। एम्बुलेंस में सवार पांचेटिया गांव का रहने वाले दौलाराम (69) पुत्र नैनाराम मेघवाल घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल भर्ती करवाया गया। उनका इलाज जारी है। दोनों मृतकों की बॉडी पाली के बांगड़ हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाई गई है।

वृद्ध बोले बेटे की बहू को हॉस्पिटल ला रहे थे और हादसा हो गया

हादसे में घायल वृद्ध दौलाराम मेघवाल ने बताया- उनके बेटे मोहनलाल की पत्नी हेमा को डिलीवरी के लिए एम्बुलेंस से पाली ला रहे थे। साथ में पत्नी प्यारीदेवी भी थी। इस दौरान टेवाली के पास बाइक एम्बुलेंस से टकरा गई। हादसे में एम्बुलेंस पलट गई। गनीमत रही कि उनकी प्रेग्नेंट बहू को ज्यादा गंभीर चोट नहीं लगी।

बताया जा रहा है कि मृतक कमलेश सीरवी मुंबई में मेडिकल शॉप पर काम करता था। राकेश सीरवी पूणा में मिठाई की दुकान चलाता था। जो अभी गांव आए हुए थे। वे पाली में अपने दोस्त को बाइक लौटकर तीनों वापस गांव की तरफ आ रहे थे। इस दौरान उनकी बाइक एम्बुलेंस से टकरा गई।

सीएमएचओ बोले जांच के दिए निर्देश, करेंगे करवाई

मामले में सीएमएचओ डॉक्टर इंदर सिंह ने कहा हैं की घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। उसके बाद नियमानुसार दोषियों के खिलाफ करवाई करेंगे।

दौसा के गांव में दो परिवार भिड़े, फायरिंग के साथ लाठी भाटा-जंग में छह लोग हुए घायल

दौसा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा में दो पक्षों में जमकर विवाद हो गया। लाठी भाटा और देसी कट्टे की फायरिंग के हमले के चलते विवाद में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए।

दौसा जिले के बांदीकुई क्षेत्र के बैजूपाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के ढिगारिया कपूर गांव में देर शाम को मीणा समाज के दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान लाठी भाटा और देसी कट्टे की फायरिंग के हमले के चलते विवाद में दोनों पक्षों के छह लोग जख्मी हो गए। दोनों पक्षों में बिजली ट्रांसफॉर्मर से एक दूसरे का कनेक्शन अलग करने को लेकर विवाद शुरू हुआ।

बताया जा रहा है कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के बिजली कनेक्शन को कुछ दिन ट्रांसफॉर्मर से हटा दिया था, इसके बाद पहले पक्ष का मौका लगा, तो उसने दूसरे पक्ष का बिजली कनेक्शन ट्रांसफॉर्मर से हटा दिया। बस इसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ी कि खून खराबा हो गया। इस झगड़े में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर देसी कट्टे से फायरिंग भी कर दी। दिलीप मीणा फायरिंग से बुरी तरह जख्मी हुआ है।

धौलपुर के बाड़ी में मकान की दीवार ढही

मुरैना निवासी महिला दो बच्चों समेत दबी, एक मासूम की मौत

धौलपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। धौलपुर जिले के बाड़ी में मकान की दीवार गिरने से एक महिला अपने दो बच्चों समेत दब गई। हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई है, जबकि महिला और उसका दूसरा बेटा गंभीर रूप से घायल हैं। महिला मध्यप्रदेश के मुरैना जिले की रहने वाली है।

धौलपुर जिले के बाड़ी शहर के सैपऊ रोड़ पर दर्दनाक हादसा हो गया। रात करीब 2:30 बजे के मकान की दीवार भरभरा कर ढह गई। जिसके मलबे के नीचे मां एवं उसके दो बेटे दब गए। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बाड़ी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन नौ साल के बच्चों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

महिला तस्कर का साथी गिरफ्तार

अवैध हथियार की सप्लाई की थी, एमडी-पिस्टल के साथ पकड़ी गई थी

नागौर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागौर की कोतवाली थाना पुलिस ने अवैध हथियार सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले उसकी एक महिला साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

कोतवाली सीआई रमेंद्र सिंह हाडा ने बताया कि 16 सितंबर को गश्त के दौरान शारदा बाल निकेतन स्कूल के पास हाल महावीर गोशाला के पास गुडला चौराहा रहने वाली 19 साल की पूजा पुत्री जेठाराम पत्नी राकेश जाट को गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक कुल वजन 2.45 ग्राम, अवैध मादक एमडीएमए कुल वजन 2.45 ग्राम, एक अवैध हथियार पिस्टल मय दो कारतूस, अवैध मादक पदार्थ स्मैक और एमडीएमए की बिक्री के 15670 रुपए नकद और दो इलेक्ट्रॉनिक छोटे कांटे, एक स्टील का चम्मच सहित पारदर्शी प्लास्टिक की छोटी-बड़ी थैलियां जब्त की गई थी।

पुलिस ने महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरु की गई थी।

अणुव्रत की मशाल से जीवन-पथ को करें रोशन : साध्वी डॉ मंगलप्रज्ञाजी

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन सिकन्दराबाद में साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रशा जी के सान्निध्य में अणुव्रत समिति हैदराबाद के तत्त्वावधान में "सर्वधर्म सद्भाव सभा'" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी ने कहा- आज हम एक मंच पर विभिन्न धर्म को मानने वाले धर्मप्रतिनिधि एक ऐसे आन्दोलन की बात कर रहे हैं, जो सम्प्रदायातीत अणुव्रत आन्दोलन के रूप में विख्यात है। हमारे रास्ते भले ही अलग है, पर मंजिल हम सब की एक है। अणुव्रत समिति के सदस्यों ने मंगलाचरण के रूप में अणुव्रत गीत का संगान किया। अणुव्रत समिति की मंत्री श्रीमती रीटा सुराना ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किया। समिति की बहनों एवं किशोर मंडल द्वारा "शांति-प्रेम-अणुव्रत का फ्रेम" की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। साध्वी श्री सुदर्शन प्रभाजी सिद्धियशा जी, राजुलप्रभाजी, चैतन्य प्रभा जी एवं शौर्य प्रभा जी ने "धरती पर स्वर्ग उत्तर आये, गीत का संगान कर वातावरण को सुरम्य बना दिया। आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित ब्रह्मकुमारी अनीता जी ने कहा कि हमारा धर्म शांति और आनन्द है। हम अणुव्रतों को जीवन में उतारने का प्रयास करें, जिससे नया प्रकाश पाकर आगे बढ़ सकेगे। मुस्लिम सम्प्रदाय के मोहम्मद असर अब्दुल्ला ने कहा कि कोई भी मजहब आपस में वैर रखना नहीं सिखाता। आज इस मंच से हम अणुव्रत की बात कह रहे हैं, यह पूरी दुनियां के लिए बड़ी सौगात है। काशी से समागत पंडित बैजनाथ दूबे ने कहा कि इंसान को भगवान बनाने का संकल्प लेकर संत समुदाय विहरण करते हैं। संतों की साधना और शक्ति हमारा उपकार करती है। हम सभी द्वेष भाव को छोड़कर आगे बढें। जैनधर्म विशिष्ट धर्म है। हम महावीर की मूरत में भी जिनके चाहे दर्शन कर सकते हैं। सिख गुरु ज्ञानी तरसेम सिंह ने कहा कि हम सबको मिलकर जंगल रूपी समाज को बगीचे में बदलना है। चिन्तन करना है भाईचारा कैसे बढ़ाया जाय। साध्वी श्री राजुल प्रभा जी ने मंच का संचालन किया। अणुव्रत समिति के इस कार्यक्रम की संयोजना में श्रीमती संतोष पींचा, चंदन कोठारी, निशा पींचा, हर्षलता दूधोडिया, अनिता गिडीया, श्वेता सेठिया,शकुंतला बुच्चा, सोभाग बाठिया,राकेश सुराणा ,कमल बरमेचा का सराहनीय श्रम रहा। तेरापंथ किशोर मंडल का सक्रिय सहयोग रहा। तेरापंथ सभा अध्यक्ष बाबूलाल बैद, अणुव्रत समिति के उपाध्यक्ष अनिल कातरेला, अणुव्रत के आंध्रप्रदेश प्रभारी तिलोक सिपानी महिला मंडल अध्यक्षा कविता आच्छा युवक परिषद अध्यक्ष निर्मल जी दुगड, टीपीएफ अध्यक्ष पंकज संचेती सहित गणमान्य जनों की गरिमामय उपस्थिति रही। अणुव्रत समिति द्वारा आगन्तुक धर्मगुरुओं को मोमेंटो व साहित्य से सम्मान किया गया। अणुव्रत समिति परामर्शक सरोज भंडारी ने आभार जताया। प्रेमलता कोठारी ने नो तप का प्रत्याख्यान किया।

एनआईआईएमएच ने चलाया '1 तारीख 1 घंटा' स्वच्छता अभियान

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेदिक अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद के डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में रेविन्यू बोर्ड कॉलोनी के परिसर में स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह "स्वच्छता ही सेवा' 2023 कार्यक्रम का एक हिस्सा था,जिसका उद्देश भारत को'कचरा-मुक्त'बनाने पर केंद्रित था। इसी उद्देश के साथ संस्थान के सभी अधिकारी एबं कर्मचारियों ने स्वेच्छा से उत्साहपूर्वक एक घंटे के विशेष सफाई अभियान में श्रमदान किया। इनके साथ रेविन्यू बोर्ड कॉलोनी के निवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह पहल समाज के सभी क्षेत्रों में स्वच्छता के लिए प्रधान मंत्री जी के आह्वान की प्रतिध्वनि है,जिसमें स्वच्छ और स्वस्थ भारत के महत्व पर जोर दिया गया है। डॉ बिस्वरंजन दास, आर.ओ. (होम्योपैथी) ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्थान के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों तथा रेविन्यू बोर्ड कॉलोनी एसोसिएशन के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रामदेवरा मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन का सम्मान

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट श्री रामदेवरा दरबार मंदिर, शिवरामपल्ली के चेयरमैन श्यामसुंदर गिल्डा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक भादवा सुदी दूज पर श्री रामदेव बाबा के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में गत दिनों विभिन्न का स्वागत, भजन कीर्तन, रात्रि जागरण कार्यक्रम मनाया गया था। इसके लिए ट्रस्ट के चेयरमैन श्यामसुंदर गिल्डा के प्रति कई समाजसेवियों ने आभार जताया तथा उनका सम्मान किया। समाजसेवी रामदेव अग्रवाल द्वारा विशेष सम्मान किया गया। आज एक प्रेस विज्ञप्ति में तेलंगाना जाट एकता मंच के अध्यक्ष धर्माराम ढाका ने बताया कि ट्रस्ट के चेयरमैन श्यामसुंदर गिल्डा के नेतृत्व में 17 सितंबर, 2023 को विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत अलौकिक दरबार तथा अवतार दिवस मनाया गया। रात्रि में बाबा का अभिषेक एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। उक्त कार्यक्रम में कम से कम दो लाख भक्तों ने भाग लिया। भक्तों का उत्साह देखने लायक था। इस अवसर पर राजेंद्रनगर के विधायक टी. प्रकाश गौड एवं पाली जिला, जैतारण विधायक अविनाश गहलोत ने भी बाबा के दर्शन का लाभ लिया। 20 सितंबर 2023 को महेश विद्या भवन, राधाकृष्ण कालोनी, शिवरामपल्ली से प्रातः कलश यात्रा

बाबा के दरबार, घोडे, गाजे-बाजे नृत्य भजनों के साथ जय बाबा परिवार द्वारा निकाली गई जो शिवरामपल्ली गांव, मुख्य मार्केट एवं विभन्न मार्गों से होते हुए रामदेवरा दरबार पहुंची, जिसमें श्रीमती पी. अर्चना शिवरामपल्ली पार्षद एवं कई नेताओं ने भाग लिया तथा भारी संख्या में महिलाओं ने कलश लिया। कलश यात्रा को सफल बनाने में श्यामसुंदर गिलडा एवं मंदिर कमेटी के सभी सदस्यों एवं मंदिर पुजारीगणों ने विशेष सहयोग दिया। तेलंगाना जाट एकता मंच के अध्यक्ष धर्माराम ढाका ने बढ-चढकर भाग लिया। अवसर पर 24 सितंबर 2023 को निरंजन आर्य (आईएएस) मुख्य सलाहकार, मुख्यमंत्री राजस्थान ने हैदराबाद पधार कर बाबा के दर्शन का लाभ लिया। पंचदिवसीय 31 कुंडीय विराट श्री रामदेव महायज्ञ का आयोजन यज्ञाचार्य पंडित पुरुषोत्तम शास्त्री के मार्गदर्शन में राजस्थान से पधारे यज्ञाचार्यों ने किया। जिसके मुख्य यजमान रामदेव बाबा परिवार थे। इसमें दिनांक 21 से 25 सितंबर, 2023 तक सुबह और शाम दोनों समय 108 जोडों ने भाग लिया। 25 सितंबर को सायं 7.00 बजे प्रमुख भजन गायक राजू मुरारी दाहिमा व उनकी टीम द्वारा मधुर भजन प्रस्तुत किये गये। जिसका असंख्य भक्तों ने दर्शन एवं प्रसाद लाभ लिया। सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए चेयूरमैन श्याम गिलडा, धर्मचंद भंसाला, कमल किशोर जाजू, जगदीश अग्रवाल, एस. वेंकटेश, भंवनला कोठारी, निर्मल कोठारी, सुरेश ताजपुरीया, दिनेश सिनोडिया, धर्माराम ढाका, श्याम सुंदर परलानी, गड्डी चंद्रशेखर, कमलेश बाफना, राजकुमार लड्ढा, जय बाबा परिवार, मंदिर पुजारीगण, कर्मचारीगण एवं अनेक संस्थाओं ने भरूपर समर्थन दिया। सभी का सेवा भावना एवं सहयोग के लिए तेलंगाना जाट एका मंच के अध्यक्ष धर्माराम ढाका ने हृदय से आभार व्यक्त किया।

एलआईसी द्वारा स्वच्छता ही सेवा गतिविधियाँ आयोजित

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा हैदराबाद और सिकंदराबाद में स्वच्छता ही सेवा गतिविधियाँ आयोजित की गईं। गांधी जयंती से एक दिन पहले 1 अक्टूबर को शहर में चार अलग-अलग स्थानों पर सफाई अभियान चलाया जाता है। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान एक त्वरित राष्ट्रव्यापी सफाई अभियान है जिसे स्वच्छ भारत अभियान को गति देने और सभी नागरिकों के लिए स्थायी स्वच्छता सेवाएं प्रदान करने के लिए शुरू किया गया।

क्षेत्रीय प्रबंधक एलके शमसुंदर ने इस अवसर पर स्वच्छता, अपशिष्ट छँटाई, पुनर्चक्रण और एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के विकल्पों के महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने 'कचरा मुक्त भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सतीश बाबू, जीबीवी रमैया, राजीब विश्वास, श्री आदिनारायण और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

भारत भाग्य समृद्धि यज्ञ के संदर्भ में नारनौल सदन में विशेष सभा आयोजित

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनकल्याणर्थ भाग्य नगर की पुण्य धरा पर सीताराम बाग क्षेत्र मे आयोजित होने वाले "भारत भाग्य समृद्धि महायज्ञ" के संदर्भ में आज नारनौल सदन में विशेष सभा का आयोजन किया गया। पंकज कुमार अग्रवाल द्वारा नारनौल तथा नारनौल अग्रवाल समिति का संक्षिप्त परिचय के पश्चात सभा में उपस्थित बंधुओं को संबोधित करते हुए श्रीमती माधवी लता (लता फाउंडेशन चेयरपर्सन) ने भाग्यनगर में रहने वालों के मन में धर्म के प्रति धर्म के प्रति निष्ठा व समर्पण की प्रशंसा करते हुए यज्ञ के विषय में माधवी लता ने बताया कि भारत भाग्य समृद्धि यज्ञ "सर्व कार्यसिद्धि सहस्त्र चंडी सहित महारुद्र कामेश्वर कामेश्वरी यज्ञ" के माध्यम से नगर के सनातन धर्मियों को एकजुट करने के उद्देश्य से जनकल्याणर्थ सभी के मंगल कामना और सुख समृद्धि के लिए किया जा रहा है। इस अवसर पर धर्म ग्रंथ, वेद, पूजा पद्धति व दैनिक दिनचर्या पर भी विचार किया गया। अवसर पर मुख्य रूप से नारनौल अग्रवाल समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, श्रीमती माधवी लता, राजेश अग्रवाल, रविंद्र अग्रवाल, डॉ सरिता अग्रवाल, जितेंद्र जैन, परेश कुमार जैन, टी सुनील कुमार, देवेंद्र अग्रवाल, अनिल दादू, नितिन चौहान, मनोज मित्तल, किरण, सीतेश एवं अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

दलित बंधु योजना में 135 परिवार को समान न्याय देने की मांग

मदनूर, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त मदनूर मंडल लीबुर गांव के दलित समाज के लोग दलित बंधु योजना का लाभ मिलने के लिये एक सप्ताह से स्थानीय ग्राम पचायत कार्यालय के सामने आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव प्रदेश के दलितों को लाभ पहुंचाना के लिए दलित बंधु योजना शुरू की। दलित बंधु योजना अंतर्गत लिबूर गांव को प्रत्येक 10 लाख के हिसाब से साथ यूनिट की मंजूरी मिली। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर आरोप लगाते हुए बताया कि यह जनपेतिनिधि दलितों में रायमशविरा न करते हुए दलित बंधु योजना में कमीशन देने वालों के नाम दर्ज कर रहे हैं। लीबूर गांव में 135 दलित परिवार हैं। केवल नौकरदार के साथ कमीशन देने वाले व्यक्तियों का नाम पंजीकृत करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि 135 परिवार को दलित बंधु योजना का लाभ मिले, वरना बड़े पैमाने पर आंदोलन तेज किया जायेगा।

बालापुर एक्स रोड पर सीएमआर फैमिली मॉल का शुभारंभ करती हुईं फिल्मी अभिनेत्री कीर्ति सुरेश। साथ में हैं मॉल के मालिक व अन्य सदस्य।

गौ सेवा मित्र मंडल द्वार पितृ पक्ष में स्थित जियागुड़ा गौशाला में गौ सेवा की गई जिसमें उपस्थित गोपाल बल्दवा, मंडल के सदस्य मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, सुनी अग्रवाल, अजय, सतीश, विनोद, पापू, लक्ष्मण, यश अग्रवाल एवं अन्य।

स्वच्छ छावनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कैंटोनमेंट बोर्ड द्वारा आयोजित स्वच्छ श्रमदानम के भाग के रूप में आज न्यू बोइनापल्ली में खेल का मैदान, ओल्ड एयरपोर्ट रोड में राणा प्रताप युवासेना के नेतृत्व में स्वच्छ छावनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बोर्ड के इंजीनियर फणिकुमार की देखरेख में कई लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और कचरा हटाया। इस अवसर पर डी. गणेश, राणा प्रताप युवा सेना के प्रतिनिधि जम्पना रवि, साईंबाबा यादव, नागराजू, हरि, यदागिरी, कुमार सुरेश, चिन्ना लक्ष्मरेड्डी व परिषद कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रगति महाविद्यालय में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा संचालित प्रगति महाविद्यालय में आज 4/1 कम्पनी, 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी द्वारा आज स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एनसीसी निदेशालय के निर्देशानुसार एवं 1 तेलंगाना बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल प्रसून नाथ के आदेशानुसार भव्य रुप से सम्पन्न हुआ। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ए मधवीलता एवं 4/1 कम्पनी के कम्पनी कमांडर कैप्टन डॉ टी पी के नेतृत्व में किया गया। जिसमें महाविद्यालय एनसीसी कैडेट्स ने भारी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर कैडेट्स ने महाविद्यालय परिसर में श्रमदान किया और सभी से परिसर में स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

अग्रवाल समाज द्वारा श्री अग्र रथ यात्रा का शुभारंभ

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा 5147वां अग्रसेन जयंती महोत्सव 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है।

इसी संदर्भ में 1 अक्टूबर को प्रात 11 बजे रथ यात्रा का शुभारंभ पूजा के पश्चात अग्रसेन भवन सिकंदराबाद से किया गया। समिति के चेयरमैन ईश्वर बंसल और वाइस चेयरमैन संजय गुप्ता ने यात्रा की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया की इस यात्रा की ज्योत का लाभ संभवतः तेलंगाना में स्थित सभी शाखाओं के बंधु गण प्राप्त कर पाएंगे। यह यात्रा अग्रसेन भवन सिकंदराबाद से आरंभ हो कर तेलंगाना की सभी शाखाओं के कार्यालयों के मार्ग से गुजरेगी और 15 अक्तूबर को जयंती महोत्सव समारोह स्थल पर विराम लेगी।

यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज को अग्रसेन महाराज के पद चिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित करना और समाज को एकजुट करना है। आज पूजा स्थल पर समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल मंत्री कपूर चंद, कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल, सह मंत्री श्रीमती कंचन अग्रवाल, चेयरमैन ईश्वर बंसल, वाइस चेयरमैन संजय गुप्ता बिकी सराफ,उमेश अग्रवाल व समाज के अन्य सदस्य उपस्थित थे। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल व उपध्यक्ष एवं जयंती के मुख्य संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल ने सभी शाखाओं से अग्र रथ यात्रा से जुड़ने का निवेदन किया है।

एचपीसीएल विशाख रिफाइनरी ने सफाई अभियान चलाया

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एचपीसीएल, विशाख रिफाइनरी ने वीआर और सीजीएम और एचओडी और डीआइजी तटरक्षकों की उपस्थिति में सागर नगर समुद्र तट पर मेगा बीच सफाई अभियान चलाया गया। पीआरओ और वरिष्ठ प्रबंधक-सीएसआर, एचपीसीएल-वीआर, एम.काली वीएल नरसिम्हम ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि स्कूलों और कॉलेज के छात्रों और भारतीय तटरक्षकों के साथ साझेदारी में एचपीसीएल और वीआर और तटरक्षक कर्मचारियों द्वारा 300 की संख्या में भागीदारी। हमने अपनी हाउसिंग कॉलोनियों में भी स्वच्छता अभियान चलाया है। सैकड़ों एचपी कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों के साथ वाल्टेयर पार्क और याराडा पार्क आदि के अलावा इसी प्रकार, हमने विभिन्न इकाइयों में स्वच्छता अभियान चलाया है। डीएचटी, टीपीएच, एफसीसीयू- (आर) आदि में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

अनाथ बच्चों के लिए आयोजित कार्यक्रम के आयोजक मारवाड़ी युवा मंच के संस्थापक ललित बंदामुथा, महेश उपाध्याय, अध्यक्ष महेंद्र जैन, विक्रम जैन, ललित जैन आदि का सम्मान किये जाने का दृश्य।

मारवाडी गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारियों का सम्मान

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लायंस क्लब इंटरनेशनल 320ए द्वारा हैदराबाद के गणेश उत्सव में ग्रैड गणेश अवॉर्डस में श्री मारवाडी गणेश उत्सव समिति, सुल्तान बाजार को बेस्ट इनोवेटिव थीम एवं वेस्ट क्राउड मैनेजमेंट के अवार्ड से पुरस्कृत किया गया एवं लायंस क्लब 320ए युवा द्वारा हैदराबाद के सर्वश्रेष्ठ गणेश पंडाल का अवार्ड मिलने पर मंडल पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए तेलंगाना प्रादेशिक मारवाडी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग ने किया। इस अवसर पर पदाधिकारियों में श्रीनिवास लोया, सुमीत राठी, घनश्याम तोषनीवाल, रमेश तोषनीवाल, मुरली मनोहर हेडा, नवल डांगरा, श्रीकांत कलत्री, कृष्णकांत हेडा, हर्ष तोषनीवाल, प्रवण तोषनीवाल, मयंक लोया, श्रीकांत हेडा, योगेश तोषनीवाल, अनुराग हेडा, कार्तिक राठी साथ में अनिल कुमार लखोटिया, वेणुगोपाल लोया, अनिरुद्ध कांकानी, वेणुगोपाल लोया, दिनेश बंग, रमेश करवा एवं श्याम बंग उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कमजोर की...

भयावह इसलिए, क्योंकि इस महासागर से आज तक न तो कोई बच पाया है, न ही बच पाएगा। उन्होंने आगे लिखा है कि जिस व्यक्ति में अपने भय की तह में जाकर इस महासागर की सच्चाई से देखने का साहस है वही हिन्दू है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस लेख में हिन्दू कौन है के सवाल पर बात करने के बाद हिन्दू के जरिए किए जाने वाले बेहतरीन कामों की ओर प्रकाश डाला है।

जहां राहुल गांधी ने लिखा है, एक हिंदू अपने अस्तित्व में समस्त चराचर को करुणा और गरिमा के साथ उदारतापूर्वक आत्मसात करता है। क्योंकि वह जानता है कि जीवनरूपी इस महासागर में हम सब डूब-उतर रहे हैं। अस्तित्व के लिए संघर्षरत सभी प्राणियों की रक्षा वह आगे बढ़कर करता है। सबसे निर्बल चिंताओं और बेआवाज चीखों के प्रति भी वह सचेत रहता है। निर्बल की रक्षा का कर्तव्य ही उसका धर्म है। सत्य और अहिंसा की शक्ति से संसार की सबसे असहाय पुकारों को सुनना और उनका समाधान ढूंढना ही उसका धर्म है। एक हिंदू में अपने भय को गहनता में देखने और उसे स्वीकार करने का साहस होता है। जीवन की यात्रा में वह भयरूपी शत्रु को मित्र में बदलना सीखता है। भय उस पर कभी हावी नहीं हो पाता, वरन घनिष्ठ सखा बनकर उसे आगे की राह दिखाता है। एक हिंदू का आत्म इतना कमजोर नहीं होता कि वह अपने भय के वश में आकर किसी क़िस्म के क्रोध, घृणा या प्रतिहिंसा का माध्यम बन जाए।

पेंशन शंखनाद रैली...

कॉन्फेडरेसन ऑफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन एवं पूर्व एडीजी एचआर सिंह और महासचिव रणबीर सिंह ने इस मामले में कई बार केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि सीएपीएफ में पुरानी पेंशन बहाल की जाए। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीएपीएफ के लाखों जवानों का पुरानी पेंशन मिलने की उम्मीद नजर आने लगी थी, जब 11 जनवरी को दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा था, केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'भारत संघ के सशस्त्र बल' हैं। अदालत ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में एनपीएस को स्ट्राइक डाउन करने की बात कही थी। इन बलों में चाहे कोई आज भर्ती हुआ हो, पहले कभी भर्ती हुआ हो या आने वाले समय में भर्ती होगा, सभी जवान और अधिकारी, पुरानी पेंशन के दायरे में आएंगे। केंद्र सरकार ने इस फैसले को लागू करने की बजाए, सुप्रीम कोर्ट से फरवरी 2024 तक स्थगन आदेश ले लिया है।

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में पुरानी पेंशन लागू करने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को दिए अपने फैसले में कहा था कि सीएपीएफ में आठ सप्ताह के भीतर पुरानी पेंशन लागू कर दी जाए। अदालत की वह अवधि होली पर खत्म हो चुकी थी।

एशियाड में भारत के 53 मेडल: 8वें दिन 3 गोल्ड जीते

साबले ने 3000 मीटर स्टेपलचेज में रिकॉर्ड बनाया, तजिंदर शॉटपुट में नंबर-1

हांगझोऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। 9वें एशियन गेम्स के 8वें दिन भारतीय खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन जारी है। रविवार को भारतीय खिलाड़ी 3 गोल्ड सहित 13 मेडल जीत चुके हैं। इन मेडल के सहारे ओवरऑल मेडल टैली में भारत के 13 गोल्ड सहित 53 मेडल हो चुके हैं।

चीन के हांगझोउ में भारत ने शूटिंग के मेंस ट्रैप, 3000 मीटर स्टेपल चेज और शॉटपुट इवेंट में गोल्ड जीते। शूटर्स के बाद युवा एथलीट अविनाश साबले ने 3 हजार मीटर स्टेपलचेज इवेंट में गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता।

उन्होंने ईरान के हुसैनी (8 मिनट 22.79 सेकेंड) का रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद तजिंदर पाल सिंह तूर ने शॉट पुट में इन गेम्स का गोल्ड हासिल किया। वे आखिरी प्रयास में नंबर-1 पोजिशन पर आए।

विमेंस डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा पुनिया ने ब्रॉन्ज, मेंस लॉन्ग जंप में मुरली श्रीशंकर ने सिल्वर, विमेंस 1500 मीटर इवेंट में हरमिलन बैंस ने सिल्वर, मेंस 1500 मीटर में अजय कुमार ने सिल्वर और जिन्सन जॉनसन ने ब्रॉन्ज हासिल किया। विमेंस 100 मीटर हर्डल्स में ज्योति ने सिल्वर जीता।

बॉक्सिंग में निखत जरीन ने विमेंस 50 केजी में ब्रॉन्ज जीता। इधर, भारत और चीन के बीच बैडमिंटन मेंस टीम इवेंट का

गोल्ड मैच चल रहा है। भारत 2-2 की बढ़त पर है। मिथुन मंजूनाम और वेंग होंग यान्ग के बीच सिंगल्स मैच जारी है। गोल्ड जीतने के लिए भारत को यह मैच जीतना होगा।

शूटिंग: गोल्ड और सिल्वर मेडल

शूटिंग में आठवें दिन शूटिंग में दो मेडल मिले। ट्रैप-50 मेंस टीम इवेंट में पृथ्वीराज टोंडाइमैन, जुरावर सिंह और किनान चेनाई की तिकड़ी ने 361 स्कोर के साथ गोल्ड जीता। इस इवेंट में कुवैत ने 359 स्कोर कर सिल्वर और चीन ने 354 स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

विमेंस के ट्रैप इवेंट में मनीषा कीर, प्रीति रजक और राजेश्वरी ने तिकड़ी ने 337 स्कोर कर भारत को सिल्वर दिलाया। इस इवेंट में चीन की टीम ने 357 के साथ गोल्ड और कजाकिस्तान की टीम ने 336 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

गोल्फ: विमेंस इंडिविजुअल पहली बार मेडल मिला

अदिति अशोक ने गोल्फ के विमेंस इंडिविजुअल में भारत को पहली बार मेडल दिलाया। उन्होंने 272 के साथ सिल्वर जीता। जबकि थाईलैंड की अर्पिचया युबोल ने 269 के साथ गोल्ड जीता। वहीं कोरिया की गोल्फर को ब्रॉन्ज मिला।

बॉक्सिंग: मेडल पक्का करने के साथ ही ओलिंपिक कोटा

बॉक्सिंग के विमेंस 57 केजी वेट कैटेगरी में परवीन ने क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की बॉक्सर को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। इसके साथ ही मेडल पक्का कर लिया है और 2024 में होने वाले पेरिस ओलिंपिक गेम्स के लिए कोटा भी हासिल कर लिया।

भारत को एथलेटिक्स में भी मेडल की उम्मीद

गोल्फ और शूटिंग के अलावा भारत का एक मेडल बैडमिंटन में पक्का है, जहां भारतीय मेंस टीम फाइनल में चीन से भिड़ेगी। इसके अलावा एथलेटिक्स के 7 फाइनल है।

भारत को मेंस शॉटपुट में तजिंदर पाल सिंह टूर, लॉन्ग जंप में मुरली श्री शंकर, विमेंस डिस्कस थ्रो में सीमा पूनिया और मेंस के स्टीपलचेज में अभिनाश साम्बले से मेडल की उम्मीद है। वहीं भारतीय बॉक्सर भी सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना मेडल पक्का कर सकते हैं।

एथलेटिक्स में बड़े इवेंट्स में आर्चरी में क्वालिफिकेशन राउंड

रिकर्व और कंपाउंड दोनों श्रेणियों में आज इंडिविजुअल क्वालिफिकेशन राउंड के साथ आर्चरी आज से शुरू होंगी। भारत की टीम वर्ल्ड चैंपियन से लैस है। भारत से आर्चरी की अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी।

सातवें दिन 5 मेडल आए

एशियन गेम्स के 7वें दिन भारतीय खिलाड़ियों ने 5 मेडल जीते। इनमें दो गोल्ड, दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज शामिल है। भारत ने स्क्वॉश का गोल्ड पाकिस्तान को हराकर जीता। भारत के कुल 10 गोल्ड हो गए हैं।

वर्ल्ड कप मस्कट के नाम जारी: फैंस ने चुना टोंक और ब्लैज नाम

मस्कट को महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया गया

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 के ऑफिशियल मस्कट के नाम जारी कर दिए है। मस्कट को महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया गया है। पुरुष मस्कट के हाथ में बैट है जिसका नाम टोंक है जो नीले कलर का दिखाई देता है। वहीं महिला मस्कट के हाथ में बॉल दिखाई गई है जिसका नाम ब्लैज है जो लाल कलर की है।

आईसीसी के ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, दोनों मस्कट वर्ल्ड कप मैचों में सभी वेन्यू पर मौजूद रहेंगे। वे फैंस के साथ बातचीत करेंगे और शोपीस इवेंट के उत्साह को बढ़ाते हुए दिखाई देंगे। ICC ने अगस्त में वनडे वर्ल्ड कप का ऑफिशियल मस्कट लॉन्च किया था। दुनिया भर के फैंस से मस्कट का नाम चुनने में मदद करने के लिए कहा गया था। वोटिंग के बाद ब्लैज और टोंक नाम को फाइनल किया गया।

फैंस ने चुना है नाम

आईसीसी ने दोनों ही मस्कट के नाम तय नहीं किए थे। नाम तय करने के लिए आईसीसी ने 19 अगस्त को अपनी वेबसाइट पर वोट लिंक दिया था, यहां फैंस अपना पसंदीदा नाम चुन सकते थे। जिस नाम को सबसे ज्यादा वोट मिलेंगे, उसी नाम को वर्ल्ड कप के मस्कट का अंतिम नाम माना जाना था। बैटर नाम के 3 पद टोंक, ब्लिट्ज और बैश थे। जिसका विजेता टोंक रहा। वहीं बॉलर के नाम के 3 पद ब्लैज, पायरा और विक्स थे जिसकी विनर ब्लैज रही।

जेंडर इक्वैलिटी दर्शाता हैं मस्कट

आईसीसी ने मास्कट लॉन्च के

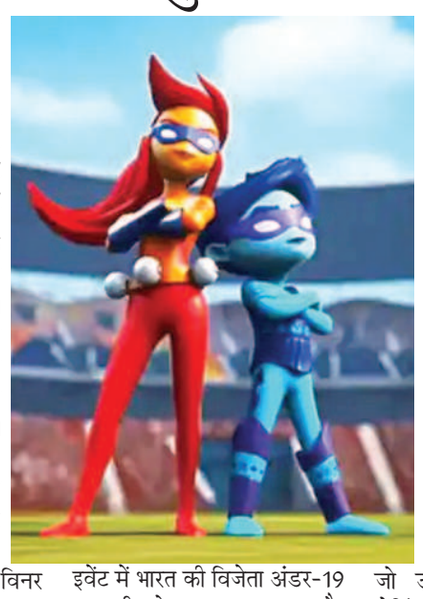

इवेंट में भारत की विजेता अंडर-19 पुरुष टीम के कप्तान यश धुल और महिला टीम की कप्तान शेफाली वर्मा को बुलाया था। दोनों कप्तानों की मौजूदगी में मस्कट लॉन्च हुए। मस्कट के रूप में पुरुष बल्लेबाज और महिला गेंदबाज हैं, जो स्पोर्ट्स में जेंडर इक्वैलिटी को दर्शा रहे हैं।

वुमन बॉलर के हाथ में टर्बो-पावर एनर्जी

महिला बॉलर मस्कट को एक्सप्लेन करते हुए आईसीसी ने बताया, 'बॉलर के हाथ में टर्बो-पावर एनर्जी है, जिससे बहुत तेज स्पीड से फायरबॉल निकलती है। बॉलर की तेज रिफ्लेक्स, फ्लेक्सिबिलिटी और स्ट्रेंथ उसे एक सुपरचार्ज्ड तेज गेंदबाज बना रही है। गेंदबाज की कमर पर 6 गेंदें बंधी हैं, जो उसकी अलग-अलग गेम-चेंजिंग टैक्टिक्स को दर्शा रही है। महिला मस्कट किसी भी मैच को अपनी गेंदबाजी से बदलने की क्षमता रखती है।'

पुरुष बैटर के पास इलेक्ट्रोमैग्नेटिक बैट

पुरुष बल्लेबाज मस्कट को एक्सप्लेन करते हुए आईसीसी ने बताया, 'मेल कैरेक्टर किसी भी प्रेशर सिचुएशन में कूल रहता है। बैटर का हर शॉट दर्शकों में नई एनर्जी भर सकता है। बैटर के पास इलेक्ट्रोमैग्नेटिक बैट है, उसके हर शॉट से मैच में नई एनर्जी और एक्साइटमेंट आती है।'

दोनों मस्कट भारत में क्रिकेट वर्ल्ड कप के दौरान एक्शन में नजर आएंगे। मैचेस 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ शुरू होंगे। मस्कट स्टेडियम के साथ-साथ फैन पार्क में भी दिखाई देंगे। मैच 10 स्थानों पर खेले जाएंगे और 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त होंगे।

पहला मैच खेलते ही इस सूची में शामिल हो जाएंगे विराट कोहली, टॉप पर हैं सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली,1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व कप 2023 की शुरुआत 5 अक्टूबर से होने जा रहा है। वहीं, भारत अपना पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा। इस बार वर्ल्ड कप में कई दिग्गज खिलाड़ियों के नाम शामिल है। इसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, आर. अश्विन, रवींद्र जडेजा जैसे अन्य नाम शामिल है। हालांकि, इन सभी में से विराट कोहली एक मात्र ऐसे खिलाड़ी होंगे जो अपना चौथा विश्व कप खेलेंगे।

विराट कोहली खेलेंगे अपना चौथा विश्व कप

दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली इस विश्व कप का पहला मैच खेलते ही 4 बार विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड बना लेंगे। पहले से इस लिस्ट में इस लिस्ट में पहले ऐसे

कई खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपना तीसरा विश्व कप खेला है। चार विश्व कप खेलने वाले खिलाड़ियों में कपिल देव, सुनील गावस्कर, अनिल कुंबले, एमएस धोनी जैसे अन्य के नाम शामिल है। अब इस लिस्ट में विराट कोहली का नाम भी जुड़ जाएगा।

टॉप पर हैं सचिन तेंदुलकर

दिग्गज पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में कुल छह वनडे विश्व कप खेलकर इस सूची में टॉप पर हैं। इसके अलावा रिकी पोंटिंग, महेला जयवर्धने, जैक्स कैलिस सहित कई अन्य खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने क्रिकेट करियर में पांच-पांच वनडे विश्व कप खेले हैं।

22 साल की उम्र में खेला था अपना पहला वनडे विश्व कप

विराट कोहली ने 2011 में 22 साल की उम्र में अपना पहला एकदिवसीय विश्व कप खेला था। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ अपने विश्व कप के पहले मैच में 100* (83) रन बनाकर शानदार शतक जड़ा था। इसके बाद विराट कोहली ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ शानदार 59 रन बनाए थे और फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ महत्वपूर्ण 35 (49) रन बनाए थे।

72 साल में पहली बार भारत ने 10 हजार मी. दौड़ में एक-साथ दो पदक जीते, कार्तिक-गुलवीर ने रचा इतिहास

हांगझोऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। एथलेटिक्स यानी ट्रैक एंड फील्ड में हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत ने तीन पदक जीत लिए हैं। इससे पहले शुक्रवार को किरण बालियान ने शॉटपुट में कांस्य पदक जीता था। इन दो पदकों के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 38 हो गई।

भारत के कार्तिक कुमार और गुलवीर सिंह ने इतिहास रच दिया है। इन दोनों ने पुरुषों के 10 हजार मीटर दौड़ में भारत के लिए दो पदक जीते। यह एशियाई खेलों के 72 वर्षों के इतिहास में पहली बार है जब 10 हजार मीटर दौड़ में भारत ने एक साथ दो पदक जीते हैं। 1951 से एशियाड खेले जा रहे हैं, लेकिन इससे पहले भारत के साथ ऐसा कभी नहीं हुआ था। भारत ने इस स्पर्धा में अब तक

कुल सात पदक जीते हैं। इनमें दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। हालांकि, 2023 में एक साथ दो पदक से पहले पांच पदक अलग-अलग एशियाई खेल में आए थे।

पुरुषों के 10 हजार मीटर दौड़ में कार्तिक ने 28:15.38 के समय के साथ रजत पदक और गुलवीर ने 28:17.21 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। एथलेटिक्स यानी ट्रैक एंड फील्ड में हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत ने तीन पदक जीत लिए हैं। इससे पहले शुक्रवार को किरण बालियान ने शॉटपुट में कांस्य पदक जीता था। इन दो पदकों के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 38 हो गई।

एशियाई खेलों के 10 हजार मीटर दौड़ में भारत के लिए पहला पदक 1951 में आया था। तब दिल्ली एशियाई खेलों में गुरबचन सिंह ने कांस्य पदक अपने नाम किया था। इसके बाद 1962 जकार्ता एशियाई खेलों में तरलोक सिंह ने स्वर्ण पदक जीता था। यह भारत का इस स्पर्धा में पहला स्वर्ण था।

इसके बाद 1974 तेहरान एशियाई खेलों में शिवनाथ सिंह ने रजत पदक जीता था। यह एशियाड में इन खेलों में भारत का पहला रजत पदक था। 1978 बैंकॉक एशियाई खेलों में हरी चंद ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। 1998 बैंकॉक एशियाई खेलों में गुलाब चंद ने कांस्य पदक जीता। अब 25 साल बाद कार्तिक और गुलवीर ने भारत को एशियाई खेलों के 10 हजार मीटर में पदक दिलाए हैं।

एशियाई खेलों में पुरुषों के 10

हैदराबाद में लाहौर और कराची जैसा माहौल...

मोहम्मद रिजवान ने भारत में स्वागत पर कही बड़ी बात

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी खिलाड़ी भारत में स्वागत के बाद काफी खुश नजर आ रहे हैं। पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर कई पोस्ट अपलोड की हैं। जिसमें भारतीय मेहमाननवाजी की तारीफ की है।

भारत में शानदार स्वागत के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों में खुशी की लहर है। हैदराबाद में हुए शानदार स्वागत के बाद पाक खिलाड़ी सोशल मीडिया पर अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। भारतीय मेहमाननवाजी से अभिभूत खिलाड़ी इस बारे में पोस्ट अपलोड कर रहे हैं। इसी कड़ी में जिक्र हो रहा है पाकिस्तानी विकेटकीपर और बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान का।

जिनकी बड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। मोहम्मद रिजवान ने

न्यूजीलैंड के खिलाफ वार्मअप मैच में अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। उन्होंने शानदार शतकीय पारी खेली। 94 गेंदों पर 103 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए, लेकिन पाक टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस पारी में उन्होंने 9 चौके और 2 छक्के लगाए।

2016 में भारत आई थी पाक टीम

शानदार पारी खेलने के बाद मोहम्मद रिजवान ने कहा कि भारत में हमारा शानदार स्वागत हुआ। एयरपोर्ट में लोगों ने हमें वैसे ही प्यार दिया, जैसा लाहौर, कराची और पेशावर में पाकिस्तानियों से मिलता है। बता दें कि सात साल बाद भारत के दौरे पर पाक टीम पहुंची है। इससे पहले पाक टीम ने 2016 में भारत का दौरा किया था। मौका था टी20 वर्ल्ड कप का। पाक टीम बुधवार को शाम 8 बजे के आसपास एयरपोर्ट पर पहुंची थी। भारतीय लोग, जो पाक टीम के फैंस हैं, बड़ी तादाद में खिलाड़ियों की झलक पाने को बेताब दिखे।

बाबर आजम भी कर चुके हैं तारीफ

पाक खिलाड़ी शाहीन शाह अफरीदी भी अपने स्वागत से खुश नजर आए। स्वागत की उन्होंने जमकर तारीफ की। सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर कर कहा कि हमारा यहां पर शानदार स्वागत हुआ है। पाक के कप्तान बाबर आजम और दूसरे खिलाड़ी भी अपनी मेहमाननवाजी को लेकर भारतीयों की जमकर तारीफ कर चुके हैं। पाक को हैदराबाद में दो मुकाबले खेलने हैं। जिसको लेकर खिलाड़ी लगातार मेहनत कर रहे हैं।

भारत ने पाकिस्तान पर लगाई जीत की हैट्रिक

एक दिन में तीन अलग-अलग खेलों में हराया, इनमें दो फाइनल

हांगझोऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने सबसे पहले हांगझोऊ एशियाई खेलों के स्क्वैश के पुरुष टीम इवेंट के फाइनल में पाकिस्तान को हराया। इसके बाद पुरुष हॉकी में भारत ने पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत हासिल की। अंडर-19 सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप में भी भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया।

भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को तीन अलग-अलग खेल स्पर्धाओं में करारी शिकस्त दी। इनमें दो खेल तो हांगझोऊ में चल रहे एशियाई खेलों के रहे, जबकि एक मुकाबला अंडर-19 सैफ चैंपियनशिप फुटबॉल का रहा। तीनों में भारत ने पाकिस्तान पर बड़ी जीत हासिल की और एक दिन में चिर प्रतिद्वंद्वी पर जीत की हैट्रिक लगाई। इनमें से एशियाई खेलों का एक मुकाबला तो स्वर्ण पदक के लिए था, जिसे पाकिस्तान ने गंवा दिया।

भारत ने सबसे पहले हांगझोऊ एशियाई खेलों के स्क्वैश के पुरुष टीम इवेंट के फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराया। इसके बाद एशियाई खेलों में पुरुष हॉकी में ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से रौंद दिया और सबसे बड़ी जीत हासिल की। अंडर-19 सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से हरा दिया और खिताब अपने नाम किया। आइए इनके बारे में विस्तार

से जानते हैं...

1. हॉकी में भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत, 10-2 से हराया

भारत ने पाकिस्तान पर अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल कर एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के चार गोलों (11वें मिनट, 17वें मिनट, 33वें मिनट, 34वें मिनट) की बदौलत भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से रौंद दिया। भारतीय टीम पूल ए में चार मैच जीतकर शीर्ष पर है। उसका अगला मुकाबला दो अक्तूबर को बांग्लादेश के साथ होगा। भारत के लिए अन्य गोल वरुण कुमार (41वें मिनट, 54वें मिनट), मंदीप सिंह (8वें मिनट), सुमित (30वें मिनट), शमशेर सिंह (46वें मिनट), ललित उपाध्याय (49वें मिनट) ने किए। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद खान (38), अब्दुल राणा (45) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए।

2. स्क्वैश में नौ साल बाद फिर बने एशियाई पॉवरहाउस

भारत और पाकिस्तान मुकाबलों का रोमांच अब तक क्रिकेट, हॉकी में देखने को मिलता रहा है, लेकिन सांसों को थामने वाला यह रोमांच स्क्वैश में देखने को मिला। दो मैच बॉल (मैच प्वाइंट) को बचाते हुए अभय सिंह ने पाकिस्तान के नूर जमान को पांच गेमों में हराकर भारत को 2-1 से जीत दिलाते हुए एशियाई खेलों का टीम स्वर्ण दिला दिया।

3. भारत ने पाकिस्तान को हराकर सैफ अंडर-19 फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब जीता

भारत की अंडर-19 फुटबॉल टीम ने नेपाल के दशरथ स्टेडियम में खेले गए सैफ अंडर-19 फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में पाकिस्तान को 3-0 से हरा दिया और खिताब पर कब्जा जमाया। स्क्वैश के फाइनल के बाद पाकिस्तान को यहां भी मुंह की खानी पड़ी। भारत के किपगेन और गोयारी ने स्कोर किया।

टेबल टेनिस में मनिका, मानुष और मानव की चुनौती हार के साथ समाप्त

हांगझोऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुरूष युगल में भारत के मानुष शाह और मानव ठक्कर को दक्षिण कोरिया के वूजिन जांग और जोंगहुन लिम के हाथों 8-11, 11-7, 10-12, 11-6, 9-11 से पराजय झेलनी पड़ी। शुक्रवार को अचंता शरथ कमल और साथियान भी पुरुष एकल के राउंड ऑफ-16 में हार गए थे।

राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका बत्रा एशियाई खेलों की महिला एकल टेबल टेनिस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई। मनिका को दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की यिडि वांग ने 11-8, 10-12, 11-6, 11-4, 12-14, 11-5 से हराया। इसके साथ ही एकल वर्ग में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। इससे पहले पुरूष युगल में भारत के मानुष शाह और मानव ठक्कर को दक्षिण कोरिया के वूजिन जांग और जोंगहुन लिम के हाथों 8-11, 11- 7, 10-12, 11-6, 9-11 से पराजय झेलनी पड़ी। शुक्रवार को अचंता शरथ कमल और साथियान भी पुरुष एकल के राउंड ऑफ-16 में हार गए थे।

तेलंगाना के प्रत्येक जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज का निर्माण होगा : हरीश राव

स्वास्थ्य मंत्री ने कंदुकुर में सरकारी मेडिकल कॉलेज की नींव रखी

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने रविवार को रंगारेड्डी जिले के कंदुकुर में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज के निर्माण की आधारशिला रखी। हरीश राव ने कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेज का निर्माण 180 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा और इसे निर्धारित अवधि में पूरा किया जाएगा। इसके अलावा क्षेत्र में 300 करोड़ रुपये की लागत से 450 बेड का अस्पताल भी बन रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि एक बार सरकारी मेडिकल कॉलेज पूरा हो जाने के बाद, महेश्वर निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को उस्मानिया और हैदराबाद के गांधी अस्पतालों में जाने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा, एक बार मेडिकल कॉलेज पूरा हो जाने के बाद, कंदुकुर में बुखार, किडनी प्रत्यारोपण और कैंसर सहित सभी प्रकार के उपचार उपलब्ध होंगे।

उन्होंने तेलंगाना राज्य के प्रति सौतेला व्यवहार दिखाने और सबसे युवा राज्य को परियोजनाओं और धन के आवंटन से इनकार करने के लिए केंद्र सरकार की भी आलोचना की। हरीश राव ने कहा कि भारत में कुल 157 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए, लेकिन एक भी मेडिकल कॉलेज तेलंगाना को नहीं दिया गया। हालांकि, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव तेलंगाना राज्य के प्रत्येक जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज का निर्माण कर रहे हैं। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से 2800 से 10,000 तक मेडिकल सीटें बढ़ाई गई हैं। उन्होंने लोगों से शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी को चुनने की भी अपील की, जो महेश्वरम विधानसभा क्षेत्र का

सांसदों ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी को दी पुष्पांजलि

नई दिल्ली, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, संसद सदस्यों और अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों ने पूर्व लोक सभा अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह, लोक सभा और राज्य सभा सचिवालय के अधिकारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। श्री बालयोगी बारहवीं लोक सभा के अध्यक्ष थे और उन्हें तेरहवीं लोक सभा का अध्यक्ष भी पुनः चुना गया। वह दसवीं लोक सभा के सदस्य भी थे।

इससे पूर्व, वह आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य और आंध्र प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री भी थे। श्री बालयोगी का 3 मार्च, 2002 को आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया।

केसीआर तेलंगाना के हर परिवार का सदस्य : केटीआर

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, जिन्होंने रविवार को अपने तेलंगाना दौरे के दौरान महबूबनगर में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में आरोप लगाया कि बीआरएस एक पारिवारिक पार्टी है, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामा राव ने दोहराया है कि बीआरएस एक पारिवारिक पार्टी है, लेकिन इसमें चार करोड़ लोग सदस्य हैं। केटीआर ने कहा कि तेलंगाना में बीआरएस चार करोड़ लोगों का परिवार है और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव इस परिवार के मुखिया हैं।

रविवार को चेन्नूर, रामागुंडेम और पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद सभाओं को संबोधित करते हुए, केटीआर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों को पेंशन प्रदान करते समय एक बेटे की जगह ली और रैतु बंधु और रैतु बीमा देकर किसानों के लिए एक भाई के रूप में खड़े हुए। केटीआर ने कहा कि केसीआर तेलंगाना के हर परिवार का सदस्य हैं। केटी रामा राव ने कहा कि पीएम मोदी ने सिंगरेनी कोलियरी का निजीकरण करने के प्रयास में सिंगरेनी कोयला खदानों की नीलामी करके रामागुंडम के लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की रणनीति सरकारी कंपनियों को घाटे में धकेलना और बाद में अडानी जैसे अपने कॉर्पोरेट मित्रों के लाभ के लिए उनका निजीकरण करना है।

केसीआर द्वारा तेलंगाना में कृषि ऋण माफ नहीं करने के पीएम मोदी के बयान की आलोचना करते हुए केटीआर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में दो बार कृषि ऋण माफ किया है और प्रधानमंत्री से आधारहीन टिप्पणी न करने को कहा। केटीआर ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि भारत के लोग प्रधानी (प्रधानमंत्री) को अडानी कहकर बुला रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना में आगामी चुनाव में बीजेपी पार्टी की जमानत नहीं बचेगी। कांग्रेस पार्टी पर हमला करते हुए केटीआर ने कहा कि मुझे कांग्रेस की छह गारंटी के बारे में नहीं पता, लेकिन अगर वे सत्ता में आए तो गारंटी के लिए तीन चीजें होंगी और इसमें एक दिन में तीन घंटे बिजली की आपूर्ति, हर साल मुख्यमंत्री और राज्य में ढेर सारे घोटाले होंगे। मंत्री ने राज्य के दौरे पर आने वाले कांग्रेस और भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विभिन्न दलों के नेता चुनाव से ठीक पहले आपके पास आने लगते हैं, जैसे संक्रांति त्योहार से पहले गायक आपके घर आते हैं। उन्होंने कहा, वे केवल झूठे वादे करते हैं और मैं आपसे सतर्क रहने और उनके जाल में नहीं फंसने का अनुरोध करता हूं।

केटीआर ने केसीआर के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में तेलंगाना राज्य में हुए विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पेद्दापल्ली मुख्यालय बन गया है जिससे लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने में बहुत जरूरी राहत मिली है। केटीआर ने राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों के साथ-साथ तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिलाने में उनके अथक प्रयासों के लिए सिंगरेनी कोलियरीज के कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना सरकार ने वेतन वृद्धि और आश्रित नौकरी के अवसर प्रदान किए जिससे कई लोगों को लाभ हुआ।

पूरे तेलंगाना में उतार-चढ़ाव भरी रही मानसून यात्रा

देर में पहुंचा था मानसून, भीषण गर्मी और रिकॉर्ड बारिश हुई

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आधिकारिक तौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम पर पर्दा पड़ गया है, जो हैदराबाद और तेलंगाना में अन्य जगहों पर मौसम के मानसून के बाद की अवधि में परिवर्तन का प्रतीक है, जो आमतौर पर अक्टूबर और दिसंबर के बीच आता है। इस वर्ष का मानसून, हालांकि इसकी देरी से शुरुआत और अनियमित व्यवहार के कारण चिह्नित हुआ, अंततः हैदराबाद पर एक महत्वपूर्ण छाप छोड़ी।

शहर की मौसम संबंधी यात्रा उतार-चढ़ाव भरी रही है, जिसमें मौसम के प्रति उत्साही और निवासियों को प्रत्याशा और आश्चर्य का मिश्रण अनुभव हुआ है। मानसून की शुरुआत किसी संकट से कम नहीं थी, 10 दिनों की देरी से पूरे शहर में चिंताएं बढ़ गई हैं। जून भीषण गर्मी और कम बारिश लेकर आया, जिसके कारण उच्च तापमान की चेतावनी जारी की गई, भीषण तापमान की चेतावनी दी गई। आख़िरकार जून के अंत में राहत मिली, जब आसमान खुला, जिससे बहुत ज़रूरी बारिश हुई। विशेष रूप से, हैदराबाद के दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा में सबसे अधिक योगदान जुलाई और सितंबर के महीनों से आया।

हालाँकि, अगस्त निराशाजनक साबित हुआ, क्योंकि शहर में उचित बारिश की लगातार कमी देखी गई। दूसरी ओर, जुलाई ने एक विपरीत तस्वीर पेश की, जिसमें भारी बारिश ने हैदराबाद सहित पूरे राज्य को भिगो दिया। 19 जुलाई से महीने के अंत तक की अवधि में प्रभावशाली बारिश देखी गई, 27 जुलाई असाधारण वर्षा के दिन के रूप में सामने आया। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी के आंकड़ों के अनुसार, इस साल का मानसून प्रचुर मात्रा में बारिश के साथ संपन्न हुआ, जो कि हैदराबाद में कुल 769.5 मिमी थी।

यह आंकड़ा 25 प्रतिशत विचलन के साथ 615.4 मिमी के सामान्य निशान से अधिक है। उल्लेखनीय रूप से, शहर के सभी क्षेत्रों को 'अत्यधिक' या 'सामान्य' बारिश की श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया था। जहां सरूरनगर, सैदाबाद, हयातनगर, उप्पल, बंदलागुडा और अमीरपेट में 'सामान्य' बारिश हुई, वहीं अन्य सभी इलाकों में 'अत्यधिक' बारिश देखी गई।

मॉनसून बारिश के आंकड़ों में शैकपेट और मारेडपल्ली ने सुर्खियां बटोरीं और मॉनसून के महीनों के दौरान पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक बारिश हुई। अकेले शैकपेट में 910.7 मिमी बारिश हुई, इसके बाद मारेडपल्ली में 908.5 मिमी बारिश हुई। जैसा कि दक्षिण पश्चिम मानसून अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में हैदराबाद सहित तेलंगाना से विदा लेने की तैयारी कर रहा है, निवासी 2 अक्टूबर से बारिश में धीरे-धीरे कमी की उम्मीद कर सकते हैं। सर्दियों के मौसम के साथ, हैदराबाद नवंबर से जनवरी तक तापमान में गिरावट की उम्मीद कर सकता है, जिससे ठंडी रातों के मौसम का स्वागत किया जा सकता है।

मेदक कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी छोड़ी

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले में कांग्रेस को उस समय झटका लगा जब उसके जिला अध्यक्ष कांतारेड्डी तिरूपति रेड्डी ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और डीसीसी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर केवल उन्हीं लोगों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया जिनके पास कैश बैग है। अपने त्याग पत्र में, तिरुपति रेड्डी ने कहा कि उन्हें लगता है कि हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर पार्टी में उनके जैसे समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए कोई जगह नहीं है। यह कहते हुए कि वह तेलंगाना कांग्रेस के घटनाक्रम पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं की चुप्पी से निराश हैं, रेड्डी ने कहा कि उन्होंने मेडक में एक दशक से अधिक समय तक पार्टी के लिए काम किया है। हालाँकि, अब राज्य में कांग्रेस नेतृत्व उन नेताओं का स्वागत कर रहा था जिन्होंने जीवन भर पार्टी के खिलाफ काम किया। उन्होंने कहा कि मेडक में कांग्रेस आने वाले दिनों में ऐसे लोगों के हाथों की कठपुतली बन जाएगी, उन्होंने कहा कि राज्य में पार्टी नेतृत्व केवल उन लोगों को विधायक सीटें दे रहा है जिनके पास पैसा है। यह घटनाक्रम कथित तौर पर पार्टी द्वारा मयनामपल्ली हनुमंत राव के बेटे मयनामपल्ली रोहित को मेडक विधानसभा सीट की पेशकश के मद्देनजर आया है। पता चला है कि तिरुपति रेड्डी जल्द ही भारत राष्ट्र समिति में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा है कि वह एक दो दिन में अपने फैसले की घोषणा करेंगे।

दशहरा उत्सव के लिए 5265 विशेष बसें चलाएगी टीएसआरटीसी

विशेष बसों में लगेगा सामान्य किराया : वीसी सज्जनार

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) यह सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं कर रहा है कि यात्री आगामी दशहरा उत्सव के लिए सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचें। इसने बथुकम्मा और दशहरा त्योहारों के लिए अपने मूल स्थानों पर जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए 5265 विशेष बसें संचालित करने की योजना बनाई है। विशेष बसें 13 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेंगी। निगम ने इन विशेष बसों में 536 सेवाओं के लिए अग्रिम आरक्षण की सुविधा प्रदान की है। 22 अक्टूबर को सद्दुला बथुकम्मा, 23 अक्टूबर को महानवमी और 24 अक्टूबर को दशहरा में यात्रियों की भारी भीड़ होने की संभावना है। आवश्यकता के आधार पर उन दिनों और अधिक विशेष बसें संचालित की जाएंगी। हैदराबाद और सिकंदराबाद से राज्य के सभी हिस्सों के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्यों के लिए विशेष बसें चलेंगी। हैदराबाद में एमजीबीएस, जेबीएस और सीबीएस जैसे प्रमुख बस अड्डों के अलावा, निगम केपीएचबी कॉलोनी, उप्पल चौराहा, उप्पल बस स्टैंड, दिलसुखनगर, एलबी नगर, आरामगढ़ और अन्य क्षेत्रों से विशेष बसें संचालित करेगा जहां यात्रियों की भीड़ अधिक है। त्योहारी सीज़न के दौरान, एमजीबीएस-उप्पल, एमजीबीएस-जेबीएस और एमजीबीएस-एलबी नगर मार्गों पर हर 10 मिनट में सिटी बसें उपलब्ध होंगी।

21 से 23 अक्टूबर तक यात्रियों की भीड़ को देखते हुए निगम ने एमजीबीएस से नहीं बल्कि विभिन्न स्थानों से नियमित और विशेष सेवाएं संचालित करने का निर्णय लिया है। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर, चित्तूर, कडप्पा, कुरनूल, नेल्लोर, ओंगोल और माचेरला की ओर जाने वाली बसें सीबीएस से रवाना होंगी। आदिलाबाद, करीमनगर, मेडक और निज़ामाबाद की ओर जाने वाले लोग जेबीएस और पिकेट से जाएंगे। वारंगल, हनमकोंडा, जनगामा, परकाला, नरसंपेट, महबूबाबाद, थोरूर और यादगिरिगुट्टा से बसें उप्पल चौराहे और उप्पल बस स्टैंड से चलेंगी। विजयवाड़ा, विजयनगरम, गुंटूर और विशाखापत्तनम से बसें एलबी नगर से प्रस्थान करेंगी। बाकी सेवाएं हमेशा की तरह एमजीबीएस से चलेंगी।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बासर के पास किशोर गोदावरी में डूबा

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ामाबाद जिले के निर्मल में एक पंद्रह वर्षीय बच्चा रविवार को बासर के पास गोदावरी नदी से एक बोतल में पानी इकट्ठा करते समय दुर्घटनावश डूब गया। बासर उप-निरीक्षक के गणेश ने कहा कि निज़ामाबाद जिले के हमालवाड़ी का स्कूल छोड़ने वाला छात्र संतोष शिंदे उस समय डूब गया जब वह नदी में डुबकी लगाने के बाद एक बोतल में पानी ले रहा था। संतोष तैराकी से परिचित नहीं था। उसके साथ चार दोस्त भी थे जिन्होंने उसे डूबते हुए देखा और पुलिस को सूचित किया। पांचों प्राचीन श्री ज्ञान सरस्वती देवी मंदिर के दर्शन के लिए बासर में थे। संतोष और उनके माता-पिता 10 साल पहले आजीविका की तलाश में महाराष्ट्र से निज़ामाबाद चले आए थे। संतोष की मां जयश्री ने बासर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मोदी राज में विकास देख रहे हैं लोग : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि वे देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कैसे आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से लेकर रक्षा क्षेत्र तक, देश सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में तेलंगाना राज्य पर 9 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। महबूबनगर जिले के भूतपुर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री रेलवे, सड़क और स्वास्थ्य क्षेत्र सहित तेलंगाना के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र 26,000 करोड़ रुपये की लागत से तेलंगाना धान खरीद रहा है और कहा कि मोदी सरकार प्रति एकड़ दो फसल उगाने वाले किसान को 18,000 रुपये प्रति वर्ष दे रही है। किशन रेड्डी ने कहा कि आलमपुर शक्तिपीठम मंदिर का विकास मोदी सरकार पुरातत्व और पर्यटन विभागों के सहयोग से कर रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में केंद्र ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर 1,9,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। ट्रिपल आर रोड का निर्माण 26,000 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। केंद्र ने इसके समानांतर एक रेलवे लाइन बिछाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि देश में 34 वंदे भारत ट्रेनों में से केंद्र ने तेलंगाना को तीन ट्रेनें आवंटित कीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर के पास राज्य में प्रधानमंत्री के साथ उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का समय नहीं है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

सूर्यापेट, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चिव्वेमला मंडल के कुदाकुडा में रविवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में एक युवा धारावत पवन (23) की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क दुर्घटना में चिव्वेमला मंडल के जगन थांडा के पवन को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

25 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को मेदक के शिवमपेट मंडल के चिन्ना गोट्टीमुक्काला गांव में एक 25 वर्षीय व्यक्ति की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। पीड़ित गुम्मडी सुनील (25) था। कथित तौर पर वह गांव से गुजरने वाली बिजली लाइन से तार हटाने के लिए बिजली के खंभे पर चढ़ गया। जिससे वह विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बीआरएस एमएलसी काशीरेड्डी नारायण रेड्डी ने पार्टी से इस्तीफा दिया

हैदराबाद, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता और एमएलसी कासिरेड्डी नारायण रेड्डी ने रविवार को राज्य विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी से इस्तीफा दे दिया। वह पिछले कुछ दिनों में मल्काजगिरी विधायक मयनामपल्ली हनुमंत राव के साथ सत्तारूढ़ बीआरएस छोड़ने वाले दूसरे प्रमुख नेता हैं, जो कांग्रेस में शामिल हुए हैं। एमएलसी कांग्रेस में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कासिरेड्डी नारायण रेड्डी ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी से शहर में उनके आवास पर मुलाकात की और कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। नारायण रेड्डी को आगामी चुनावों में कल्वाकुर्ती विधानसभा सीट से बीआरएस टिकट की उम्मीद है। हालांकि, बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मौजूदा विधायक जयपाल यादव को टिकट आवंटित किया है। पार्टी से टिकट नहीं मिलने से नाराज बीआरएस एमएलसी ने पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया है। कासिरेड्डी के

मिलावटी शेंदी दुकानों के खिलाफ प्रदर्शन

लोगों ने आधिकारियों की लापरवाही को बताया कारण

मदनूर, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय लोगों ने रविवार सुबह शेंदी दुकान के सामने आंदोलन करते हुए बताया कि स्थानीय शेंदी दुकान के मालिक कई दिनों से मंडल केंद्र की चार दिशाओं में मिलावटी शेंदी की दुकान खोलकर बेचते हुए अपनी चांदी काट रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि मदनूर मंडल केंद्र में एक ही शेंदी दुकान चलाने का लाइसेंस है, लेकिन दुकान मालिक मात्र आबकारी शाखा के नियमों को धत्ता बताकर हनुमान मंदिर बालिका पाठशाला के पास में एक दुकान, दूसरा आवलगाव रोड के पास में, तीसरा एल्म्मा गल्ली बाइपास के निकट, चैथा इंद्रानगर में, इस प्रकार आबकारी शाखा की आंख में धूल झोंककर मिलावट शेंदी का व्यापार जोरों पर चला रहे हैं। आबकारी नियमों नके अनुसार मंदिर व पाठशाला के बगल में शेंदी की दुकान नहीं रहना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने उस दुकान को बंद करने का आग्रह किया, क्योंकि शेंदी दुकान के सामने से बालिका हर रोज पाठशाला को जाते हैं। इस जगह शेंदी की दुकान रहने से बालिकाओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, शेंदी दुकान का मालिक शेंदी की बोतल को भी सही ढंग से नहीं धोता है। कुछ साल पहले शेंदी में मरा हुवा छिपकली निकली थी। स्थानीय व्यक्ति उस समय शेंदी का सेवन कर रहा था और शेंदी सेवन करने के बाद उस व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। लोगों ने एस क्षेत्र में नियमानुसार शुद्ध शेंदी बेचने की मांग की।

कौशल विकास निगम घोटाला : चंद्रबाबू की याचिका पर कल सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 1 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उच्चतम न्यायालय तेदेपा नेता एन. चंद्रबाबू नायडू की उस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करेगा, जिसमें आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है। दरअसल, उच्च न्यायालय ने कथित कौशल विकास निगम घोटाले के मामले में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की याचिका खारिज कर दी थी।

शीर्ष अदालत ने कहा था-नई पीठ करेगी मामले पर सुनवाई

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ इस याचिका पर तीन अक्तूबर को सुनवाई करेगी। इससे पहले, 27 सितंबर को शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह निचली अदालतो नायडू की पुलिस हिरासत की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से नहीं रोकेगी, क्योंकि उसने घोषणा की है कि प्राथमिकी को रद्द करने के लिए एक नई पीठ उनकी याचिका पर सुनवाई करेगी।

नौ सितंबर को गिरफ्तार हुए थे पूर्व मुख्यमंत्री नायडू

इस कथित 371 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में नौ सितंबर को गिरफ्तार किए गए नायडू की याचिका शीर्ष अदालत में दो पीठों के समक्ष आई थी लेकिन उस पर कोई प्रभावी सुनवाई नहीं हुई। शुरुआत में यह मामला न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की विशेष पीठ के समक्ष आया लेकिन बाद में उन्होंने बुधवार को मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया।

तीन अक्तूबर से काम शुरू करेगी शीर्ष अदालत

तेदेपा नेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा इसके बाद नायडू की याचिका पर तत्काल सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के पास पहुंचे। सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि नायडू की याचिका पर एक नई पीठ सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत 28 सितंबर को बंद हुई थी और अब तीन अक्तूबर को फिर से काम शुरू करेगी।

नायडू (73 वर्षीय) को 2015 में मुख्यमंत्री रहने के दौरान कौशल विकास निगम से धन के कथित गबन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। निचली अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत पांच अक्तूबर तक बढ़ा दी थी। सीआईडी ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि नायडू 'धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज बनाने और सबूत नष्ट करने के अलावा अपने इस्तेमाल के लिए सरकारी धन के गबन या अन्यथा रूपांतरण के इरादे से आपराधिक साजिश में शामिल थे।'

उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर अपने आदेश में क्या कहा

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने पिछले शुक्रवार (22 सितंबर) को पूर्व मुख्यमंत्री नायडू की प्राथमिकी रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने 23 सितंबर को शीर्ष अदालत का रुख करते हुए उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी। सर्वोच्च न्यायालय ने 25 सितंबर को नायडू के वकील से कहा था कि वह मंगलवार को तत्काल सुनवाई के लिए अपनी याचिका जिक्र करें।

प्राथमिकी रद्द करने की उनकी याचिका खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि इसमें कोई दम नहीं है और कहा कि जब जांच चल रही है तो अदालत इस स्तर पर दखल देने की इच्छुक नहीं है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.